सूर्योदय 5:54 सूर्यास्त 6:53

आज का तापमान

शिमला	15.6 न्यू	24.8 अधि
धर्मशाला	18.5 न्यू	29.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	80905.30
निफ्टी	24770.20

सोना 73,200 चांदी 87,503

अनंत ज्ञान

www.anantgyaan.in

आलिया भट्ट को 'जिगरा' के सेट पर मिल गया नया साथी

पृष्ठ 4 पर

आरएनआई नं. HPHIN01099 | कांगड़ा | वीरवार, 22 अगस्त 2024 | 7 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2081 | वर्ष 1, अंक 245, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | follow us on: | 8894521702

न्यूज शॉर्ट्स

पोलैंड पहुंचने पर पीएम मोदी का भव्य स्वागत

वारसॉ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 दिन के दौरे पर बुधवार को पोलैंड पहुंचे। जिस होटल में वह ठहरे हैं, वहां भारतीय समुदाय के लोगों ने पीएम मोदी का भव्य स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने बच्चों से हाथ मिलाया। मोदी के स्वागत में डांडिया नृत्य की प्रस्तुति भी दी गई। मोदी वीरवार को पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क और फिर राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा से मुलाकात करेंगे। यह 45 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली पोलैंड यात्रा है। इससे पहले 1979 में मोरारजी देसाई वहां गए थे।

जेएंडके में विधानसभा चुनाव लड़ेगी 'आप'

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया। दिल्ली के खाद्य मंत्री इमरान हुसैन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पार्टी जम्मू-कश्मीर में पूरी मजबूती से चुनाव लड़ेगी।

राजनाथ 23 से जाएंगे अमेरिका की यात्रा पर

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 23 से 26 अगस्त तक अमेरिका की चार दिवसीय यात्रा पर रहेंगे। दोनों देशों के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगे। सिंह वाशिंगटन में अमेरिका के अपने समकक्ष लॉयड ऑस्टिन तथा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान समेत अन्य लोगों से बातचीत करेंगे।

सांसद राशिद की याचिका पर एनआईए से मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने जेल में बंद कश्मीरी सांसद इंजीनियर राशिद की जमानत याचिका पर एनआईए से जवाब मांगा है। राशिद ने 2024 के लोकसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला को हराया था। कोर्ट ने एनआईए को नोटिस जारी किया और उसे 28 अगस्त तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

शेख हसीना पर एक और मामला दर्ज

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और 86 अन्य के खिलाफ सिलहट शहर में एक जुलूस पर हमला करने के मामले में बुधवार को केस दर्ज किया है। अब तक उनके खिलाफ 33 मामले दर्ज किए गए हैं।

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- प्रदेश में पहली सितंबर से शुरू होगी पशुधन गणना -पेज 3
- 13 साल बाद बढ़े चावल और आटे के दाम -पेज 3
- ढलेपा में छोटे वाहनों की आवाजाही के लिए बैली ब्रिज तैयार -पेज 11
- इसराइल ने गाजा में स्कूल पर किया हमला, 12 की मौत -पेज 13
- मनोज ठाकुर ने 48 किलोग्राम भारवर्ग में झटका स्वर्ण पदक -पेज 14

आरक्षण पर भारत बंद, बिहार यूपी और राजस्थान में असर

बिहार में ट्रेनें रोकीं; कई जगह लाठीचार्ज, राजस्थान के 16 जिलों में स्कूल बंद

एजेंसी, नई दिल्ली

एससी/एसटी के आरक्षण में क्रीमी लेयर पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में दलित-आदिवासी संगठनों की ओर से घोषित भारत बंद का विभिन्न राज्यों में मिला-जुला असर रहा। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और हरियाणा समेत कई राज्यों में भारत बंद का आंशिक प्रभाव देखा गया। कहीं-कहीं पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें भी हुई हैं।

यूपी में भी प्रदर्शन और निकाले मार्च

बिहार में सबसे अधिक असर देखने को मिला। बिहार में कई जगह ट्रेनें रोकीं गईं और पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा, जिससे कुछ प्रदर्शनकारियों को चोटें आई हैं। ट्रैफिक जाम और ट्रेन सेवाओं में रुकावट के चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं, आरा और दरभंगा में ट्रेनें रोकी गईं, जबकि जहानाबाद, सहरसा और पूर्णिया में हाईवे को जाम किया गया। राजस्थान के 16 जिलों में स्कूल बंद रखे गए। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में भी भारत बंद का असर देखने को मिला। उत्तर प्रदेश में प्रदर्शन और मार्च निकाले गए। कांग्रेस, टीएमसी, सपा, बसपा, आरजेडी, झामुमो समेत कई दलों ने भारत बंद का समर्थन किया है। पंजाब और हरियाणा में बहुत ज्यादा प्रभाव देखने को नहीं मिला। सामान्य जनजीवन में कोई बड़ी रुकावट नहीं आई। सार्वजनिक परिवहन सेवाओं पर कोई खास असर नहीं पड़ा और सड़कें भी सामान्य रूप से खुली रहीं। आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति ने आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन की अपील की थी, जिसमें कहा है कि राज्यों को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति में 'क्रीमी लेयर' की पहचान करनी चाहिए और उन्हें कोटा लाभ से बाहर रखना चाहिए।

बंद का असर

बिहार: आरा में प्रदर्शनकारियों ने रेल पटरियों पर नारेबाजी की, इससे गाड़ियों की आवाजाही रुक गई।
पटना में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया गया।
आरा और दरभंगा में ट्रेनें रोकी।
जहानाबाद, सहरसा और पूर्णिया में हाईवे जाम।
राजस्थान : राजस्थान-पाकिस्तान बॉर्डर के जिले बाड़मेर में निकाली गई रैली में सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए।
जयपुर समेत 16 जिलों में स्कूल बंद रहे।
भरतपुर में इंटरनेट बंद।
अलवर में रोडवेज की बसें रोकीं।
मध्य प्रदेश: मध्य प्रदेश के उज्जैन में बाजार बंद कराने पर झड़प
ग्वालियर में भी स्कूल रहे बंद।
उज्जैन में प्रदर्शनकारियों और दुकानदारों के बीच बहस।

कोलकाता रेप-मर्डर केस : सीआईएसएफ ने संभाली अस्पताल की सुरक्षा

तीन पुलिस अधिकारी सस्पेंड

एजेंसी, कोलकाता

कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर की रेप और मर्डर केस में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के एक दिन बाद आरजी कर मेडिकल कॉलेज की सुरक्षा सीआईएसएफ ने अपने हाथ में ले ली है। सीआईएसएफ के अधिकारी बुधवार को अस्पताल पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। वहीं, 15 अगस्त को अस्पताल में देर रात हजारों की भीड़ ने हमला किया था। भीड़ ने अस्पताल में तोड़फोड़ की थी। इस मामले में कोलकाता पुलिस ने 3 पुलिस अधिकारियों का सस्पेंड कर दिया है। इसमें दो असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर भी शामिल हैं। वहीं, अस्पताल के पूर्व डिप्टी सुपरिंटेंडेंट अख्तर अली ने कलकत्ता हाईकोर्ट में पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के खिलाफ याचिका लगाई है। अली ने घोष पर वित्तीय अनियमितता का आरोप लगाया है और ईडी से जांच कराने की मांग की है।

कलकत्ता हाईकोर्ट में 4 सितंबर को सुनवाई होगी

रेप-मर्डर केस में बुधवार को कलकत्ता हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि राज्य सरकार ने पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष की जांच के लिए एसआईटी बनाई है। यह उन्हें बचाने के लिए एक दिखावा है। हालांकि कोर्ट ने कहा कि हम इस मामले को अब 4 सितंबर को सुनेंगे।

10वें दिन भी डॉक्टरों का प्रदर्शन जारी

डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर केंद्र सरकार से कानून बनाने की मांग कर रहे डॉक्टरों का प्रदर्शन 10वें दिन भी जारी है। कोलकाता, दिल्ली और अन्य शहरों में भी डॉक्टरों ने आज काम नहीं किया। एम्स दिल्ली ने डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए कमेटी बनाई है।

भाजपा और कांग्रेस ने मांगा ममता से इस्तीफा

कोलकाता में भाजपा और कांग्रेस ने राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की। ममता के खिलाफ पहली बार आम आदमी पार्टी ने भी पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया।

मर्डर की जगह मिली डायरी का गायब पन्ना खोलेगा राज

सीबीआई 64 घंटे की पूछताछ पूरी कर चुकी है। वीरवार को पुलिस के सामने संदीप घोष की पेशी होगी। वहीं, अस्पताल में रेप और मर्डर वाली जगह से पुलिस को एक डायरी मिली है, जो अहम रोल अदा कर सकती है। डायरी के ठीक बगल में उसी डायरी का एक पन्ना खुला पड़ा था, जिस पर कुछ लिखा हुआ था। कोलकाता पुलिस ने सीलबंद लिफाफे में पन्ने को जब्त कर लिया है। अब डायरी का गायब पन्ना राज खोलेगा। माता-पिता ने बेटी की लिखावट होने की हामी भरी है।

घोष का बाउंसर था मुख्य आरोपी संजय

आरजी कर अस्पताल के पूर्व उपाधीक्षक अख्तर अली ने पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। अख्तर अली ने दावा किया कि मुख्य आरोपी संजय रॉय पूर्व प्रिंसिपल का बाउंसर था। संदीप घोष अस्पताल के लावारिस शवों को बेचने सहित कई अवैध गतिविधियों में शामिल था।

खुलासा : दरिंदगी वाली रात को आरोपी रेड लाइट एरिया गया और जमकर शराब पी

ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप-हत्या केस और आरोपी को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है। आरोपी संजय रॉय ने उस रात शराब का सेवन किया था। उसी रात वह दो रेड लाइट इलाकों में भी गया था और वहां जमकर शराब पी थी। वह नशे में बुरी तरह से धुत्त था।

बदलापुर में बच्चियों के यौन शोषण का मामला

72 अरेस्ट; स्कूल व इंटरनेट बंद, 300 प्रदर्शनकारियों पर एफआईआर दर्ज

एजेंसी, मुंबई

24 को एमवीए का महाराष्ट्र बंद का ऐलान, एसआईटी ने किए बच्चियों के बयान दर्ज

आरोपी की 26 तक बढ़ाई न्यायिक हिरासत

महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर में 2 बच्चियों के साथ यौन शोषण मामले में राज्य सरकार ने बुधवार को स्कूल के लिए प्रशासक नियुक्त कर दिया है।,

एसआईटी की टीम ने बच्चियों के घर पहुंचकर बयान दर्ज किए। हजारों की भीड़ ने मंगलवार को तोड़फोड़ और पुलिस पर पथराव किया था। 17 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। 300 प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। अब तक 72 को अरेस्ट किया। बदलापुर में आज इंटरनेट और स्कूल बंद रहे। आरोपी को 26 अगस्त तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। वहीं, महाविकास अघाड़ी (एमवीए) ने 24 अगस्त को महाराष्ट्र बंद का ऐलान किया है।

रानीताल में खाना खाने के बाद बिगड़ी तबीयत, दो मासूम बच्चियों की मौत

एक बच्ची तीन और दूसरी सात साल की, मां टांडा अस्पताल में भर्ती

अनंत ज्ञान, देहरा

कांगड़ा के रानीताल में मंगलवार को खाना खाने के बाद तबीयत बिगड़ने से 2 बच्चियों की मौत हो गई। मां को भी टांडा मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया है, जहां उसकी गंभीर हालत बनी हुई है।

यूपी के बरेली निवासी नेक पाल अपनी पत्नी व बच्चियों के साथ पिछले चार साल से रानीताल के पास रहकर मेहनत मजदूरी कर रहा था। रात को सभी खाना खाकर सो गए। इस दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने पर नेक पाल की छोटी बेटी आंशिका (3) को उपमंडल अस्पताल देहरा ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद बड़ी बेटी खुशी (7) को टांडा कॉलेज ले जाया गया, जहां उसे भी मृत घोषित कर दिया। वहीं, मां को भी बुधवार सुबह तबीयत बिगड़ने पर टांडा अस्पताल ले जाया गया, जहां हालत गंभीर बनी हुई है। धर्मशाला के एएसपी हितेश लखनपाल ने बताया कि पुलिस ने मौके पर जाकर खाने के सैंपल भरे हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। बच्चियों के शवों का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

खाने के लिए सैंपल
यूपी का रहने वाला है परिवार

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास लगातार दूसरी बार बने शीर्ष बैंकर

एजेंसी, मुंबई

पीएम मोदी ने दी बधाई

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास को अमेरिका की 'ग्लोबल फाइनेंस' पत्रिका ने लगातार दूसरे साल वैश्विक स्तर पर शीर्ष केंद्रीय बैंकर का दर्जा दिया है।

आरबीआई ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि लगातार दूसरे साल आरबीआई गवर्नर दास को 'ग्लोबल फाइनेंस सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड 2024' में 'ए प्लस' रेटिंग दी गई है। दास को तीन केंद्रीय बैंक गवर्नरों की सूची में शीर्ष पर रखा गया है, जिन्हें 'ए प्लस' रेटिंग दी गई है। डेनमार्क के क्रिश्चियन केटल थॉमसन, भारत के शक्तिकांत दास और स्विटजरलैंड के थॉमस जॉर्डन को केंद्रीय बैंकरों की 'ए प्लस' श्रेणी में स्थान दिया गया है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक्स' पर आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास को केंद्रीय बैंकरों की वैश्विक रैंकिंग में शीर्ष रेटिंग मिलने पर बधाई दी और इसे उनके नेतृत्व को मान्यता बताया।

कंगना रनौत के चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई टली

शिमला। हिमाचल हाईकोर्ट में बुधवार को मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनौत के चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई हुई। कंगना के वकील अंशुल बंसल ने अदालत से नोटिस का जवाब देने के लिए समय मांगा है।

सांसद ने जवाब देने को मांगा वक्त, अब 15 सितंबर को होगी सुनवाई

अदालत ने कंगना को प्रतिवादी बनाया है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने कंगना को 21 अगस्त तक जवाब देने को कहा था। कोर्ट ने किन्नौर जिला निवासी लायक राम नेगी की ओर से दायर याचिका पर कंगना रनौत को नोटिस जारी किया था। अब इस मामले में अगली सुनवाई 15 सितंबर को होगी।

बॉर्डर पर फिर साजिश रचने लगा ड्रैगन, सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासा

लद्दाख में एलएसी के पास बनाई 6 हेलीस्ट्रिप

एजेंसी, नई दिल्ली

चीन ने एक बार फिर से बॉर्डर पर अपनी साजिशें रचना शुरू कर दी हैं। लद्दाख से लगने वाली वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन की सेना ने छह नई हेलीस्ट्रिप बनाई हैं।

सैटेलाइट तस्वीरों से यह खुलासा हुआ है। चीन ने जिस जगह पर हेलीस्ट्रिप बनाई हैं, वह हिस्सा वेस्टर्न तिब्बत में मौजूद है। लद्दाख के डेमचौक से इन हेलीस्ट्रिप की दूरी 100 मील है, जिसकी वजह से खतरा और भी ज्यादा बढ़ जाता है। फिलहाल भारत सरकार की तरफ से इस मुद्दे पर कोई जवाब नहीं आया है। चीन की सेना अक्सर एलएसी के करीब हेलिपैड या कंस्ट्रक्शन करती रही है। पिछले कुछ सालों में इसने कई सारी सड़कों का निर्माण भी इस इलाके में किया है। भारत ने भी लद्दाख से सटे चीनी हिस्से पर अपनी निगरानी बढ़ा दी है। सड़कों का जाल बिछाना शुरू किया है, ताकि चीन से निपटा जा सके। भारत ने यहां पर कई आधुनिक हथियारों की तैनाती भी की है।

डेमचौक से हेलीस्ट्रिप की दूरी 100 मील

पहले पूर्वी लद्दाख में बंकर बनाने में लगा था चीन

चीन की काली करतूत का खुलासा पहली बार नहीं हुआ है। इससे पहले जुलाई में खबर आई थी कि चीन की सेना ने पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के पास खुदाई की थी। यहां पर अंडरग्राउंड बंकर बनाए जा रहे थे, ताकि हथियारों, ईंधन और गाड़ियों को स्टोर करने के लिए मजबूत शेल्टर बनाया जा सके। सैटेलाइट तस्वीरों के जरिए भी इस राज से पर्दा उठा था, जिस इलाके में बंकर बनाया जा रहा था, वह मई 2020 से ही खाली पड़ा हुआ था। इस इलाके में चीन का सिरजाप बेस है, जहां उन चीनी सैनिकों के ठहरने की व्यवस्था की गई है।

न्यूज ब्रीफ

गेयटी थियेटर में लोक संगीतसभा 22 अगस्त को

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। आकाशवाणी द्वारा 78वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर अगस्त माह में देशभर के विभिन्न स्थानों पर संगीत सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आकाशवाणी शिमला 22 अगस्त को सांय 3 बजे से गेयटी थियेटर शिमला में एक लोक संगीत सभा का आयोजन कर रहा है, जिसमें प्रदेश के सुप्रसिद्ध कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

सचिवालय में संपन्न हुई लोक लेखा समिति की बैठकें

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। लोक लेखा समिति की 20 व 21 अगस्त को आयोजित बैठकें कार्यकारी सभापति जीतराम कटवाल की अध्यक्षता में विधानसभा के मुख्य समिति कक्ष में संपन्न हुई। इन बैठकों में सदस्य सर्वश्री डॉ. हंस राज, बलबीर वर्मा, संजय रत्न, इन्द्र सिंह, डॉ. जनक राज, मलेन्द्र राजन, केवल सिंह पठानियां, कैप्टन रणजीत सिंह व कमलेश ठाकुर ने भाग लिया।

मतदाता सूचियों का सत्यापन कार्य आरंभ

सपना सूद, चौपाल। एसडीएम एवं निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी हेमचंद वर्मा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावली को शुद्ध व अद्यतन बनाए रखने के उद्देश्य से बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा 20 अगस्त से अपने मतदान क्षेत्र के अंतर्गत घर-घर जाकर फोटोयुक्त मतदाता सूचियों में विद्यमान प्रविष्टियों के सत्यापन का कार्यक्रम आरंभ किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि सत्यापन कार्य 8 सितंबर तक चलेगा। जिसमें यह सुनिश्चित किया जाएगा की घर के मुखिया सहित परिवार के समस्त पात्र सदस्यों का नाम मतदाता सूची में दर्ज है तथा दर्ज समस्त सदस्यों का विवरण सही है। यदि किसी निर्वाचक की प्रविष्टि में किसी प्रकार की कोई भी अशुद्धि हो तो उसे ठीक करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान 1 अक्तूबर की अहर्ता तिथि के आधार पर मतदाता सूचियों में पंजीकरण हेतु छूटे हुए योग्य नागरिकों की पहचान कर उनके नाम मतदाता सूची में सम्मिलित किया जाएंगे।

सरांह में कार दुर्घटनाग्रस्त, एक की मौत, 3 घायल

अनंत ज्ञान, नेरवा/चौपाल। चौपाल के अंतर्गत क्यारी नाला से सरांह जाने वाली सड़क पर बुधवार सुबह एक अल्टो कार दुर्घटना ग्रस्त हो गई है। जानकारी के अनुसार आल्टो कार संख्या एचपी 08 ऐ/3490 में सवार होकर चार युवक डकौना गांव से सरांह की तरफ जा रहे थे। इस दौरान गाड़ी क्यारी सड़क से लगभग 20 फुट नीचे सरांह सड़क पर जा गिरी। कार में सवार सभी युवकों को स्थानीय लोगों की सहायता से सिविल अस्पताल चौपाल पहुंचाया गया जंहा से तीन युवकों को आईजीएमसी शिमला रेफर किया गया है। जहां युवकों में से एक की मौत हो गई है। उधर, एसडीएम चौपाल हेम चंद वर्मा ने कहा कि प्रशासन की ओर से घायल अर्पण, आजे और देव को पांच-पांच हजार रुपए बतौर फौरी राहत दिए गए हैं।

पदाधिकारियों ने सचिवालय कर्मियों जैसा मांगा वेतन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। राजभवन, विधानसभा, लोकायुक्त तथा लोक सेवा आयोग हिमाचल प्रदेश के अधिकारी एवं कर्मचारी संगठन के पदाधिकारी अपनी मांगों को लेकर विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया से मिले। पदाधिकारियों ने पठानिया से आग्रह किया कि उन्हें पूर्व की भांति हिप्र सरकार सचिवालय के अधिकारियों व कर्मचारियों के बराबर संशोधित सचिवालय पे दी जाए। इन संगठनों के प्रवक्ता ने पठानिया से कहा कि हालांकि, उन्हें सचिवालय पे मिल रही है, लेकिन उसे हिप्र सिविल सेवाएं संशोधित वेतन नियम 2022 के लागू होने के उपरांत संशोधित नहीं किया गया है, जबकि हिप्र सरकार सचिवालय के अधिकारी और कर्मचारी इसे संशोधित रूप में ले रहे है। पठानिया ने इन प्रतिनिधियों को उनकी मांग पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया तथा आगामी कार्रवाई हेतु अपना मांग पत्र लिखित रूप में प्रस्तुत करने को कहा।

सुन्नी में स्वास्थ्य सुविधाएं हुई बहाल

अनंत ज्ञान, सुन्नी। कोलकाता में महिला डाक्टर से हुए अवमानवीय कृत्य के चलते अस्पतालों में चल रही हड़ताल को मंगलवार शाम समापत कर दिया गया। जिसके चलते बुधवार को प्रदेश भर में अस्पतालों में डाक्टरों द्वारा मरीजों के चेकअप का कार्य आरंभ कर दिया गया है। सुन्नी में भी ओपीडी सुचारु रूप से आरंभ कर दी गई है। बुधवार को सुन्नी अस्पताल में भी मरीजों की भीड़ देखने को मिली। बता दें कि बीते दिनों डाक्टरों की हड़ताल के कारण मरीजों को असुविधा का समाना करना पड़ा। बहरहाल प्रदेश सरकार द्वारा सुरक्षा अधिनियम की शर्त मानते डाक्टरों ने अपना कार्य आरंभ कर दिया है और क्षेत्रवासियों की स्वाथ्य सुविधा पूरी तरह बहाल कर दी गई है।

आदर्श ने पास की स्कूल लेक्चरर परीक्षा

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। जिला बिलासपुर के कस्बा पंचगाई के आदर्श कुमार ने स्कूल लेक्चरर (भौतिक विज्ञान) की परीक्षा में पूरे प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। वह वर्तमान में महिला एवं बाल विकास विभाग में सांख्यिकी सहायक के पद पर कार्यरत हैं। इससे पूर्व वह विज्ञान व प्रौद्योगिकी परिषद शिमला में वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक के पद पर कार्यरत थे। आदर्श की माता मीरा देवी गृहिणी हैं। उनके पिता बरमाना में टीवी रेडियो मरम्मत का काम करते थे, लेकिन 2017 में उनके देहांत के बाद पारिवारिक व आर्थिक स्थिति ठीक न थी। बावजूद इसके आदर्श ने अपने जीवन में कठिन परिश्रम से यह लक्ष्य प्राप्त करके एक मिसाल कायम की है। उन्होंने अपनी उपलब्धियों का पूरा श्रेय अपने माता-पिता व बहन अनुपमा को दिया है।

गोपाल मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को भंडारा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। दनोह-कुनाला स्थित गोपाल मंदिर में 26 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर हर साल की तरह इस बार भी भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। गोपाल मंदिर निर्माण एवं विकास समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीराम मेहता और महासचिव राजपाल कपिल ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर भंडारे का आयोजन जन सहयोग से किया जाएगा। इस पर्व पर श्रीकृष्ण के भक्तों का उपवास रहता है। लिहाजा भंडारे में फलाहार की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा भजन-कीर्तन का आयोजन भी किया जाएगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से भंडारे में फलाहार ग्रहण करने का आग्रह किया है।

वरिष्ठ नागरिक सभा ने की मासिक बैठक

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। वरिष्ठ नागरिक सभा बिलासपुर की मासिक बैठक वरिष्ठ नागरिक सभागार समीप नगर परिषद विश्रामगृह रौड़ा सेक्टर में वरिष्ठ उपप्रधान रत्न लाल सांख्यान की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक से पूर्व सभा द्वारा हाल ही में जिन सदस्यों की मौत हो चुकी है, उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया व उनकी आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गई व शोक व्यक्त किया गया। राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण शिमला की बिलासपुर शाखा की ओर से वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली विभिन्न सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इसमें वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल शर्मा और अधिवक्ता मधु शर्मा ने प्राधिकरण की ओर से अपने विचार प्रस्तुत किए व वरिष्ठ नागरिकों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए। इस अवसर पर प्राधिकरण की ओर से जलपान की व्यवस्था भी की गई थी। सभा के वरिष्ठ उपप्रधान सांख्यान, शशिबाला, कांता शर्मा, इंदिरा कपिल, रक्षा टाडू ने हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक प्राधिकरण की ओर से आए मेहमानों को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया व उनका आभार भी व्यक्त किया।

डाइट में पंद्रह दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम शुरू

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। बिलासपुर के डाईट जुखाला में बुधवार से नवनियुक्त शिक्षकों के लिए 15 दिवसीय इंडक्शन ट्रेनिंग कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर राजकीय महाविद्यालय जुखाला के प्रिंसिपल ध्रुव पाल सिंह ने द्वीप प्रजव्वल कर कार्यक्रम का विधिवत रूप से आगाज किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी शिक्षकों को नई नियुक्ति की बधाई देते हुए इन पंद्रह दिनों में सीखाई जाने वाली तकनीक, गतिविधियां, बातें और एक्टिवीटिज को आगे क्रियान्वित करने का आग्रह किया ताकि शिक्षा के मायने वास्तव में सही साबित होंगे। उन्होंने शिक्षकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के समन्वयक दिग्विजय मल्होत्रा ने नए शिक्षकों से रूबरू होते हुए बताया कि सरकार की ओर से आयोजित इस पंद्रह दिवसीय कार्यक्रम में आयोजकों द्वारा उनकी हर सुविधा का ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि डाईट जुखाला में किन्नौर, शिमला और बिलासपुर के मेडिकल और नॉन मेडिकल के 148 शिक्षक भाग ले रहे हैं।

शाहतलाई में जन्माष्टमी पर निकलेगी रथ यात्रा

निक्कू राम, बरठीं। शाहतलाई बाजार में 26 अगस्त कृष्ण जन्माष्टमी पर नई शुरुआत करते हुए भव्य रथ यात्रा निकालना पर सहमति बनी है। बुधवार को आयोजकों ने तपोस्थली मंदिर बाबा बालक नाथ तलाई के प्रांगण में बैठक में यह निर्णय लिया। पूर्व की भांति इस बार भी मुख्य गेट मंदिर के सामने मटकी फोड़ने का आकर्षण कार्यक्रम भी रहेगा। रथ यात्रा के मौके पर शोभा यात्रा में बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए कृष्ण भक्तों से आह्वान किया। शोभा यात्रा में कृष्ण-राधा और शंकर भगवान के भजनों पर विशेष रूप से आमंत्रित कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। (अनंत ज्ञान)

आईजीएमसी में दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर मरीज

आपातकालीन वार्ड में रात के समय ठीक से नहीं होता उपचार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल के सबसे बड़े अस्पताल आईजीएमसी का अपातकालीन वार्ड राम भरोसे छोड़ दिया गया है।

रात के समय अगर कोई मरीज गंभीर हालत में यहां पर जाता है तो उसे बिल्कुल भी उपचार नहीं मिलता है। कई मरीजों को तो सुबह तक दर्द तक की दवाइयां भी नहीं मिलती है। कारण यही है कि यहां पर डॉक्टर की तानाशाही मरीजों पर भारी पड़ रही है।

आधे से ज्यादा डॉक्टर यहां मरीजों व उनके तीमारदारों से सीधे मुंह बात तक नहीं करते है। यहां पर सिर्फ एक्सीडैंटस के मरीजों को देखा जाता है। अगर अन्य गंभीर बीमारी के मरीज यहां पर रात के समय जाते है तो डॉक्टर उन्हें स्ट्रेक्चर पर ही लेटाकर रखते है और उनकी ओर देखते तक नहीं है। अगर तीमारदार अपने मरीज के बारे में दवाईयां देने को लेकर डॉक्टर से बात करते है तो वे उल्टा ही व्यवहार करते है। नाम न छपने की शर्त पर बीते दिन भी एक सिरमौर से मरीज को आईजीएमसी लाया गया। उसने बताया की उसे बार बार उल्टी हो रही, लेकिन डॉक्टरों ने कहा कि यहां पर उल्टी के मरीज नहीं चलेंगे। यहां पर मरीज को भर्ती करना तो दूर की बात है, उन्हें दवाईयां देने के लिए भी पूछा तक नहीं जाता है। यहां पर कई मरीज ऐसे होते है जिन्हें पेट में दर्द या फिर कोई अन्य बीमारी होती है, उन्हें दर-दर की ठोकरे खाने को मजबूर होना पड़ता है। यहां पर सबसे बड़ी बात है कि यहां पर रात के समय में कोई सीनियर डॉक्टर तक नहीं मिलता है। ऐसे में जुनियर डॉक्टर को तो यही पता नहीं होता है कि उन्हें किस मरीज को कैसे देखना है।

आईजीएमसी के आपातकालीन वार्ड में भर्ती मरीज।

नहीं मिलते बेड, स्ट्रेक्चर पर लेटाए जाते हैं मरीज

हैरानी की बात तो यह है कि आईजीएमसी के आपातकालीन व ट्रॉमा वार्ड में मरीजों को बेड तक नहीं मिलते है। ऐसे में मरीजों को स्ट्रेक्चर के ऊपर लेटाए जाते है। उन मरीजों की ओर न तो चिकित्सक का ध्यान होता है और न ही उन्हें उपचार मिलता है। ऐसे में मरीज उपचार के लिए तरस रहे है।

सिफारिश पर ही होता है उपचार

आईजीएमसी में अगर किसी मरीजों की सिफारिश है उसी मरीजों का उपचार होता है। बिना सिफारिश वाले मरीजों का तो यहां पर इलाज नहीं होता है। अगर कोई मरीज किसी नेता या फिर बड़े अधिकारी से डॉक्टरों के लिए फोन करवाता है तो उसका जल्द उपचार हो जाता है। यहां पर डॉक्टर सभी मरीजों को एक नजर से नहीं देखते है।

आशा कार्यकर्ताओं का रोहड़ू में हो प्रशिक्षण : विपन डोगरा

दशमी रावत, रोहड़ू

उपमंडल रोहड़ू के टिक्कर खंड की आशा कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण शिविर टिक्कर में आयोजित करवाने से खंड की आशा कार्यकर्ताओं को टिक्कर पहुंचने में भारी असुविधा हो रही है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र समरकोट, मलखून, सुंगरी, लोअर कोटी, कुटाडी, शीलघाट आदि के अधिन कार्यरत आशा वर्कर्स को टिक्कर पहुंचने में भारी असुविधा हो रही है, न तो उनके लिए यातायात के साधन उपलब्ध है और न ही वहां स्वास्थ्य विभाग ने ठहरने की कोई व्यवस्था की हुई है। महिला वर्ग को इतने दूर से रात के समय घर पंहुचना असुरक्षित है।

इससे पूर्व भी ट्रेनिंग शिविर केंद्र स्थल रोहड़ू में ही रहे है। रोहड़ू के लिए हर क्षेत्र से बस सुविधा उपलब्ध रहती हैं और रोहड़ू केंद्र में होने के कारण आशा वर्कर्स को आने जाने में सुविधा रहती है।

इस बार से ही ट्रेनिंग स्थल बदलकर रोहड़ू से टिक्कर 20 से 25 अगस्त तय हुआ है जो उनके लिए असुविधा का कारण बन गया है। इस संबंध में बीएमओ टिक्कर व संबंधित कर्मचारियों से स्थानीय आशा कार्यकर्ता संघ ने प्रशिक्षण शिविर स्थल बदलने की मांग की है, लेकिन इस विषय में कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष विपन कुमार डोगरा व प्रदेश सगंठन मंत्री बृजलाल शर्मा ने स्वास्थ्य विभाग के मुख्य चिकित्साधिकारी व बीएमओ से आग्रह करते हुए बताया है कि प्रशिक्षण शिविर स्थल सभी की सुविधा को देखते हुए पूर्व की तरह रोहड़ू में ही रखा जाए। टिक्कर में हो रहे प्रशिक्षण शिविर में आशा वर्कर्स के लिए आवास सुविधा व खाने-पीने की उचित व्यवस्था की जाए। स्थानीय आशा कार्यकर्ता इकाई ने बताया कि वे जब भी विभाग के पास अपनी समस्याएं व मांग रखती हैं तो उनसे बदले की भावना से व्यवहार किया जाता है। संघ ने निर्णय लिया है कि इस पर यदि शीघ्र उचित कार्रवाई नहीं की गई तो रोहड़ू में संगठन बैठक आयोजित कर संघर्ष की राह पर चलेगा, जिसमें जुब्बल व चिड़गांव खंड की सभी आशा वर्कर्स व भारतीय मजदूर संघ से जुडे युनियन के सभी कर्मचारी शामिल होंगे। (अनंत ज्ञान)

टुटू ब्लॉक में स्वीकृत 798 कार्य में से 448 हुए पूर्ण

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

प्रदेश लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह की अध्यक्षता में शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत टुटू ब्लॉक की सभी 34 पंचायतों के प्रधान, उपप्रधान, पंचायत समिति सदस्यों तथा जिला परिषद सदस्यों के साथ पंचायत क्षेत्र के विकास कार्यों विशेषकर लंबित कार्यों से संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

इस अवसर पर बैठक मे उपस्थित पंचायत प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार प्रदेशभर की सभी पंचायतों के सुदृढ़ीकरण एवं पंचायतीराज संस्थाओं में महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने पर बल दे रही है ताकि महिला सशक्तिकरण के साथ-साथ पंचायत क्षेत्र का समान विकास संभव हो सके। उन्होंने कहा कि अभी तक मनरेगा के अतिरिक्त अन्य मद्दों में टुटू ब्लॉक की पंचायतों की लगभग 5 करोड़ 80 लाख रुपए की राशि खंड विकास कार्यालय में लंबित पड़ी है जिसे निर्धारित समय अवधि के भीतर खर्च किया जाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि कुछ पंचायतें बहुत अच्छा कार्य कर रही है लेकिन कुछ पंचायत प्रतिनिधि अपने क्षेत्र में स्वीकृत राशि खर्च करने में उदासीनता दिखा रहे है। उन्होंने कहा कि यह पंचायत की जिम्मेदारी है कि सरकार द्वारा विभिन्न कार्यों के लिए स्वीकृत की गई राशि निर्धारित समय अवधि के भीतर खर्च की जाए ताकि लोगों को इन योजनाओं का लाभ मिलना संभव हो सके।

उन्होंने कहा कि वर्तमान तक टूटू ब्लॉक की सभी पंचायत के लिए सरकार द्वारा 798 कार्य स्वीकृत किए गए है जिसमें से 448 कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं, जबकि 231 कार्यों के निर्माण कार्य जारी है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मनरेगा के तहत वर्ष 2023-24 में 8 करोड़ 37 लाख रुपए की राशि विभिन्न योजनाओं के लिए स्वीकृत की गई थी जो कि पूर्ण रूप से खर्च की जा चुकी है। इस अवसर पर पूर्व विधायक सोहन लाल, अध्यक्षा, पंचायत समिति टुटू सरोज शर्मा, उपाध्यक्ष बीडीसी रामलाल, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गोपाल शर्मा, जिला परिषद सदस्य चुनीलाल गर्ग, बीडीसी सदस्य निधी ठाकुर आदि उपस्थित रहे।

सैहब व आउटसोर्स कर्मियों ने जिलाधीश कार्यालय शिमला के बाहर किया प्रदर्शन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

सैहब सोसायटी वर्कर्स यूनियन संबंधित सीटू के बैनर तले सैहब व आउटसोर्स कर्मियों ने अपनी मांगों को लेकर जिलाधीश कार्यालय शिमला के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। सीटू जिला सचिव रमाकांत मिश्रा, यूनियन अध्यक्ष जसवंत सिंह व महासचिव ओमप्रकाश गर्ग ने प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि अगर सैहब सोसायटी, आउटसोर्स व सफाई कर्मियों की मांगों का हल तुरंन्त न हुआ तो मजदूर बेमियादी आंदोलन शुरू करेंगे व शिमला शहर में कार्य पूरी तरह ठप्प कर देंगे।

उन्होंने हैरानी व्यक्त की है कि नगर निगम प्रशासन सैहब के बाय लॉज के खिलाफ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि जो अढ़ाई करोड़ रुपए नगर निगम घरों की मैपिंग हेतु क्यूआर कोड स्कैनिंग के लिए खर्च करना चाहता है उतने पैसे में 150 अतिरिक्त मजदूरों की भर्ती हो सकती है जिस से शहर को और ज्यादा स्वच्छ रखने में मदद मिलेगी व कार्यरत मजदूरों पर काम का बोझ घटेगा। इतने पैसे से सभी सैहब व आउटसोर्स कर्मियों को तीन वर्ष तक 15 हजार रुपए बोनस दिया जा सकता है। उन्होंने मांग की है कि सैहब एजीएम की बैठक तुरंत बुलाई जाए व सैहब कर्मियों की मांगों को पूर्ण किया जाए।

पुरानी खेल नीति में संशोधन से मिलेगा खिलाड़ियों को लाभ

बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश कराटे संघ के सदस्य व बृज मार्शल आर्ट अकादमी के निदेशक बृजलाल चौहान ने कहा कि हिमाचल में चली आ रही पुरानी खेल नीति से बहुत से प्रतिभावान खिलाड़ियों को लाभ नहीं मिल पा रहा है। उनका कहना है कि पुरानी खेल नीति में संशोधन करने से खिलाड़ियों को लाभ दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य में सरकारी विभागों और विश्वविद्यालय में रोजगार के लिए उत्कृष्ट खिलाड़ियों के चयन के लिए वर्तमान मानदंड पूरी तरह से फिट नहीं बैठ रहे हैं। इस नीति के अनुसार चयन के मानदंड मुख्य रूप से ओलंपिक खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेलों पर केंद्रित है, जबकि एशियाई चैंपियनशिप और दक्षिण एशियाई चैंपियनशिप जैसी अन्य मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप भी खेल बहुत महत्व रखती हैं, लेकिन वर्तमान नीति में इन्हें महत्व नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे पड़ोसी राज्य पंजाब, हरियाणा में खेल नीति में खिलाड़ियों के हितों को ध्यान में रखते हुए कई बार संशोधन किए जा चुके हैं।

क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर में अब एचएमआईएस से बन रहीं पर्चियां

अस्पताल में नेशनल हेल्थ मिशन के तहत पहले चरण की सुविधा शुरू

शुभम राही, बिलासपुर

अनंत ज्ञान एक्सक्लूसिव

क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर आधुनिक तकनीक से लैस हो गया है। अब यहां पर एचएमआईएस यानी हॉस्पिटल मैनेजमेंट इंफॉरमेंशन सिस्टम के तहत मरीजों की पर्चियां बनाई जा रही हैं। मरीज को शुरुआती चरण में अपना नाम, पिता या पति का नाम, मोबाइल नंबर और उम्र लिखवानी होगी। उसके बाद अगर मरीज फिर से पर्ची बनवाने के लिए आता है तो उसे सिर्फ अपना मोबाइल नंबर ही दर्ज करवाना होगा और एक क्लिक पर सारा रिकॉर्ड मरीज का सामने आ जाएगा। यहीं नहीं, यह रिकॉर्ड मरीज अपने मोबाइल पर भी ले सकता है।

वहीं, दूसरी ओर चिकित्सक को भी मरीजों की जांच करने के लिए आसानी मिलेगी, क्योंकि यही रिकॉर्ड चिकित्सक के पास भी पहुंचेगा। इस आधुनिकता के साथ क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर में इस सुविधा को शुरू कर दिया है। प्रथम चरण के तहत बिलासपुर अस्पताल में इस सिस्टम के तहत पर्चियां बनाई जा रही है। दूसरे चरण में इसी आधुनिकता के साथ चिकित्सकों को एक मोबाइल टैब भी उपलब्ध करवाएं जाएंगे, जिसके बाद अस्पताल में पर्ची सिस्टम बंद और यहां पर पूरी तरह से पेपर लैस सुविधा मिलना शुरू होगी। बता दें कि अभी तक इस तरह की सुविधा धर्मशाला और जिला मंडी के नेरचैक मेडिकल कॉलेज में ही है।

बिलासपुर अस्पताल की बात करें तो यहां पर मरीजों को सबसे अधिक परेशानी पर्ची बनाने की रहती थी। क्योंकि यहां पर सुबह से ही पर्ची बनाने के लिए लंबी कतारों में लगना पड़ता था। कई बार मरीज की पर्ची गुम हो जाती थी, जिससे मरीज अपनी दवाइयां का भी रिकॉर्ड नहीं रख पाता था। इन तमाम परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए ही नेशनल हेल्थ मिशन ने इस सुविधा को शुरू करने का प्लान बनाया और अब यह सुविधा शुरू भी हो गई है। (अनंत ज्ञान)

> **क्षेत्रीय** अस्पताल बिलासपुर में एचएमआईएस सिस्टम के तहत पर्चियां बनाई जा रही हैं। यह सिस्टम बिलासपुर अस्पताल में पूरी तरह से लागू हो गया है, जिसका मरीजों को लाभ मिल रहा है। यह आधुनिक सुविधा मरीजों और अस्पताल स्टाफ के लिए काफी कारगार सिद्ध हो रही है। मरीजों को बेहतर सुविधा देने के लिए अस्पताल प्रशासन प्रयासरत है।
>
> **-एके सिंह, चिकित्सा अधीक्षक बिलासपुर।**

शिव कुमार को चुना सेवानिवृत्त प्राथमिक शिक्षक संघ का प्रधान

अनंत ज्ञान, श्री नयना देवी जी

जिला सेवानिवृत्त प्राथमिक शिक्षक संघ एवं समाज सुधार समिति की ओर से श्री नयना देवी खंड का वार्षिक चुनाव मुख्य संरक्षक पंडित किशोरी लाल शर्मा की अध्यक्षता में करवाया गया। इसमें सर्वसम्मति से शिव कुमार को प्रधान, मोहन लाल भल्ला को महासचिव, कालू राम को कोषाध्यक्ष, यशपाल सिंह को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, गुरमेल सिंह को संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया।

इस अवसर पर शेष कार्यकारिणी के गठन का अधिकार कार्य समिति को दिया गया। इसके पश्चात यहां पर समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें समिति ने पांच सितंबर को घुमारवीं में जिला स्तरीय शिक्षक दिवस मनाने का निर्णय लिया। इस कार्यक्रम में 80 वर्ष से अधिक आयु वाले एवं राज्य सरकार द्वारा सम्मानित शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य संरक्षक पंडित किशोरी लाल शर्मा ने कहा कि समिति द्वारा समाज सुधार का कार्य भी किया जा रहा है। जिसके चलते 21 लाभार्थियों को हर माह आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। जिसमें सभी समिति के पदाधिकारी अपनी पेंशन से एक प्रतिशत अंशदान की भागीदारी निभा रहे हैं। उन्होंने पांच सितंबर को सभी सेवानिवृत्त शिक्षकों से जिला स्तरीय कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया है। बैठक में जिला कोषाध्यक्ष अश्विनी चंदेल, विजय राम शर्मा, मदन लाल व बलदेव सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

बेपरवाह सरकार, लापरवाह स्वास्थ्य विभाग : राजेंद्र गर्ग

नीरज शर्मा, घुमारवीं

भाजपा अनुशासन समिति के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व खाद्य आपूर्ति मंत्री राजेंद्र गर्ग ने घुमारवीं शहर में नवजात बच्ची का शव मिलने पर प्रदेश की कांग्रेस सरकार व स्वास्थ्य विभाग को जमकर घेरा है। गर्ग ने तंज कसते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश में इस समय बेपरवाह सरकार और लापरवाह विभाग है। इसका जीता जागता उदाहरण बिलासपुर जिला के घुमारवीं उपमंडल में देखने को मिला।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की सुस्ती से जिला बिलासपुर के विभिन्न क्षेत्रों के साथ घुमारवीं शहर में भ्रूण लिंग परीक्षण से लेकर गर्भपात, प्रसव का अवैध का काला कारोबार खूब फल-फूल रहा है। पिछले काफी समय से अधिकारी शहर व क्षेत्रों में खुले क्लीनिकों का निरीक्षण करने तक नहीं पहुंच रहे हैं, जिससे सरेआम यह कारोबार चल रहा है। उन्होंने कहा कि जिले में काफी अल्ट्रासाउंड सेंटर चल रहे हैं। इनमें कई सेंटरों में ज्यादातर लिंग परीक्षण का खेल चल रहा है, लेकिन, स्वास्थ्य विभाग मूक बना है। इससे सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस बेपरवाह सरकार में विभाग कितने लापरवाह हैं। उन्होंने कहा कि बीते रविवार को घुमारवीं नगर परिषद के वार्ड नंबर दो में एक नवजात बेटी मिली थी, जिसके बाद प्रशासन अब आनन फानन में बैठक आयोजित कर रिकॉर्ड खंगालने की बात कर रहा है।

इससे पहले भी घुमारवीं में कूड़ेदान में नवजात का शव मिला था तथा एक भ्रूण सीवरेज प्लांट की नालियों में पाया गया था। बावजूद इसके स्वास्थ्य विभाग जागा नहीं, जिससे घुमारवीं शहर बार बार कलंकित हो रहा है। (अनंत ज्ञान)

एक्शन नवजात शिशु का शव मिलने पर प्रशासन ने लिया कड़ा संज्ञान

अल्ट्रासाउंड केंद्रों का होगा निरीक्षण

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

जिला बिलासपुर के घुमारवीं में गत दिनों एक नवजात शिशु का शव मिलने पर जिला प्रशासन ने कड़ा संज्ञान लिया है। इस संदर्भ में बुधवार को उपायुक्त बिलासपुर ने सबंधित विभागों के साथ संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त ने कहा कि घटना से पूरा जिला शर्मशार हुआ है और इस तरह की घटनाएं पूरे समाज के लिए दुखदाई हैं।

इस घटना की पूरी गहनता के साथ जांच की जाएगी और जो भी संस्थान और व्यक्ति इसमें संलिप्त पाया जाएगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला में चल रहे स्वास्थ्य परीक्षण क्लीनिकों, अल्ट्रासाउंड केंद्रों का नियमित निरीक्षण किया जाएगा और उन पर कड़ी नजर रखी जाएगी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग को निर्देश दिए कि जिला की जिन पंचायतों में लिंगानुपात कम है उनमें संयुक्त रूप से जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जाए, ताकि लिंगानुपात में सुधार लाया जा सकें। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश कि अल्ट्रासाउंड सेंटर्स का औचक निरीक्षण करना सुनिश्चित करें।

डीसी ने स्वास्थ्य विभाग से कहा कि अल्ट्रासाउंड केंद्रों में स्थापित अल्ट्रासाउंड मशीनों में ट्रैकर लगाने का प्रयास करें, ताकि पता लगाया जा सके कि चिकित्सक ने किस उद्देश्य से मरीज का स्वास्थ्य परीक्षण किया है। उन्होंने कहा कि जिले में चल रहे वन स्टाप सेंटर में एक टोल फ्री नंबर स्थापित किया जाए, ताकि इस प्रकार गतिविधियों के संबध में इस नंबर पर शिकायत की जा सकें। उन्होंने दवाई विक्रेताओं को सख्त निर्देश देते हुए कहा है कि गर्भपात के लिए प्रयोग होने बाली एमटीपी किट चिकित्सक की पर्ची के बिना न दें और दवाई विक्रेता इसके संदर्भ में अवश्यक रजिस्टर भी मटेन करें। इस मौका पर पुलिस अधीक्षक संजीव धवल, सीएमओ डॉ. प्रवीन, एसडीएम गौरव चौधरी, डीएसपी चंद्रपाल, बीएमओ आशुतोष, डीपीओ हरीश मिश्रा, सीडीपीओ रंजना शर्मा सहित संबधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

डीसी बोले, घटना की होगी जांच, दोषियों के खिलाफ की जाएगी कड़ी कार्रवाई

100 दिन किया जा रहा विशेष जागरूकता शिविरों का आयोजन

घुमारवीं। निदेशालय महिला एव बाल विकास हिमाचल प्रदेश के सौजन्य से मंत्रालय महिला एवं बाल विकास भारत सरकार के अंतर्गत चलाई जा रही मिशन शक्ति योजना के तहत 100 दिन विशेष जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिस के तहत जिला कार्यक्रम अधिकारी बिलासपुर हरीश मिश्रा की अध्यक्षता में घुमारवीं परियोजना के अंतर्गत डंगार पंचायत में जैंडर सैनसेटाईजेशन के उपलक्ष्य में मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत एक दिवसीय शिवर और कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष जिला कार्यक्रम अधिकारी हरीश मिश्रा ने बताया कि भारत सरकार द्वारा महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा के लिए मिशन शक्ति एक महत्वपूर्ण योजना का शुभारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत जिला भर में 100 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

खाई में गिरा टिप्पर, चालक की मौत

अनंत ज्ञान, गोहर। मंडी जिला के सराज विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कांढा के समीप एक टीपर अनियंत्रित हो कर सड़क से नीचे खाई में गिर गया, जिस कारण चालक की मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और शव का पोस्टमार्टम करवा परिजनों के हवाले कर दिया गया है। मृतक चालक की पहचान सुंदरनगर निवासी चैन सिंह के रूप में हुई है। मामले की पुष्टि करते हुए एसपी मंडी साक्षी वर्मा ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है शव का पोस्टमार्टम करवा परिजनों के हवाले कर दिया गया है। पुलिस मामले को लेकर जांच कर रही है।

कारागार में दो विचाराधीन कैदियों में झड़प

अनंत ज्ञान, सोलन। जिला कारागार कथेड़ सोलन में दो विचाराधीन कैदियों में झड़प हो गई जिसमें कैदी जावेद पुत्र नाजिम निवासी गांव डासा मिजीपुर तह शहडे जिला सहारनपुर उतरप्रदेश के कान में चोटें लगी है, जिसे उपचार हेतू क्षेत्रिय अस्पताल सोलन ले जाया गया है। इस सूचना पर चौकी शहर सोलन की पुलिस टीम ने मारपीट करने वाले कैदी दीशांत गर्ग पुत्र कपिल देव,चंडीगढ़ को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। जांच के दौरान पाया गया है कि दोनों विचाराधीन कैदियों में किसी बात को लेकर आपस में बहस बाजी हुई, जिसके उपरांत यह बहसबाजी मारपीट में तब्दील हो गई।

अफीम की खेप के साथ एक गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, गगरेट। मादक द्रव्य पदार्थों के विरुद्ध गगरेट पुलिस द्वारा छेड़े गए अभियान को जारी रखते हुए पुलिस ने एक युवक को अफीम के साथ रंगे हाथ पकड़ने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस बावत मामला दर्ज कर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। गरेट पुलिस की एक टीम मंगलवार को जब इलाके की गश्त पर थी तो होशियारपुर की ओर से एक टाटा ऐस टैंपो आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस टीम को देखकर टैंपो चालक घबरा गया। शक के आधार पर जब पुलिस टीम ने टैंपो को रोककर तलाशी ली तो उसके पास से 36 ग्राम के करीब अफीम बरामद हुई। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर गगरेट के बढेड़ा राजपूतां गांव के चालक अजय कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। डीएसपी डा. वसुधा सूद ने इसकी पुष्टि की है।

सरकार की मंशा चुनावी प्रक्रिया को उलझने की थी : बिंदल

सोलन। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने सोलन नगर निगम चुनाव में महापौर के चुनाव को लेकर कांग्रेस पर सवालों की बौछार करते हुए कहा सरकार ने यह चुनाव आनन-फानन में घोषित किया, जिसके कारण इस चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह से उलझती जा रही है। बिंदल ने सरकार से कुछ प्रश्न पूछे क्या कांग्रेस पार्टी एवं सरकार के पास कानून विवेक नहीं है? जब सर्वोच्च न्यायलय में मामला लगा हुआ था तो सरकार को चुनाव करवाने की क्या आवश्यकता आ गई? इसके पीछे सरकार की मंशा केवल चुनावी प्रक्रिया को उलझने की थी? क्या महापौर चुनाव में वोट दिखाना चुने हुए व्यक्ति के अधिकारों का हनन नहीं है? सरकार को अपनी फजीहत करने की क्या जरूरत थी? बिंदल ने कहा कि इस प्रक्रिया से केवल मात्र सरकार एक व्यक्ति विशेष को लाभ पहुंचाना चाहती है। तभी महापौर के चुनावों को लेकर इस प्रकार का चक्रव्यूह रचा गया। सोलन में मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक और सरकारी अधिकारियों को जनता के प्रति समाज सेवा की चिंता नहीं है बल्कि केवल अपनी राजनीति की चिंता है। सोलन में तो समाज सेवा कोसों दूर जाती दिखाई दे रही है, यह सोलन शहर के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है।

बारिश के चलते हिमाचल में 55 सड़कें बंद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। बारिश के चलते हिमाचल में 55 सड़कें, 14 ट्रांफार्मर व 29 पेयजल योजनाएं ठप्प है। विभाग द्वारा इससे बहाल करने के लिए तमाम प्रयास किए जा रहे है। ताकि लोगों को सुविधा मिल सकें। प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में बुधवार को भी बारिश हुई। 22 से 24 अगस्त तक मौसम साफ बने रहने की संभावना है। 25 और 26 अगस्त को फिर बारिश के आसार हैं। वहीं जिला चंबा में ऐतिहासिक खुंडी मराल जातर मेले के लिए जांचू की ओर से जा रही महिला की रियाली के नजदीक पहाड़ी से गिरे पत्थर की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतका की पहचान सुभद्रा देवी पत्नी मान सिंह गांव कोकड़ा डाकघर किलोड़ तहसील, जिला चंबा के रूप में हुई है। जिला मंडी में मंगलवार सुबह बारिश का खूब कहर बरपा। पुरानी मंडी में 73 वर्षीय सेवानिवृत्त एसडीओ की नाली में फिसलने से मौत हो गई।

पत्नी की हत्या के मामले में आजीवन कारावास

दशमी रावत, रोहडू। विशेष सत्र न्यायालय रोहडू में पंकज शर्मा की अदालत ने अहम फैसला सुनाते हुए रमेश (32) पुत्र हीरा लाल निवासी शलान (कीट) को पत्नी की हत्या के आरोप में आजीवन कारावास व 20 हजार रुपए की सजा सुनाई है। उल्लेखनीय है कि दोषी के विरुद्ध 2021 को पुलिस थाना रोहडू में मामला दर्ज था। श्याम लाल पुत्र करमजीऊ गांव बांसा डाकघर कांसाकोटी ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि उसकी बेटी बबीता की शलान निवासी रमेश (रिंकू) से शादी हुई थी। 9-8-2021 की रात्रि को उसके दामाद रमेश ने उसकी बेटी बबीता की निर्मम हत्या कर दी थी।

प्रदेश में पहली सितंबर से शुरू होगी पशुधन गणना

नीति निर्धारण के लिए पशुधन की गणना आवश्यक : चंद्र कुमार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

कृषि एवं पशुपालन मंत्री चंद्र कुमार ने पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार एवं हिमाचल पशुपालन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में होटल हॉलिडे होम शिमला में आयोजित राज्य स्तरीय 21वीं पशुधन गणना पर आधारित समस्त जिला नोडल अधिकारियों के लिए सॉफ्टवेयर और क्षेत्रीय विशिष्ट नस्लों पर एक दिवसीय प्रशिक्षण की अध्यक्षता की।

सॉफ्टवेयर की टीम ने जिला नोडल अधिकारियों एवं सुपरवाइजर को मोबाइल एप्लीकेशन एवं डैशबोर्ड पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया। चंद्र कुमार ने कहा कि यह प्रशिक्षण शिविर मोबाइल वेब एप्लीकेशन एवं डैशबोर्ड पर आधारित है, जिसमें पशुधन की विभिन्न नस्लें शामिल है। यह गणना पूरे प्रदेश भर में सितंबर से दिसंबर, 2024 तक की जाएगी। 21वीं पशुधन गणना प्रदेश के हर घर एवं गौशाला में की जाएगी ताकि गणना से पशुधन का परफेक्ट डाटा एवं विस्तृत जानकारी उपलब्ध हो सके।

सचिव पशुपालन विभाग राकेश कंवर ने कहा कि पशुधन का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में पशुधन की संख्या, प्रजाति और नस्ल पर सही आंकड़े एकत्रित करना है। प्रशिक्षण शिविर में निदेशक पशुपालन एवं डेयरी विभाग, भारत सरकार डॉ. वीपी सिंह ने 21वीं पशुधन गणना कार्यक्रम पर अपनी विस्तृत बात रखी।

आंकड़ों का सही संग्रहण एवं पशुगणना की तैयारी

पशुधन गणना के आंकड़ों का सही संग्रहण करने के लिए स्थानीय समुदायों को संगठित कर एवं उनके सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए पंचायत स्तर पर जागरूकता लाई जाएगी। निदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय पशु आनुवांशिक संस्थान ब्यूरो करनाल डॉ. बीपी मिश्रा ने पशुधन नस्लों पर अपनी प्रेजेंटेशन दी। इस अवसर पर हेड एजी डिवीजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संस्थान ब्यूरो करनाल डॉ. एसपी दीक्षित, संयुक्त निदेशक एवं जनगणना के लिए राज्य नोडल अधिकारी डॉ. सुनील चौहान, डॉ. धीमान, डॉ. विशाल शर्मा, डॉ. संदीप रत्न सहित जिला के समस्त नोडल अधिकारी एवं सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

पशुधन के प्रमुख क्षेत्र

पशुधन गणना में मवेशी, भैंस, भेड़, बकरी, सूअर, घोड़े, टट्टू, खच्चर, गधे, ऊंट और मुर्गी पालन सहित अन्य पशुधन शामिल होंगे। वहीं नस्ल-वार स्वदेशी और विदेशी नस्लों पर आंकड़े एकत्रित किए जाएंगे। सभी 12 जिलों के राजस्व ग्रामों में पशुधन की गणना सुनिश्चित की जाएगी।

चुनौतियां एवं बाधाएं

पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण पशुगणना हेतू दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंचने के लिए कई प्रकार की चुनौतियों एवं बाधाएं पेश आ सकती है, लेकिन विभाग इन सभी चुनौतियों एवं बाधाओं को पार कर पशु गणना को सुनिश्चित करवाएगा।

शिमला में 72 घंटे में 3 जगह लैंडस्लाइड

बालूगंज क्रॉसिंग में धंस गई सड़क, रेन शेल्टर भी ढहा

अनंत ज्ञान, शिमला

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में 72 घंटे में तीन जगह बड़े लैंडस्लाइड हुए हैं। अब बीती रात को बालूगंज क्रॉसिंग के पास फिर से हुए भू-स्खलन हुआ है जिससे सड़क धंस गई है और इस कारण चौड़ा मार्ग पर बना रेन शेल्टर भी धंस गया। इससे पहले एमएलएल क्रॉसिंग और विकासनगर में लैंडस्लाइड हुई थी। इस कारण अब बालूगंज जाने वालों को भारी परेशानी की सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार, बीत रात को बालूगंज से प्रोजेक्ट दीपक से होते हुए चौड़ा मैदान को जोड़ने वाली सड़क धंस गई और यहा मार्ग पूरी तरह से बंद हो गया। इससे पहले, सोमवार शाम को इसी मार्ग के नीचे क्रॉसिंग पर भूस्खलन हो गया था। मंगलवार को विकासनगर में भी भी लैंडस्लाइड हुआ और यहां पर सड़क दो घंटे बंद रही। अहम बात है कि अब यहां पर टाउन एंडी कंट्री प्लानिंग के भवन को खतरा पैदा हो गया है।

यहां पर रात के बाद मंगलवार दोपहर को भी भूस्खलन हुआ। गौरतलब है कि शहर के हाईकोर्ट के पास सर्कुलर रोड, चक्कर क्रॉसिंग के पास एनएच-05, ओल्ड बैरियर के पास और बालूगंज-तवी मोड़ सड़क पर भी मलबा गिरा है। बालूगंज क्रॉसिंग और बालूगंज-एडवांस्ड स्टडी-विधानसभा मार्ग बंद होने से अब तवी मोड़ से ही शिमला में आने वाले वाहनों को वाया चक्कर भेजा जा रहा है। सोमवार शाम को शिमला में एमएलए क्रॉसिंग के पास लैंडस्लाइड हुई थी।

प्रशासन ने बुलाई मीटिंग

शिमला में लगातार हो रही लैंडस्लाइड पर अब प्रशासन ने आपात मीटिंग बुलाई है. बुधवार सुबह 11 बजे डीसी अनुपम कश्यप की अध्यक्षता आपातकालीन बैठक हुई, जिसमें भू-स्खलन की जद में आए हुए भवनों के अधिकारी आपातकालीन बैठक में विशेष तौर पर मौजूद रहे। इनमें खासतौर पर इंडियन इंस्टिच्यूट ऑफ एडवांस स्टडी, दीपक प्रोजेक्ट, मृदा जांच कार्यालय, लोक निर्माण विभाग, स्टेट जियोलॉजिस्ट पुलिस व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने किया शुंगल टनल का निरीक्षण

अनंत ज्ञान ब्यूरो, सोलन

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने सोलन जिले के निकट कैथलीघाट स्थित शिमला बाईपास टनल 1 पोर्टल 2 शुंगल, शिमला का दौरा किया। उन्होंने टनल निर्माण का निरीक्षण किया और परियोजना से संबंधित विस्तृत जानकारी ली। 28.5 किलोमीटर लम्बे फोर लेनिंग ऑफ शिमला बाईपास (पैकेज-1 और 2) में 10.6 किलोमीटर लम्बी कुल 10 टनलों का निर्माण किया जाएगा और इसमें बड़े ब्रिज व वायाडक्ट 27 होंगे। इस परियोजना पर कुल 4800 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने आज बायपास के टनल 1 के बाएं टयूब का निरीक्षण किया। इस परियोजना के समापन के बाद, कैथलीघाट से ढल्ली तक की दूरी लगभग 15 किमी कम हो जाएगी और यात्रा का समय में लगभग 1 घंटे की बचत होगी। उन्होंने कहा कि इस टनल के निर्माण से एनएचएआई ने लगभग 5000 पेड़ो को काटने से बचाया है तथा पहाड़ी का कटाव भी बचा है। यह टनल पहाड़ी इलाके में सुरक्षित और सुगम यात्रा का अनुभव प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि वाहनों के ईंधन में बचत होगी, जिससे वायु प्रदूषण एवं कार्बन फुटप्रिंट में कमी आएगी तथा 10 टनलों पर लगभग 22500 पेड़ कटने से बचाए जाएंगे।

भारतीय राष्ट्रीय उच्च मार्ग प्राधीकरण के क्षेत्रीय अधिकारी अब्दुल बासित ने राज्यपाल को शुगल टनल के बारे में अवगत करवाते हुए कहा कि दोनों फेज के टनल की कुल लम्बाई 1410 मीटर है और इस टनल के जनवरी 2025 तक पूरा होने की संभावना है, जिसपर लगभग 90 करोड़ रुपए खर्च होंगे। उन्होंने बताया कि शिमला बाईपास के कैथलीघाट से ढल्ली तक 4 लेनिंग की परियोजना की कुल लागत 4800 करोड़ रुपए है। यह परियोजना मार्च 2027 तक पूरा होने की संभावना है।

इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव राजेश शर्मा, उपायुक्त मनमोहन शर्मा, पुलिस अधीक्षक गौरव सिंह तथा भारतीय राष्ट्रीय उच्च मार्ग प्राधिकरण के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

सोलन जिले के निकट कैथलीघाट स्थित शिमला बाईपास टनल 1 पोर्टल 2 शुंगल का निरीक्षण करते राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल।

15 किमी कम होगी कैथलीघाट से ढल्ली तक की दूरी

नादौन में आंखों का डॉक्टर नाइट ड्यूटी पर डिलीवरी केस करना पड़ा हमीरपुर रेफर

अनंत ज्ञान, नादौन

सिविल अस्पताल नादौन में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर स्वास्थ्य विभाग चर्चा के घेरे में आ गया है। विभाग के पास पर्याप्त डॉक्टर होने के बावजूद नाइट ड्यूटी पर कभी आंखों के डॉक्टर, कभी कान के डॉक्टर तो कभी किसी अन्य विशेषज्ञ डॉक्टर की नाइट ड्यूटी लगाने से स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न लग रहा है।

सिविल अस्पताल नादौन में आंखों के डॉक्टर की नाइट ड्यूटी लगा दी और इसी दौरान एक डिलीवरी का केस आया गया तो डॉक्टर हक्के-बक्के रह गए। मजबूरन डॉक्टर को केस मेडिकल कालेज हमीरपुर रेफर करना पड़ा। इससे महिला और उसके अभिभावकों को परेशानी का सामना करना पड़ा, साथ ही स्वास्थ्य विभाग की कथित कार्यप्रणाली पर भी प्रश्नचिह्न लगा है। ऐसा ही मामला एक और आया था, जब नाइट ड्यूटी पर कान के डॉक्टर की ड्यूटी लगा दी गई थी और जब मरीज आया तो डॉक्टर ने हाथ खड़े कर दिए थे।

स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर लग रहा प्रश्नचिह्न

सिविल अस्पताल नादौन में न केवल नादौन अपितु ज्वालामुखी, प्रागपुर व कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्रों की भी कई पंचायतों के लोग स्वास्थ्य लाभ के लिए सिविल अस्पताल नादौन में आते हैं। उपरोक्त बारे बीएमओ डॉ. केके शर्मा ने बताया कि सभी विशेषज्ञ डॉक्टर एमबीबीएस होते हैं, जो मरीजों का उपचार कर सकते हैं। इसलिए उनकी ड्यूटी लगाई जाती है। रेफर क्यों किया गया इसकी जांच की जा रही है।

राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी में भाग लेगा अंश कौंडल

हमीरपुर। 11वीं राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी और पुरस्कार विजेताओं की परियोजना प्रतियोगिता (एनएलईपीसी) 17 से 19 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित होने जा रही है। इस कार्यक्रम में राजकीय माध्यमिक पाठशाला बाहल ठाकरू के अंश कौंडल भी भाग लेगा। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद हिमाचल प्रदेश ने चयनित अंश कौंडल को अपने प्रोजेक्ट या मॉडल के प्रोटोटाइप को प्रदर्शनी सह प्रतियोगिता के दौरान प्रदर्शन के लिए तैयार रखने का भी निर्देश दिए।

पुलिस ने चोट को बताया था 'देवता का आशीर्वाद'

अनंत ज्ञान, कुल्लू

बीते दिनों जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति के त्रिलोकीनाथ में आयोजित राज्यस्तरीय पोरी मेले की कवरेज करने गई 'अनंत ज्ञान' की महिला पत्रकार कमलेश वर्मा ने पुलिस की कार्यप्रणाली और डॉक्टर के रवैये पर प्रश्नचिन्ह लगाए हैं। कमलेश ने बताया कि पुलिस और डॉक्टर ने सहायता करने के बजाए उलटा मुझे ही नसीहत दे डाली।

कमलेश ने बताया कि हमले के बाद उसे कुछ लोग उदयपुर थाने ले गए, जहां पर उसने देवता के कथित गूर के खिलाफ एफआईआर दर्ज करानी चाही तो उस समय वहां मौजूद पुलिस कर्मचारियों ने चोट के बारे में कहा कि मैडम आपको तो 'देवता का आशीर्वाद' मिल गया। ऐसे में एफआईआर क्या दर्ज करनी। यह देवता और देव आस्था का मामला है। हालांकि, उन्होंने अपनी तरफ से एक स्टेटमेंट लिखी और उस पर साइन करने के लिए कहा। कमलेश के मुताबिक, उस समय मेरी स्थिति बेहद खराब थी। ठीक से न तो बोल पा रही थी और न ही पढ़ पा रही थी।

पुलिस कर्मचारी मुझे मेडिकल करवाने के लिए अस्पताल ले गए। वहां पर भी मौजूद महिला डॉक्टर ने मुझे ही प्रवचन देने शुरू कर दिए कि यह देवता के गूर का मामला है कंप्लेंट करके कोई फायदा नहीं

अनंत ज्ञान फॉलोअप

एफआईआर दर्ज नहीं की थी, डॉक्टर ने भी मेडिकल के बजाए दिए थे प्रवचन

होगा। डॉक्टर ने मेरा पूरी तरह चेकअप करने के बजाए एक टिटनेस का इंजेक्शन लगाकर मेडिकल की महज औपचारिकता पूरी कर वापस भेज दिया।

इसके बाद मैं दूसरे दिन लाहौल-स्पीति के एसपी मयंक चौधरी से मिली और घटना के बारे में पूरी बात उनको बताई। एसपी के संज्ञान लेने के बाद ही उदयपुर पुलिस ने बीएनएस की धारा 126(2) और 115(2) के तहत एफआईआर दर्ज की।

कमलेश ने एसपी से हमलावर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आग्रह किया है ताकि देव आस्था की आड़ में उस पर बेवजह हमला करने वाले को सजा मिल सके। उन्होंने बताया कि वहां पर उसके साथ और पत्रकार भी कार्यक्रम की कवरेज कर रहे थे, लेकिन उन्हें किनारे करते हुए कथित गूर ने मेरे सिर पर ही शांगल से जबरदस्त तरीके से प्रहार किया। इस चोट से मेरी मानसिक और शारीरिक स्थिति काफी खराब बनी हुई है।

डिजिटल मीडिया एसो. कुल्लू ने की कड़ी कार्रवाई की मांग

इस मसले पर हिमाचल डिजिटल मीडिया एसोसिएशन कुल्लू के अध्यक्ष धर्मचंद यादव व महासचिव प्रताप अरनोट ने लाहौल-स्पीति के एसपी से बात करके उक्त गूर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग है ताकि भविष्य में इस तरह के पाखंडी गूरों पर देव कार्य में पाबंदी लगाई जा सके।

उन्होंने त्रिलोकीनाथ मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों से भी आग्रह किया है कि देव कारज व देवता की आड़ लेकर इस तरह के कृत्य करने वाले लोगों पर पूरी तरह से रोक लगाई जाए।

महंगाई प्रदेश में अगले महीने से डिपुओं में मिलेगा महंगा राशन

13 साल बाद बढ़े चावल और आटे के दाम

अनंत ज्ञान, शिमला

हिमाचल प्रदेश के डिपुओं में मिलने वाला सस्ता राशन अब महंगा हो गया है। प्रदेश भर में उपभोक्ताओं को अगले महीने से सस्ता राशन खरीदने के लिए अधिक दाम चुकाने होंगे। सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से दिए जाने वाले आटे और चावल के रेट बढ़ा दिए हैं।

नए रेट अगले महीने सितंबर से लागू होंगे, जिसकी अधिसूचना भी जारी हो गई है। इन आदेशों के मुताबिक सुक्खू सरकार ने एपीएल और बीपीएल को दिए जाने वाले आटे और चावल के दाम बढ़ाए हैं। इसके अतिरिक्त एनएफएसए को मिलने वाले राशन के भाव में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

चावल 3 रुपए और आटा 2.70 रुपए महंगा

हिमाचल प्रदेश में डिपुओं के माध्यम से उपभोक्ताओं को मिलने वाला आटा और और चावल महंगा हुआ है। अगले महीने से एपीएल परिवारों को चावल 13 रुपए किलो मिलेगा। अभी डिपुओं में चावल की कीमत 10 रुपए किलो है। इस तरह से चावल अब 3 रुपए प्रति किलो महंगा हुआ है। वहीं आटे के अब प्रति किलो 12 रुपए चुकाने होंगे। अभी एपीएल परिवारों को 9.30 रुपए किलो के हिसाब से आटा दिया जा रहा है।

इस तरह से डिपुओं में आटा भी 2.70 रुपए महंगा हुआ है।

इसके अलावा बीपीएल परिवारों को मिलने वाला राशन भी महंगा हो गया है। इस श्रेणी के उपभोक्ताओं को सितंबर महीने से चावल 10 रुपए प्रति किलो और आटा 9.30 रुपए प्रति किलो से हिसाब से मिलेगा। अभी बीपीएल को चावल 6.85 रुपए प्रति किलो और आटा 7 रुपए किलो के हिसाब से दिया जा रहा है।

इसलिए सरकार को बढ़ाने पड़े दाम

हिमाचल में डिपुओं के माध्यम से दिए जा रहे आटा और चावल का भाव करीब 13 साल बाद बढ़ाए गए हैं। इसके पीछे तर्क है कि राशन को डिपुओं और गोदामों तक पहुंचाने का भाड़ा पहले की तुलना में कई गुणा महंगा हो गया है। वहीं, राशन की कीमतें भी लगातार बढ़ रही है। केंद्र से हिमाचल को गेहूं का आवंटन होता है, लेकिन प्रदेश सरकार अपने स्तर पर गेहूं की पिसाई कर उपभोक्ताओं को आटा उपलब्ध करा रही है। ऐसे में चक्की में पिसाई भी अब महंगी हुई ह, जिस कारण सरकार को 13 साल बाद आटा और चावल के भाव बढ़ाने पड़ रहे हैं, लेकिन बाजार की तुलना में अभी भी आटा और चावल काफी सस्ते रेट पर मिलेगा।

सुधीर शर्मा को अब मुंबई से धमकी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। भाजपा नेता व धर्मशाला से विधायक सुधीर शर्मा को अब मुंबई से धमकी भरे फोन और मैसेज आने का मामला सामने आया है। खुद को मुंबई पुलिस का सब इंस्पेक्टर बताकर शातिर ने मैसेज और वीडियो कॉल करके सुधीर शर्मा को धमकाने का प्रयास किया।

इस पर धर्मशाला से विधायक सुधीर शर्मा ने एसपी कांगड़ा को उक्त व्यक्ति की डिटेल सौंपकर कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई है। सुधीर शर्मा ने कहा है कि फोन करने वाला व्यक्ति अपना नाम हेमराज कोली बता रहा है। पिछले चार-पांच माह में यह ऐसा तीसरा घटनाक्रम है। पहले रक्कड़ में उनके मकान की ड्रोन से रैक्की की गई, उसके बाद चुनावों के समय धमकियां दी गई। दूसरी ओर सुधीर शर्मा को इस तरह की धमकियां मिलने पर जनता में भारी रोष है।

खुंडी मराल जातर में हजारों लोग तीनों देवियों के मिलन के बने साक्षी

ओपी शर्मा, भरमौर

चंबा जिले की चुराह घाटी में एक ऐसी देव स्थली है, जहां पर भद्रो मास में तीन देवी बहने ठीक इसी दिन आपस मे एक-दूसरे से मिलने के लिए आती है। इस जातर में हजारों की संख्या में श्रद्धालु भिन्न-भिन्न स्थानों से देव चिह्नों को अपने साथ लेकर आते है।

आपको बता दे कि यहां चांजू से देव चिह्नों को लेकर जयकारों के साथ देव गूर खुंडी माता के गूरों के साथ गले मिले। बीते रविवार से खुंडी जातर शुरू हो चुकी है। तीसा, साहो, लिल्ह की ओर से हजारों की भीड़ दुर्गम रास्तों और नालों को पार करते हुए खुंडी डलझील पहुंची। मंगलवार सुबह खुंडी डल में देव गूर ने पूजा-अर्चना के बाद हजारों श्रद्धालुओं के साथ पवित्र डल में आस्था की डुबकी लगाई।

आपको बता दें, कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 18 से 20 अगस्त तक पवित्र खुंडी जातर का आयोजन किया गया। खुंडी मराल जातर मेले में रात को श्रद्धालु रियाली में रुकने के बाद आगे की यात्रा आरंभ करते हैं। लोग ऐतिहासिक चांजू माता मंदिर में माथा टेकने के बाद खुंडी मराल की यात्रा आरंभ करते हैं।

चांजू काली माता मंदिर से दंतुई गांव से पैदल 28 से 30 किलोमीटर सफर खुंडी मराल तक का रहता है। बीते सोमवार

पारंपरिक वाद्य यंत्रों और माता के जयकारों के साथ देव गूरों समेत श्रद्धालुओं ने खुंडी मराल के लिए रुख किया।

माता के चिह्नों के साथ देव गूरों ने रियाली में ठहराव किया और मंगलवार अल सुबह खुंडी मराल के लिए कूच किया। खुंडी मराल पहुंचने पर चांजू और साहो-सिल्लाघाट से पहुंचे देव गूर गले मिले। चांजू माता, लिल्ह और साहो से पहुंचीं देवियों के मिलने के गवाह हजारों लोग बने। (अनंत ज्ञान)

न्यूज ब्रीफ

ग्रामीण बैंक ने नॉमिनी को सौंपे बीमा के चार लाख

अनंत ज्ञान, पालमपुर। हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक चचिया (नगरी) द्वारा प्रधानमंत्री सुरक्षा एवं जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत एक उपभोक्ता की मृत्यु होने पर उसके नॉमिनी को चार लाख रुपए की बीमा क्लेम राशि सौंपी। योजना के तहत नगरी के निकटवर्ती गांव लंबापट (गोपालपुर) के कमलेश कुमार पुत्र भादर राम का बीमा किया गया था, जिसमें उनकी प ी तृप्ता देवी और बेटे हैप्पी कुमार को नामांकित किया था। कमलेश कुमार की पेड़ के ऊपर से गिरने के कारण मृत्यु होने के बाद उनकीड प ी तृप्ता देवी और बेटे हैप्पी कुमार को को दो-दो लाख रुपए की राशि कुल 4 लाख रुपए का चेक शाखा परिसर में दिया गया।

प्राचीन शिव मंदिर बणी में हुई भजन संध्या

अनंत ज्ञान, गरली। बणी स्थित प्राचीन शिव मंदिर में मंगलवार शाम को भजन संध्या का आयोजन किया गया। इसमें केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, बलाहर के प्राध्यापक एवं छात्रों ने वाद्य यन्त्रों की मधुर ध्वनि के साथ भगवान के स्तुति परक भजनों का गायन किया। भक्तजनों ने भगवान की भक्ति में लीन होकर सभी देवों का जयकारा करते हुए ईश्वर के प्रति अपने भाव व्यक्त किया। भजन संध्या के उपरांत हनुमान चालीसा एवं आरती के द्वारा शंकर भगवान की पूजा भी की गई। अंत में शांति मंत्र के उपरांत सभी भक्तजनों को प्रसाद भी बांटा गया। इस अवसर मंदिर कमेटी के सदस्य राजेंद्र सिंह, बहादुर सिंह, विप्रबंधु, रविंद्र सिंह, मंजीत सिंह, रमेश सिंह, नीता देवी एवं डॉ. अंकिता सहित नन्हे-मुन्हे बच्चे भी उपस्थित रहे।

ठेकेदारों ने अधीक्षण अभियंता को किया सम्मानित

अनंत ज्ञान, डाडासीबा। उपमंडल देहरा के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में अधीक्षण अभियंता हरबंस लाल शर्मा द्वारा कार्यभार संभाला गया है। बुधवार को डाडासीबा रेस्ट हाउस में ठेकेदार संगठन डाडासीबा द्वारा उनका स्वागत किया गया व उन्हें सम्मानित भी किया गया। इस दौरान कोटला बेहड़ अधिशासी अभियंता कैलाश पावा, जोकि रेगुलर तौर पर इस पद पर नियुक्त हुए हैं, उन्हें भी सम्मानित किया गया । इसके अतिरिक्त इस बैठक में वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र सिंह मनकोटिया भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान ठेकेदारों द्वारा अधीक्षण अभियंता हरबंस लाल शर्मा को ठेकेदारों को आ रही कुछ समस्याओं के बारे में अवगत करवाया। वहीं, अधीक्षण अभियंता ने विभिन्न सड़कों का निरीक्षण भी किया व आश्वासन दिया कि जो काम पिछले काफी समय से लंबित पड़े हैं, उन कामों को पूरा किया जाएगा।

पंचायतों के विकास कार्यों में आड़े नहीं आएगी धन की कमी : आरएस बाली

अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए कार्ययोजना तैयार करने के दिए हैं निर्देश

पूजन भंडारी, नगरोटा बगवां

पर्यटन निगम के अध्यक्ष कैबिनेट रैंक आरएस बाली ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए कारगर कदम उठाए जाएंगे, इसके लिए विभागीय अधिकारियों को कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि लोगों को बेहतर सुविधा मिल सके।

बुधवार को पर्यटन निगम के अध्यक्ष कैबिनेट रैंक आरएस बाली ने नगरोटा के आईपीएच रेस्ट हाउस में लोगों की समस्याएं सुनने के उपरांत कहा कि वर्तमान सरकार ने आम जनमानस को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए विभिन्न योजनाएं तथा कार्यक्रम आरंभ किए हैं। इन योजनाओं का लाभ ग्रामीण स्तर तक पात्र लोगों तक पहुंचे, इसके लिए उपयुक्त कदम उठाए जा रहे हैं। बाली ने कहा कि गांवों में बेहतर सड़क, स्वास्थ्य तथा शिक्षा की सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि नगरोटा

विधायक ने नगरोटा के आईपीएच रेस्ट हाउस में सुनी लोगों की समस्याएं

विस क्षेत्र में पंचायतों में विकास कार्यों के लिए किसी भी स्तर पर धन की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। नगरोटा विस क्षेत्र में हर घर नल और बेहतर पेयजल सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी ताकि लोगों को पेयजल की बेहतर सुविधा मिल सके इसके साथ ही महिला स्वयं सहायता समूहों के सुदृढ़ीकरण पर भी आवश्यक बल दिया जा रहा है स्वयं सहायता समूहों के गठन के माध्यम से महिलाओं की आर्थिक स्थिति बेहतर की जा रही है, स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की बिक्री के लिए हिम ईरा शॉप भी खोली जाएंगी।

इस अवसर पर एसडीएम कांगड़ा मुनीष शर्मा, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रताप रियाड़, महासचिव अरुण कटोच, महासचिव अजय सिपहिया, सोनू कटोच, राहुल धीमान सहित विभिन्न गणमान्य लोग उपस्थित थे। (अनंत ज्ञान)

नगरोटा बगवां को बनाएंगे आदर्श विधानसभा क्षेत्र

आरएस बाली ने कहा कि विकास पुरुष जीएस बाली ने नगरोटा विस क्षेत्र में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं उनके कार्यों को आगे बढ़ाते हुए नगरोटा विस क्षेत्र को पूरे राज्य में आदर्श विधानसभा क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा। आरएस बाली ने कहा कि लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए पंचायत स्तर पर स्वयं लोगों की समस्याओं का निवारण सुनिश्चित कर रहे हैं, ताकि लोगों को किसी भी तरह की असुविधा नहीं झेलनी पड़े। उन्होंने टांडा मेडिकल कॉलेज के लिए नई भर्तियों के लिए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खु का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नई भर्तियां होने से रोगियों को उपचार की बेहतर सुविधा मिलेगी।

पंजाब पुलिस ने चक्की दरिया में अवैध खनन करते पकड़े 7 वाहन

अशोक ठाकुर, इंदौरा

पंजाब-हिमाचल सीमा पर स्थित चक्की दरिया में अवैध खनन जोरों पर है। हालांकि, पंजाब तथा हिमाचल सरकार ने दो महीने तक किसी भी तरह की खनन सामग्री दरिया से ले जाने पर पाबंदी लगा रखी है, फिर भी खनन माफिया मोटे मुनाफे के लिए लगातार खनन करने से बाज नहीं आ रहा है। मंगलवार रात चक्क दरिया में अवैध खनन की सूचना मिलने पर पठानकोट के मामून थाना की प्रभारी रजनी बाला ने दलबल सहित जब छापा मारा तो चक्की दरिया में कई जेसीबी तथा ट्रैक्टर अवैध खनन करते हुए पाए गए। पुलिस कार्रवाई होते देख खनन माफिया के लोग वहां से भाग खड़े हुए, परंतु कड़ी मशक्कत के बाद पंजाब पुलिस ने पांच ट्रैक्टर तथा एक-एक जेसीबी और टिप्पर अवैध खनन करते हुए जब्त कर लिए और उन्हें थाना मामून में लाया गया। इसकी सूचना नूरपुर पुलिस विभाग को दी

बाउंड्री एरिया होने पर कार्रवाई के लिए हिमाचल पुलिस को सौंपा मामला

गई जिस पर कार्रवाई करते हुए इन सभी गाड़ियों को थाना नूरपुर के अंतर्गत पुलिस चौकी कंडवाल में आगामी कार्रवाई के लिए भेज दिया है।

वहीं, डीएसपी नूरपुर विशाल वर्मा ने बताया के पंजाब पुलिस की कार्रवाई में जो अवैध खनन करते हुए गाड़ियां पकड़ी गई हैं जमीनी विवाद के चलते यह मामला हिमाचल बाउंड्री एरिया के अंतर्गत आता है इसलिए हिमाचल पुलिस ही इस पर कानूनी कार्रवाई करेगी। ज्ञात रहे कि तीन दिन पहले ही चक्की दरिया में जिला पुलिस नूरपुर ने कार्रवाई करते हुए चक्की दरिया में अवैध खनन करते हुए तीन जेसीबी तथा आठ ट्रैक्टरों पर अवैध खनन करने का मामला दर्ज किया गया था जिसकी कार्रवाई अदालत में की जा रही है। (अनंत ज्ञान)

सरकार के फैसले के खिलाफ सड़कों पर उतरेंगे बेरोजगार लाइब्रेरियन

अनंत ज्ञान, जवाली

प्रदेश बेरोजगार लाइब्रेरियन संघ प्रदेश सरकार के विद्यार्थियों की संख्या का डाटा लेने के फैसले का विरोध करता है तथा अब बेरोजगार लाइब्रेरियन सरकार का विरोध करने सड़कों पर उतरेंगे। यह बात राज्य बेरोजगार लाइब्रेरियन संघ के महासचिव किशोरी लाल ने प्रेस वार्ता में कही। किशोरी लाल ने कहा कि कम संख्या वाले स्कूलों के विद्यार्थियों को लाइब्रेरी से वंचित रखना न्यायोचित नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कहा था कि आचार संहिता के हटते ही जेओए लाइब्रेरियन के खाली पदों को भरा जाएगा, लेकिन अब सरकार अपने बयान से पलट रही है। इस बार पहली बार ऐसी सरकार बनी है, जिसके मुख्यमंत्री नौकरी छीनने वाले साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल के स्कूलों की शिक्षा के क्षेत्र में बुरा हाल है। उन्होंने कहा कि पंजाब, हरियाणा, राजस्थान के प्रत्येक स्कूल में लाइब्रेरी और लाइब्रेरियन हैं और हिमाचल प्रदेश के स्कूलों में लाइब्रेरी तो है, लेकिन लाइब्रेरियन न होने कारण उन पर ताला लटका हुआ है। सरकारी स्कूलों में गरीब परिवार के बच्चे पढ़ते हैं क्या उन्हें लाइब्रेरी से शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने हमारा हक नहीं दिया तो सरकार के खिलाफ आंदोलन करने से भी गुरेज नहीं होगा।

कंगेहन गोसदन में किया पौधरोपण

जयसिंहपुर। सद्भावना दिवस के उपलक्ष्य में लोक निर्माण विभाग मण्डल के अधिकारियों व कर्मचारियों ने कंगेहन गोसदन में पौधरोपण किया । स्वप्रथम मंडल कार्यालय में सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने सदभावना शपथ ली उसके उपरांत क्लस्टर प्लांटेशन के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग मंडल जयसिंहपुर के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा कंगऐन में गोसदन के समीप पौधरोपण किया गया। अधिशासी अभियंता विजय कुमार वर्मा ने बताया कि कंगेहन गोसदन में आज उन्नत स्मि के बांस के 300 पौधे रोपे गये हैं। विजय वर्मा ने बताया कि जब यह पौधे तैयार हो जाएंगे तो यहां रहने वाले गोवंश को साल भर हरा चारा मिल पाएगा।

जयसिंहपुर टीम ने जीती चैलेंजर ट्रॉफी

विजेता रहने पर 21 हजार रुपए नकद और ट्रॉफी मिली इनाम

अनंत ज्ञान, जयसिंहपुर

जयसिंहपुर के ऐतिहासिक मैदान में पीसी कम्युनिकेशन द्वारा चैलेंजर क्रिकेट ट्रॉफी का आयोजन किया गया। स्थानीय मैदान में हुई इस प्रतियोगिता में 28 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के समापन समारोह में समाजसेवी एवं एवं हिमटेक बिल्डर के प्रबंधक निदेशक अमित चौधरी ने बतौर मुख्य अथिति शिरकत की। उन्होंने अपने संबोधन में खिलाड़ियों व आयोजकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि खुशी की बात है है ग्रामीण परिवेश भी युवा बड़े स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन करते रहते हैं। यहीं से खिलाड़ी निकलकर राज्य स्तर व देश

स्तर पर प्रतिनिधित्व करते हैं। मुख्य अतिथि ने सभी खिलाड़ियों को समानित किया।

ट्रॉफी की विजेता टीम जयसिंहपुर रही और उपविजेता टीम हारसि रही। हरसी की टीम ने 15 ओवर में 105 रन का लक्ष्य दिया, जिसे जयसिंहपुर की टीम ने 14 ओवर में पूरा कर लिया। विजेता टीम को 21000 रुपए नकद व ट्रॉफी भेंट की गई, जबकि उपविजेता टीम को 11000 रुपए इनाम दिया गया। अमित चौधरी ने अपनी तरफ से आयोजकों को 10,000 रुपए दिए।

सिने जगत

बॉलीवुड के कई सेलेब्स ऐसे हैं जो सभी धर्मों का सम्मान करते हैं और सभी धर्मों को मानते हैं। हालांकि एक एक्ट्रेस हिंदू पिता की बेटी होते हुए भी इस्लाम धर्म को फॉलो करती हैं। यह एक्ट्रेस अपनी खूबसूरती के लिए काफी चर्चा में रही हैं। इसके अलावा इसका नाम कभी बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान संग भी खूब जुड़ा था। यहां बात हो रही है जानी-मानी एक्ट्रेस फातिमा सना शेख की फातिमा के पिता हिंदू हैं। एक्ट्रेस के पिता का नाम है विपिन शर्मा। वहीं फातिमा की मां मुस्लिम हैं। उनकी मां का नाम राज तबस्सुम हैं जो श्रीनगर से हैं। हालांकि फातिमा पिता के धर्म को न मानते हुए मां के धर्म को फॉलो करती हैं।

इस एक्ट्रेस के पिता हैं हिंदू, खुद फॉलो करती हैं इस्लाम कभी बॉलीवुड सुपर स्टार आमिर खान संग जुड़ा था नाम

फातिमा का जन्म हैदराबाद में 11 जनवरी 1992 को हुआ था। 32 साल की हो चुकी फातिमा ने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट ही एक्टिंग डेब्यू कर लिया था। यह बात बहुत कम लोग जानते होंगे कि फातिमा दिग्गज एक्टर कमल हासन की फिल्म चाची 420 में नजर आ चुकी हैं। इस फिल्म में उन्होंने कमल की बेटी का किरदार निभाया था। बड़ी होने पर भी फातिमा सना शेख ने फिल्मी दुनिया की राह ही चुनी। उन्हें आमिर खान की ब्लॉक बस्टर फिल्म दंगल से काफी शोहरत हासिल हुई थी। साल 2016 में आई फिल्म दंगल में आमिर खान ने पहलवान महावीर फोगाट का रोल प्ले किया था, जबकि फातिमा उनकी बेटी बबीता फोगाट के रोल में नजर आई थीं। इसी पिुल्म के चलते फातिमा का नाम कभी आमिर खान संग भी खूब जोड़ा गया था. जब आमिर का उनकी दूसरी वाइफ किरण राव से तलाक हुआ था तब आमिर और फातिमा के अफेयर की खबरें भी उड़ी थीं।

इन दिनों फिल्म स्त्री-2 के ब्लॉकबस्टर होने से सुर्खियों में बनीं हुईं श्रद्धा कपूर ने हाल ही में एक मजेदार किस्सा शेयर किया है। एक्ट्रेस ने बताया है कि वो एक्टर वरुण धवन को प्रपोज कर चुकी हैं। हालांकि वरुण धवन ने उनका प्रपोजल ठुकराते हुए यह कहा था कि उन्हें लड़कियां पसंद नहीं हैं। हाल ही में शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में श्रद्धा कपूर ने वरुण द्वारा प्रपोजल रिजेक्ट करने का किस्सा शेयर किया है। उन्होंने कहा, वरुण ने मेरा प्रपोजल रिजेक्ट किया था (8 साल की उम्र में)। मुझे बचपन में वरुण पर एक छोटा सा क्रश था, तो हम एक माउंटेन टॉप पर गए। पहाड़ के ऊपर हम खेलते-खेलते गए। मैंने कहा कि मैं एक बात बोलुंगी आपसे वरुण। मैं उल्टा बोलुंगी, तो आप उसका मतलब समझ जाना। मैंने उससे कहा यू लव आई। श्रद्धा कपूर ने बताया है कि प्रपोजल के जवाब में वरुण धवन ने कहा था, नो, नो, मुझे लड़कियां पसंद नहीं है और वो भाग गया। बताते चलें कि हाल ही में रिलीज हुई फिल्म स्त्री-2 में वरुण धवन ने कैमियो किया है। मैडॉक फिल्म की सुपरनेचुरल फ्रेंचाइजी की ये 5वीं फिल्म है, जिसमें इस फ्रेंजाइजी की फिल्म भेड़िया के किरदारों को भी शामिल किया गया था। स्त्री-2 के साथ ही भेड़िया-2 की मेंकिग पर हिंट दिया गया है। वहीं फिल्म में वरुण धवन और श्रद्धा कपूर का गाना भी है। इससे पहले वरुण धवन और श्रद्धा कपूर फिल्म एबीसीडी-2 में साथ नजर आ चुके हैं।

श्रद्धा कपूर ने वरुण धवन को किया था प्रपोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस ने सुनाया बचपन का मजेदार किस्सा

लीजेंड्री एक्ट्रेस श्रीदेवी का फिल्म करियर जिस मुकाम पर रहा है, उनकी पर्सनल लाइफ के चर्चे भी उतने ही आम रहे हैं। उन्हें चाहने वालों की कोई कमी नहीं थी, फिर चाहें बात फिल्मी दुनिया की हो या फिर फिल्मी दुनिया से बाहर की. उनके दीवानों की कोई कमी नहीं थी। श्रीदेवी केचाहने वाले बॉलीवुड में भी थे और टॉलीवुड यानी कि साउथ इंडियन फिल्म इंड्स्ट्री में भी थे। श्रीदेवी ने बहुत से फिल्म स्टार्स के साथ काम किया है। कुछ फिल्म स्टार्स तो ऐसे भी रहे, जिनके साथ श्रीदेवी ने एक दो नहीं कई फिल्में की हैं। ऐसे ही एक फिल्म स्टार थे जो उनसे उम्र में थोड़े ज्यादा बड़े थे, लेकिन श्रीदेवी के दीवाने हो गए थे। यह फिल्म स्टार हैं रजनीकांत।

एक साथ कीं 19 फिल्में

रजनीकांत, जिन्हें अब लोग फिल्मी दुनिया का थलाइवा भी कहने लगे हैं, उन्होंने श्रीदेवी के साथ करीब 19 फिल्मों में काम किया है। श्रीदेवी जब महज 13 साल की थीं, तब ही वो रजनीकांत की मां का किरदार अदा कर चुकी थीं। फिल्म मूंदरू मुदिचू में रजनीकांत श्रीदेवी से उम्र में 13 साल बड़े थे, फिर भी उन्हें श्रीदेवी से प्यार हो गया था। उम्र का फासला ज्यादा होने की वजह से कई बार रजनीकांत उनके लिए बहुत प्रोटेक्टिव भी हो जाते थे। दोनों में दोस्ती भी बहुत अच्छी हो चुकी थी, जिसे रजनीकांत जल्द से जल्द शादी में भी बदलना चाहते थे। वह इसके लिए श्रीदेवी की मां से बात करने को भी तैयार थे। रजनीकांत और उनके दोस्त बालचंदर गृह प्रवेश के मौके पर श्रीदेवी के घर गए भी, लेकिन उसी समय बिजली गुल हो गई। इसे रजनीकांत ने अपशकुन माना और फिर बिना बात किए ही वापस

श्रीदेवी के प्यार में दीवाना था यह सुपरस्टार, एक अपशकुन के बाद नहीं किया इजहार-ए-मोहब्बत

आलिया भट्ट को 'जिगरा' के सेट पर मिल गया नया साथी

एक साल पहले निर्माता करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी में नजर आने वालीं आलिया भट्ट की वापसी को लेकर फैंस काफी इंतजार कर रहे हैं। करीब दो महीने बाद उनकी मोस्ट अवेटेड फिल्म जिगरा रिलीज होने वाली है। इस मूवी को लेकर पहले से ही काफी चर्चा हो रही है। अब जिगरा के सेट पर आलिया भट्ट को एक नया साथी मिल गया है, जो एक्टिंग के साथ-साथ गायकी का भी हुनर रखता है। आइए जानते हैं कि आखिरकार वो शख्स कौन है। आलिया बात कर रही हैं वेदांग की, जो फिल्म में आलिया के भाई की भूमिका निभा रहे हैं। आलिया ने कहा, 'वेदांग बहुत अच्छे गायक हैं। मैं बहुत खुश हूं कि अंततः मुझे कोई ऐसे मिला कि फिल्म के प्रमोशन के समय जिसे मैं लगातार माइक दे सकूं और कहूं कि आप गाओ। मैं चाहूंगी कि आप मेरे लिए गाना गाओ।' इसके बाद वेदांग ने आलिया के लिए एक हजारों में मेरी बहना है... गाना गाया।

न्यूज ब्रीफ

शिक्षा बोर्ड ने बढ़ाए शुल्कों में किया बदलाव

अनंत ज्ञान, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड सचिव डॉ. मेजर विशाल शर्मा ने बताया कि बोर्ड के अध्यक्ष की ओर से बोर्ड द्वारा आयोजित करवाई जाने वाली डीएलएड सीईटी प्रवेश परीक्षा तथा सभी विषयों की टेट परीक्षाओं के लिए निर्धारित शुल्क में आंशिक संशोधन करते हुएजनहित में अनुसार टेट तथा डीएलएड शुल्क को पुनःनिर्धारित किया गया है। इसके अनुसार टेट के लिए सामान्य श्रेणी के लिए फीस पहले निर्धारित की गई 1600 की जगह अब 1200 रुपए की गई है। ओबीसी, एससी एसटी तथा दिव्यांग श्रेणी का शुल्क 1000 रुपए से अब 700 रुपए किया गया है। वहीं डीएलएड के लिए सामान्य श्रेणी के लिए शुल्क 1200 से अब 900 रुपए किया गया है। ओबीसी, एससी, एसटी, दिव्यांग तथा ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा शुल्क 800 से 600 रुपए तथा लेट फीस 600 की जगह 500 रुपए तय की गई है।

पुढ़वा में जांचा गया 105 मरीजों का स्वास्थ्य

अनंत ज्ञान, डरोह। उपमंडल धीरा के अंतर्गत ग्राम पंचायत पुढ़वा की ओर से बुधवार को सुबह 10 से शाम तीन बजे तक पुढ़वा में मल्टिस्पेशलिटी मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया।

कैंप में फॉर्टिस अस्पताल के डॉ. अशोक कुमार, एमडी मेडिसिन, डॉ. गुरनिक सिंह, एमएस आर्थोपेडिक्स, एमबीबीएस ईएनटी डॉ. कलरुबा कर्ण ने हड्डी रोग, नाक, कान, गला रोग, बीपी, शुगर, पीलिया एवं अन्य लोगों की जांच की। कैंप में पुढ़वा पंचायत से लगभग 80 लोगों ने अपना चेकअप करवाया, जबकि बलोटा पंचायत से 25 लोगों ने स्वास्थ्य लाभ लिया। कुल 105 लोगों ने अपना स्वास्थ्य चेकअप करवाया। इस कैंप में मेडिकल चेकअप व दवाइयां निशुल्क दी गईं। टेस्ट भी निशुल्क किए गए। इस मौके पर पुढ़वा पंचायत के प्रधान पवन राणा व उपप्रधान अशोक कुमार मौजूद रहे। उन्होंने डॉक्टर्स का धन्यवाद किया। यह जानकारी पुढ़वा पंचायत के उपप्रधान अशोक कुमार ने दी।

कैशलेस लेनदेन में अव्वल रहे परिचालक सम्मानित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। परिचालकों को टिकट काटने के लिए दी गई ई-टिकटिंग मशीनों से लेनदेन में बेस्ट कैशलेस नतीजे देने वाले परिचालकों को हिमाचल पथ परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक रोहन ठाकुर ने शिमला में सम्मानित किया। धर्मशाला मंडल के तहत सबसे अधिक कैशलेस ट्रांजेक्शन करने के लिए पालमपुर डिपो के परिचालक चमन लाल को प्रथम पुरस्कार स्वरूप उन्हें 5000 रुपए मूल्य तक का पुरस्कार दिया गया। इसके अलावा पालमपुर डिपो के ही राहुल कुमार को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ, जिसमें उन्हें 3000 रुपए तक की कीमत का पुरस्कार दिया गया। तीसरे स्थान पर धर्मशाला डिपो के परिचालक जसवीर सिंह रहे जिन्हें 2000 रुपए की कीमत का पुरस्कार दिया गया। यह जानकारी देते हुए धर्मशाला मंडल के मंडलीय प्रबंधक पंकज चड्ढा ने बताया कि बसों में डिजिटल लेनदेन शुरू होने से यात्रियों को भी सुविधा मिल रही है, जबकि परिचालक भी डिजिटल लेनदेन में दिलचस्पी दिखा रहे हैं, जो कि सराहनीय है।

'बजट पर चर्चा' विषय पर व्याख्यान आयोजित

अनंत ज्ञान, पालमपुर। राजकीय महाविद्यालय शिवनगर की राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में 'बजट पर चर्चा' विषय पर बुधवार को व्याख्यान का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक योगेश पाण्डेय ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया। मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. संगीता सिंह ने बजट पर सारगर्भित बीज वक्तव्य देते हुए विद्यार्थियों को बजट की उपयोगिता बताई और विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। उसके बाद प्रमुख वक्ता डॉ. नितिका शर्मा ने छात्र-छात्राओं से बजट पर विस्तृत और महत्वपूर्ण चर्चा की। अंत में प्रो. राजेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन कर कार्यक्रम का समापन किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. संगीता सिंह, डॉ. शमशेर सिंह , प्रो. राजेश कुमार, प्रो. शिखा धरवाल, डॉ. नीतिका शर्मा, डॉ. उज्ज्वल सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक योगेश पांडेय तथा दीक्षा, मुस्कान, अभय, विनीत, विशाल, कृषिका, दीपिका, वंश आदि स्वयंसेवी व अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे।

छात्रों ने केंद्रीय बजट पर रखे अपने विचार

अनंत ज्ञान, कांगड़ा। एमसीएम डीएवी महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा बीए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इसमें भारत सरकार के नवीनतम बजट पर अपनी समीक्षा प्रस्तुत की। इस सत्र का उद्देश्य छात्रों को आर्थिक मुद्दों की समझ विकसित करना और बजट की विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श करना था। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बलजीत सिंह पटियाल ने छात्रों की पहल की सराहना की और कहा कि बजट देश की आर्थिक दशा को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां छात्रों के बौद्धिक विकास में सहायक सिद्ध होती हैं। समीक्षा सत्र के दौरान, बीए प्रथम वर्ष के छात्रों ने बजट के शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त किए।

बरबाड़ा स्कूल बंद करने के विरोध में दिया धरना

अनंत ज्ञान, गरली। राजकीय प्राथमिक पाठशाला बरबाड़ा को अचानक बंद करने का फरमान जारी होते ही अभिभावकों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बुधवार एसएमसी प्रधान आशा देवी के नेतृत्व में तमाम अभिभावक स्कूल के बाहर धरने पर बैठ गए। उन्होंने सरकार को दो टूक कहा कि स्कूल में बच्चों की सख्या अब 18 पहुंच गई है, ऐसे में स्कूल को बंद करना उचित नहीं है। एसएमसी ने जिला परिषद सदस्य ढलियारा ईसान शर्मा के माध्यम से प्रदेश मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू को ज्ञापन प्रषित कर राजकीय प्राथमिक पाठशाला बरबाड़ा को बंद नहीं करने की मांग की है।

आरडीए ने पांचवें दिन भी जारी रखी हड़ताल

अनंत ज्ञान, कांगड़ा। कोलकाता में हुई प्रशिक्षु महिला डॉक्टर की दुष्कर्म व हत्या के विरोध में डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल टांडा में (आरडीए) शनिवार से विरोध प्रदर्शन पर बैठा हुआ है। हालांकि उनके इस विरोध प्रदर्शन में अस्पताल की (टैमकॉट) ने भी मंगलवार तक उनका पूरा समर्थन किया था, परंतु बुधवार को (टैमकॉट) ने अपनी हड़ताल को खत्म करते हुए अस्पताल में पूर्ण रूप से कामकाज शुरू कर दिया। अस्पताल में बुधवार को तमाम ओपीडी सुचारू रूप से चलती रही। वहीं (आरडीए) द्वारा पांचवें दिन भी हड़ताल को जारी रखा गया। आरडीए के प्रेस सचिव डॉक्टर सौरभ जैन ने कहा कि उनका प्रदर्शन तब तक जारी रहेगा, जब तक पीड़िता को इंसाफ नहीं मिल जाता और उनकी मांगों पर केंद्र सरकार अपना रुख स्पष्ट नहीं करती।

घर-घर जाकर मतदाता सूचियों को दुरुस्त करेंगे बीएलओ : डीसी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

आठ सितंबर तक चलाया जाएगा विशेष अभियान

जिला निर्वाचन अधिकारी व उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत कांगड़ा जिला के सभी निर्वाचन क्षेत्रों में 8 सितंबर तक घर-घर जाकर मतदाता सूची को दुरुस्त करने के लिए विशेष अभियान चलाया गया है। इस अभियान के अंतर्गत फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली को शुद्ध एवं त्रुटि रहित बनाने तथा अद्यतन बनाए रखने के दृष्टिगत कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि घर के मुखिया की सहायता से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि परिवार के समस्त पात्र सदस्यों का नाम मतदाता सूची में दर्ज है तथा दर्ज सभी सदस्यों का विवरण सही है। यदि किसी निर्वाचक की प्रविष्ठि में किसी प्रकार की कोई भी अशुद्धि है तो उसे ठीक करवाने के लिए प्रारूप-8 के माध्यम से कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि एक अक्तूबर को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके पात्र नागरिकों के नाम को निर्वाचक नामावली में सम्मिलित करना, एक अक्तूबर 2025 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले भावी मतदाताओं की सूची बनाने, दोहरे पंजीकृत, मृत, स्थाई रूप से स्थानांतरित मतदाताओं का विवरण प्राप्त करने जैसे कार्य भी किए जाएंगे।

आपदा से निपटने में काम आएगा बुजुर्गों का अनुभव : एडीएम

ग्रामीण स्तर पर बनेंगे वरिष्ठ मंडल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

समाज के लिए अपना सहयोग देने की इच्छा रखने वाले बुजुर्ग नागरिकों और सेवानिवृत कर्मचारियों के लिए अब वरिष्ठ मंडल बनाए जाएंगे। महिला मंडल और युवा मंडलों की तर्ज पर ग्रामीण स्तर पर बुजुर्ग नागरिकों के लिए वरिष्ठ मंडल का गठन किया जाएगा।

वरिष्ठ नागरिक दिवस के उपलक्ष्य पर आज बुधवार को क्षेत्र के बुजुर्ग नागरिक और गैर सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में एडीएम कांगड़ा डॉ. हरीश गज्जू ने यह बात कही। डीसी ऑफिस धर्मशाला में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता करते हुए एडीएम ने कहा कि कई ऐसे सेवानिवृत्त कर्मचारी और बुजुर्ग हैं, जो समाज के लिए अभी भी अपना योगदान देना चाहते हैं।

बुजुर्गों के अनुभव और उपलब्धता का लाभ लेते हुए अनेक प्रकार के सामाजिक कार्यों में उनका सहयोग और मार्गदर्शन लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सामाजिक गतिविधियों में बुजुर्गों की भागीदारी से जहां एक तरफ वे सक्रिय रहेंगे, वहीं उनके अनुभवों से हमें आपदाओं से निपटने में सहायता मिलेगी। उन्होंने बताया कि आपदा के दौरान खतरे के न्यूनीकरण और तैयारियों के लिए स्वयंसेवियों की बहुत कमी देखने को मिलती है। कई युवा शिक्षा और बेहतर रोजगार के अवसरों की तलाश में अपने क्षेत्रों से बाहर जाते हैं। इस संदर्भ में, सेवानिवृत्त बुजुर्ग आशा की किरण के रूप में उभर सकते हैं।

हैप्पी बर्थडे

सोलन जिले के अर्की के अर्शील को जन्मदिन पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

बर्थडे व सालगिरह के फोटो भेजें

बर्थडे हो या शादी की सालगिरह। आपकी खुशियों में हम भी हैं शामिल। अपना फोटो अनंत ज्ञान में प्रकाशित करवाने के लिए नाम और पते सहित व्हाट्सऐप नंबर 88945-21702 पर भेजें।

इस बार आकर्षक और भव्य होगा जयसिंहपुर दशहरा : यादवेंद्र गोमा

10 से 12 अक्तूबर तक चौगान मैदान में होगा राज्य स्तरीय उत्सव

प्रवीण मिश्रा, जयसिंहपुर

आयुष, युवा सेवाएं एवं खेल तथा विधि मंत्री यादवेंद्र गोमा ने राज्य स्तरीय दशहरा उत्सव जयसिंहपुर के सफल आयोजन को लेकर आयोजित बैठक में विशेष रूप में शिरकत की। इसमें समिति के अध्यक्ष एवं एसडीएम जयसिंहपुर संजीव ठाकुर के अध्यक्षता में राज्य स्तरीय दशहरा उत्सव को अधिक मनोरंजक तथा भव्य रूप में आयोजित करने पर विस्तृत चर्चा की गई।

गोमा ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जयसिंहपुर में दशहरा उत्सव हर्षोल्लास और जन सहभागिता से अधिक भव्यता से आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि दशहरा उत्सव जयसिंहपुर की पहचान और इसके महत्व तथा गरिमा को ओर अधिक बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दशहरा उत्सव हम सभी का उत्सव है और सभी की सहभागिता से इसे और बेहतर रूप में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उत्सव में आयोजित होने वाली सांस्कृतिक संध्याओं में लोक कलाकारों तथा स्थानीय कलाकारों को अधिक अधिक मौका दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त उन्होंने उत्सव समिति को स्थानीय महिला मंडलों, बाल कलाकारों को भी उत्सव में मंच देने के निर्देश दिए। मंत्री ने आयोजन समिति को उत्सव के दौरान बच्चों के मनोरंजन के लिये बड़े-बड़े झूले इत्यादि लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस दौरान युवाओं के लिए विभिन्न खेलों तथा महिलाओं के लिए मनोरंजक खेलों का आयोजन किया जाए।

उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय दशहरा उत्सव के दौरान जयसिंहपुर चौगान मैदान में विभिन्न विभागों की विकासात्मक प्रदर्शनियां भी लगाई जाए, ताकि लोगों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध हो सके। मंत्री यादवेंद्र गोमा ने दशहरा उत्सव समिति को निर्देश दिए कि उत्सव को अधिक आकर्षक तथा मनोरंजक बनाने के लिए सभी आपसी तालमेल से कार्य करें और उत्सव के आयोजन के लिए विभाग निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करें।

इससे पहले एसडीएम एवं उत्सव समिति के अध्यक्ष संजीव ठाकुर ने आयुष मंत्री का इस बैठक में उपस्थित होने के लिए आभार प्रकट किया। उन्होंने आश्वस्त किया कि मंत्री के निर्देशों तथा उपस्थित लोगों से प्राप्त सुझावों पर अमल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस बार दशहरा उत्सव 10 से 12 अक्तूबर तक जयसिंहपुर के ऐतिहासिक चौगान मैदान में आयोजित किया जाएगा। (अनंत ज्ञान)

बैजनाथ-पपरोला में 8 टू 8 होगी लोडिंग और अनलोडिंग

जितेंद्र कौशल, बैजनाथ

खनन माफिया और चोरों पर शिकंजा कसेंगे पुलिस और प्रशासन

बैजनाथ में अब खनन माफिया और चोरों की खैर नहीं है। पुलिस प्रशासन की बैठक में एसडीएम बैजनाथ देवी सिंह ठाकुर ने साफ कह दिया है कि अवैध खनन के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाया जाएगा। नदी-नालों के आसपास दिन के साथ-साथ रात्रि गश्त भी की जाएगी, ताकि खनन माफिया रात के समय भी इन स्रोतों से रेत बजरी न निकल पाए। उन्होंने कहा कि अगर संभव होगा तो जिन नदी-नालों में खनन हो रहा है, वहां पर जेसीबी से बड़े-बड़े गड्ढे कर दिए जाएंगे, ताकि खनन माफिया वहां पर खनन न कर सके।

डीएसपी अनिल शर्मा ने बताया कि पिछले दिन हुई चोरी की वारदातों में शामिल व्यक्तियों को पकड़ कर कानून के हवाले कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि बैजनाथ पपरोला दोनों कस्बों के अलावा गांव में भी रात्रि गश्त पुलिस द्वारा की जा रही है। डीएसपी बैजनाथ ने लोगों से भी अपील की है कि अगर कोई अनजान व्यक्ति उन्हें अपने गली मोहल्ले में घूमता दिखाई देता है तो उसकी सूचना अपने पार्षद या पुलिस को जरूर करें उन्होंने कहा कि आम जनमानस के सहयोग से ही पुलिस बढ़िया ढंग से अपने कर्तव्य का निर्वहन कर सकती है । बैठक यह भी निर्णय लिया गया की दोनों मुख्य बाजारों में लोडिंग अनलोडिंग रात 8 बजे से सुबह 8 बजे तक की संभव हो पाएगी। इससे काफी हद तक लगने वाले जाम से छुटकारा पाया जा सकेगा। बैठक में एसडीएम बैजनाथ ने कड़ा संदेश देते हुए कहा कि जो कोई रात 10 बजे के बाद डीजे या जोर से म्यूजिक सिस्टम लगाएगा, उसके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नगर पंचायत सचिव आदित्य चौहान ने बताया कि बैजनाथ-पपरोला नगर पंचायत के अधीन आने वाले क्षेत्र में चार बड़ी मास्क लाइट तथा 650 के करीब छोटी स्ट्रीट लाइट लगाई गई हैं, जहां पर किसी कारणवश लाइट नहीं पहुंची है, वहां पर सोलर लाइट लगाने की प्रपोजल बनाई गई है। उन्होंने कहा कि किसी को अगर कोई डार्क प्वाइंट नजर आता है, तो वहां पर भी लाइट लगाई जाएगी। (अनंत ज्ञान)

विद्यार्थी अपनी इच्छा के अनुसार करें विषयों का चयन : डॉ. आजाद

राकेश डोगरा, डरोह

महाराजा संसार चंद स्मारक राजकीय महाविद्यालय थुरल में विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार आजाद बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुए। डॉ. आजाद ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि महाविद्यालय में उन्हें अच्छी संगत के साथ रहना चाहिए, क्योंकि यह समय भविष्य निर्माण का समय है। उन्हें अपनी इच्छा के अनुसार विषयों का चयन करना चाहिए, जिससे कि उन्हें रोजगार ढूंढने में परेशानी न हो। इसके साथ-साथ डॉ. सुनील कुमार कटोच ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिपेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें विषयों का चयन करना चाहिए व अन्य गतिविधियों में भी भाग लेना चाहिए। पुस्तकालय का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करना चाहिए। मुख्यातिथि डॉ. अनिल कुमार आजाद व डॉ. सुनील कटोच ने बच्चों को भविष्य में आने वाली चुनौतियों के लिए मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में 180 छात्रा-छात्राओं ने भाग लिया। (अनंत ज्ञान)

एयरपोर्ट विस्तार पर आज भी होगी सुनवाई

गगल। प्रदेश उच्च न्यायालय में गग्गल हवाई अड्डे के विस्तार मामले में 21 अगस्त को को भी सुनवाई हुई। ग्रामीण संघर्ष समिति के अध्यक्ष रजनीश मोना ने बताया कि आज लगभग 40 मिनट केस की सुनवाई के बाद अब इसे 22 अगस्त को रखा गया है। प्रभावित ग्रामीणों की नजरें अब उच्च न्यायालय और मानव अधिकार पर टिकी हुई हैं। संघर्ष समिति के अध्यक्ष रजनीश मौना ने कहा है कि इलाके की जनता को अब नेताओं से विश्वास उठ चुका है तथा जनता के न्यायालय पर विश्वास है कि न्यायालय जनता के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय नहीं होने देंगे। बता दें कि कांगड़ा एयरपोर्ट के विस्तारीकरण का मुद्दा काफी दिनों से कार्ट में चल रहा है। प्रभावित लोग विस्तारीकरण के पक्ष में नजर नहीं आ रहे हैं।

विदेशों में लहराया परचम, फिर भी धर्मशाला से छिनी एथलेटिक्स गेम्स

साई में पिछले अढ़ाई साल से नहीं हुईं खेलें, तीन में से अब रह गईं दो ही गेम

पुनीत शर्मा, धर्मशाला

खेलों में अपने खिलाड़ियों को चक दे इंडिया कहकर हौसला बढ़ाने का नारा देने वाले भारत में खेलों का स्तर बढ़ाने की बजाए खेलों को ही चक दिया जा रहा है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स मुकाबलों तक जाने वाला रास्ता अब धर्मशाला से नहीं जाता। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के धर्मशाला सेंटर में एथेलेटिक्स में साल 2016 से 19 तक अर्जेंटिना, इंडोनेशिया तथा कनाडा जैसे देशों में हुए अंतरराष्ट्रीय खेल मुकाबलों में भारत का परचम लहराने के बावजूद एथलेटिक्स खेल अब धर्मशाला में नहीं हो रहे हैं। करीब अढ़ाई साल पहले तक साई धर्मशाला में एथलेटिक्स, कबड्डी तथा वॉलीबॉल की खेलें होती थीं, लेकिन यहां इन खेलों को एकाएक बंद कर दिया गया।

बता दें कि देश में पहाड़ी राज्य की खेलों में स्थिति संतोषजनक नहीं मानी जा सकती। पड़ोसी राज्य पंजाब तथा हरियाणा के खिलाड़ी जहां अंतरराष्ट्रीय खेल मुकाबलों में देश का झंडा थामे नजर आते हैं, वहीं हिमाचल के नहीं। खेलों में प्रदेश की ऐसी स्थिति होने पर भी साई के राष्ट्रीय उत्कृष्ठता केंद्र में एथलेटिक्स के प्रशिक्षण को बंद करने के फैसले से सरकार की खेल नीति पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

बताते चलें कि एथलेटिक्स धर्मशाला केंद्र की एथलीट सीमा 2018-19 में थाइलैंड में यूथ ऑलंपिक में सिल्वर मेडल तथा 2017-18 में यूथ एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी हैं। वियतनाम में हुई जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हरमिलन कौर बैंस ब्रॉन्ज जीत चुकी हैं। इसके अलावा धर्मशाला केंद्र के खिलाड़ी रशिया, अर्जेंटिना, पोलैंड तथा कनाडा में एथलेटिक्स गेम्स में भाग ले चुके हैं। (अनंत ज्ञान)

विश्व मच्छर दिवस पर धर्मशाला में फैलाई जागरूकता

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

विश्व मच्छर दिवस पर मुख्यचिकित्सा अधिकारी कार्यालय धर्मशाला में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेश गुलेरी ने की। इस दौरान जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश सूद, सीनियर मेडिकल सुपरीटेंडेंट, जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तरुण सूद और कार्यक्रम अधिकारी भी उपस्थित रहे।

इस मौके पर मुख्यचिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेश गुलेरी ने जानकारी देते हुए बताया कि विश्व मच्छर दिवस हर साल 20 अगस्त को दुनिया भर में मनाया जाता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि अपने समुदायों और खुद को उन बीमारियों से बचाना कितना महत्वपूर्ण है, जो घातक हैं और ये मच्छरों द्वारा फैलाई जाती हैं जो घरों में अक्सर पाए जाते हैं। मच्छर डेंगू बुखार, मलेरिया, चिकनगुनिया, वेस्ट नाइल, जीका, आदि कुछ सबसे घातक बीमारियां फैलाते हैं। दुनिया भर में लाखों लोग इन बीमारियों से प्रभावित होते हैं और हर साल अपनी जान गंवाते हैं।

नारा लेखन, पोस्टर मेकिंग में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश के पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन विभाग की ओर से एंटी रैगिंग सप्ताह के निमित रैगिंग और इसके दुष्प्रभाव विषय पर भाषण सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में स्कूल के अधिष्ठाता प्रो. सुमन शर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि रैगिंग जैसी अमानवीय कृत्य के लिए केन्द्रीय विश्वविद्यालय में कोई स्थान नहीं है और विश्वविद्यालय स्वच्छ शैक्षणिक माहौल बनाने में सफल हुआ है जिसमें विद्यार्थियों का सहयोग सराहनीय है। आशु भाषण में प्रथम एवं तृतीय सत्र के विद्यार्थी उपस्थित रहे और उन्होंने रैगिंग जैसे संवेदनशील विषय पर त्वरित विचार सबके समक्ष प्रस्तुत किए। सत्र के दौरान विभागाध्यक्ष प्रो. आशीष नाग, प्रो. संदीप कुलश्रेष्ठ, सह आचार्य डॉ. देवाशीष साहू, सहायक आचार्य डॉ. हरीश कुमार, डॉ. अरुण भाटिया, डॉ. सुंदरारामनव और डॉ. अमरीक सिंह उपस्थित रहे। वहीं समाज कार्य विभाग देहरा की ओर से रैगिंग के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

पौधरोपण अटल बिहारी वाजपेयी महाविद्यालय तकीपुर के परिसर में किया गया पौधरोपण

वृक्षों का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान : डॉ. गिल

आशीष दमीर, कांगड़ा

अटल बिहारी वाजपेयी राजकीय महाविद्यालय तकीपुर में ईको क्लब एवं एनएसएस इकाई के संयुक्त तत्वावधान से पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्राचार्य डॉ. आरएस गिल ने ईको क्लब एवं एनएसएस के समस्त सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि पेड़ पौधों से हमें नैतिक शिक्षा भी मिलती है कि किस प्रकार गर्मी सर्दी बरसात हिमपात सहन करता हुआ भी वृक्ष कभी धैर्य नहीं खोता।

पेड़-पौधों का हमारे दैनिक जीवन में भी महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने कहा कि जहां एक और पेड़ पौधों को संरक्षण देने के लिए सरकार कठोरता के साथ पौधरोपण को बढ़ावा दे रही है, वहीं लोगों का भी एक कर्तव्य है कि वह भी देश की उन्नति में अपना योगदान दे। यदि कहीं से एक वृक्ष काटा जाता है, तो वहां और पेड़ लगाना भी हमारा कर्तव्य बन जाता है, क्योंकि वृक्ष वायु प्रदूषण को रोकने में भी सहायक हैं। उन्होंने कहा कि हमें प्रत्येक व्यक्ति को वृक्ष लगाने के कर्तव्य के प्रति जागरूक करना होगा, इसलिए हमें वृक्षों के विकास के लिए प्रयत्तनशील होना जरूरी है।

इस अवसर पर ईको क्लब प्रभारी डॉ. अश्विनी शर्मा एवं एनएसएस इकाई के प्रभारी प्रो. लेखराज ने अपने संयुक्त वक्तव्य में कहा कि पौधरोपण एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें वृक्षों के पौधों को भूमि सुधार या भू-निर्माण के लक्ष्य के लिए रोपित किया जाता है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण अति आवश्यक है और उनकी देख-रेख की जिम्मेदारी भी हमें स्वयं को लेनी चाहिए ताकि हम सभी पर्यावरण की सुरक्षा हेतु अपनी सहभागिता सुनिश्चित करे। (अनंत ज्ञान)

भारत विकास परिषद बैजनाथ ने ग्वालटिक्कर में लगाए पौधे

अनंत ज्ञान, बैजनाथ

भारत विकास परिषद शाखा बैजनाथ पपरोला के सदस्यों एवं ग्रामवासियों द्वारा बुधवार को ग्वालटिक्कर गांव में वार्षिक पौधरोपण कार्यक्रम के अंतर्गत वन विभाग के सौजन्य से 200 पौधों को फॉरेस्ट लैंड में रोपा गया। कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष प्रीतम भारती, महा सचिव अनुज आचार्य, कोषाध्यक्ष हरीश अरोड़ा, कार्यक्रम संयोजक डीआर ठाकुर, डॉ.प्रवीण शर्मा, डॉ. अरुण उपाध्याय, डॉ. संजीव उपाध्याय, सुनील कपूर, संजय सोनी, अनिल नंदा नीटू, रिया मेहरा, विपिन भारद्वाज, अशोक आनंद, बलदेव कोड़ा, युद्धवीर राणा, ध्रुव देव, अमर सिंह राणा, रमेश चड्ढा, संतोष कुमार, प्रकाश मेहरा, शक्ति चंद राणा, जेके कटोच, नैन पंचायत प्रधान अमरजीत सिंह राणा, कंड पंचायत प्रधान, प्रधान सिंह, करतार सिंह ठाकुर, फॉरेस्ट रेंज अफसर रणजीत सिंह, वनरक्षक रिशु चौधरी, सुनील कुमार, मुल्खराज शर्मा, करतार सिंह ठाकुर, राकेश कुलेठी और विनोद आदि ने भाग लिया।

न्यूज ब्रीफ

हमीरपुर में मार्केटिंग मैनेजर के साक्षात्कार कल

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, गांधी चौक हमीरपुर में मार्केटिंग डेवलपमेंट मैनेजर के 5 पदों को भरने के लिए 23 अगस्त को सुबह साढ़े 10 बजे जिला रोजगार कार्यालय हमीरपुर में साक्षात्कार लिए जाएंगे। जिला रोजगार अधिकारी सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि चयनित उम्मीदवारों को प्रतिमाह 20,833 रुपए से लेकर 50 हजार रुपए तक वेतन दिया जाएगा। अभ्यर्थी की आयु 18 से 45 वर्ष के बीच तथा न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता स्नातक पास होनी चाहिए। भूतपूर्व सैनिक भी साक्षात्कार में भाग ले सकते हैं। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि अगर कोई युवा उपरोक्त योग्यता रखता है और उसका नाम किसी भी रोजगार कार्यालय में पंजीकृत है तो वह अपने मूल प्रमाणों तथा हिमाचली प्रमाण पत्र के साथ साक्षात्कार में भाग ले सकता है। भर्ती के संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार कार्यालय के दूरभाष नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

चकमोह में मनाया 'संस्कृत सप्ताह महोत्सव'

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर। विश्वनाथ संस्कृत महाविद्यालय चकमोह में बुधवार को 'संस्कृत सप्ताह महोत्सव' मनाया गया, जिसकी अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नरेश कुमार ठाकुर ने की। पीटीए प्रधान मान सिंह भी उपस्थित रहे। डॉ. मनोज कुमार ने सभी का स्वागत किया तथा वैदिक परंपरा के अनुसार दीप प्रज्ज्वलित किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इसमें संस्कृत भाषण, संस्कृत गीत, गीतिका श्लोक को उच्चारण मंत्र, उच्चारण गीता पाठ, संस्कृत भाषण, हास्य गणिका इत्यादि प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य के उद्बोधन से कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में वीरेंद्र शर्मा, राकेश कुमार, कल्पना ठाकुर, विक्रम सिंह ठाकुर, डॉ. जगदीश, सुमना देवी, डॉ. कमलेश शर्मा तथा पवन कुमार उपस्थित रहे। अंत में सभा का विसर्जन शांति मंत्र से किया गया।

चुराह के विधायक हंसराज का जलाया पुतला

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर में एनएसयूआई इकाई द्वारा बीते कुछ दिनों में महिलाओं के साथ बढ़ते दुष्कर्म व गलत मानसिकता के खिलाफ चंबा के चुराह विधानसभा क्षेत्र के विधायक हंसराज का पुतला जलाया और उसका जमकर विरोध-प्रदर्शन भी किया गया। छात्रों ने कॉलेज गेट पर चुराह के विधायक हंसराज के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। उन्होंने कहा कि इंसानियत को बचाने के लिए मानसिकता परिवर्तन समाज में बहुत जरूरी बन चुका है और महिलाओं के सम्मान के लिए हमें एकजुट होकर समाज से गलत मानसिकता को जल्द समाप्त करना होगा। इस मौके पर समस्त एनएसयूआई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छात्रों को दी छात्रवृत्ति योजनाओं की जानकारी

बड़सर। राजकीय महाविद्यालय बड़सर में छात्रवृत्ति समिति द्वारा छात्रों के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। समिति के संयोजक डॉ. विजय ठाकुर ने सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के बारे में छात्रों को जानकारी दी। वहीं, कालेज प्राचार्य ने भी बच्चों को जीवन में आगे बढ़ते हुए सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर समिति के सदस्य प्रो. मस्तराम, प्रो. मनदीप प्रो. शिवम, कॉलेज स्टाफ सदस्य व छात्र मौजूद रहे।

वरिष्ठ नागरिकों को बताईं नालसा की योजनाएं

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। वरिष्ठ नागरिक दिवस के उपलक्ष्य पर जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण ने हमीरपुर के वरिष्ठ नागरिक सुविधा केंद्र एवं वृद्धाश्रम में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया। शिविर की अध्यक्षता करते हुए प्राधिकरण के सचिव असलम बेग ने वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित विभिन्न अधिनियमों और आम लोगों को न्याय सुलभ बनाने के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवाएं प्राधिकरण (नालसा) द्वारा आरंभ की गई विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की। उन्होंने मुफ्त कानूनी सहायता योजना, मध्यस्थता योजना और राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में भी वरिष्ठ नागरिकों को अवगत करवाया। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिक सुविधा केंद्र के संचालक और कर्मचारी उपस्थित थे।

विज्ञान ज्योति गर्ल्स ने किया एनआईटी का दौरा

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। विज्ञान ज्योति योजना में पंजीकृत छात्राओं ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) हमीरपुर का दौरा किया। जवाहर नवोदय विद्यालय डूंगरी में जीव विज्ञान की पीजीटी एवं विज्ञान ज्योति की शिक्षक समन्वयक अंजना कुमारी और इसी विद्यालय के अंग्रेजी के पीजीटी अश्वनी कुमार के साथ पहुंचे, लगभग 95 छात्राओं के इस दल में नवोदय विद्यालय के साथ-साथ राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भोरंज, पट्टा और खरवाड़ की छात्राएं भी शामिल रहीं। इन छात्राओं ने एनआईटी हमीरपुर के गणित विभाग, भौतिकी विभाग, मैकेनिकल विभाग, पुस्तकालय और छात्र गतिविधि कॉर्नर का दौरा किया। उन्होंने मैकेनिकल विभाग में फन विद फिजिक्स और टेलीस्कोप के माध्यम से सूर्य का अवलोकन किया। इस दौरान एनआईटी के गणित विभाग के प्रो. एवं विज्ञान ज्योति कार्यक्रम के नोडल शिक्षक पवन शर्मा ने छात्राओं को जीवन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रेरित किया और कॅरियर मार्गदर्शन भी प्रदान किया। भौतिकी विभाग के प्रो. अरविंद कुमार ने भी महत्वपूर्ण जानकारी दी।

बेरोजगार युवतियों को आभूषण बनाने की ट्रेनिंग शुरू

अनंत ज्ञान, गलोड़। पंजाब नेशनल बैंक के सौजन्य से ग्राम पंचायत सरेड़ी के सभा हाल में 13 दिवसीय आभूषण उद्यमी प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। इस शिविर का उद्घाटन पंजाब नेशनल बैंक के स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक अजय कुमार कतना ने किया। इस प्रशिक्षण शिविर में पंचायत की सभी इच्छुक बेरोजगार युवतियों को स्वरोजगार की ओर अग्रसर करने के लिए उन्हें नए-नए डिजाइन के आभूषण बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण शिविर के उपरांत इच्छुक महिलाओं को स्वरोजगार आरंभ करने के लिए बैंकों से लोन देने में भी मदद की जाती है। स्थानीय पंचायत प्रधान राजेश कुमार शर्मा ने महिलाओं को अधिक से अधिक संख्या में इस प्रशिक्षण को प्राप्त करने की अपील की। उन्होंने कहा कि भविष्य में महिलाओं को बैग बनाने, कटिंग टेलरिंग, मोमबत्ती बनाना, पेपर बैग मशरूम उत्पादन सॉफ्ट टॉय मेकिंग आदि का भी प्रशिक्षण प्रदान करें। निदेशक अजय कुमार कतना ने कहा कि आज गांव की महिलाएं इस तरह का प्रशिक्षण लेकर न सिर्फ खुद आत्मनिर्भर बन रही हैं बल्कि दूसरों को भी रोजगार प्रदान कर लाखों रुपए कमा रही हैं। इस कैंप में 30 के करीब महिलाओं ने हिस्सा लिया

हमीरपुर जिले के सरकारी स्कूलों में बाल पौष्टिक आहार योजना का हुआ श्रीगणेश

सरकारी स्कूलों में मिड-डे मील के साथ विद्यार्थियों को दिया अंडा और फल

अनिल कुमार, हमीरपुर

सरकारी स्कूलों में बच्चों के पोषण को लेकर गत 18 अगस्त को हमीरपुर में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा बाल पौष्टिक आहार योजना का शुभारंभ किया गया था। इस योजना का बुधवार से हमीरपुर के सरकारी स्कूलों में श्रीगणेश कर दिया गया है।

इस योजना के तहत प्रत्येक सप्ताह के बुधवार को एक उबला हुआ अंडा या फल दिए जाएंगे। मिड-डे मील के साथ 7 रुपए बाल पौष्टिक आहार योजना के तहत खर्च किए जाएंगे। बुधवार को कई सरकारी स्कूलों में मिड-डे मील के साथ एक-एक अंडा और जो अंडा नहीं खाते, उन्हें फल दिए गए। हालांकि अभी तक प्रदेश के सभी स्कूलों में इस योजना का शुभारंभ नहीं किया है। इसका मुख्य कारण इस योजना की अधिसूचना जारी न होना है।

अधिसूचना जारी होने के बाद प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों में इस योजना को शुरू कर दिया जाएगा। बता दें कि मुख्यमंत्री ने सरकारी स्कूलों के बच्चों को

बच्चों को मिड-डे मील के साथ उबला हुआ अंडा देते मिड-डे मील वर्कर।

पौष्टिक आहार उपलब्ध करवाने के लिए तैयार की गई अभिनव योजना मुख्यमंत्री बाल पौष्टिक आहार योजना के लिए 12.75 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बजट आवंटित किया है। यह योजना मौजूदा मिड-डे-मील की पूरक होगी और राज्य के 15,181 स्कूलों के नर्सरी से आठवीं कक्षा तक के बच्चों को लाभ मिलेगा। वर्तमान में राज्य में 5,34,293 बच्चे मिड-डे-मील योजना से लाभान्वित हो रहे हैं।

इस योजना के आरंभ होने से बच्चों को अब अतिरिक्त पौष्टिक आहार मिलेगा। गौर रहे कि प्रदेश सरकार बच्चों के पोषण के साथ शिक्षा में गुणवत्ता बढ़ाने के लिए हर कदम उठा रही है जिससे सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को बेहतर शिक्षा मिले। इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा विभाग 7 हजार पदों को भरने जा रहा है, जिसमें 2300 पद भरे जा चुके हैं। इसके अलावा, जिन स्कूलों में शिक्षकों की कमी है, उन स्कूलों में अतिरिक्त स्टाफ भी तैनात किया जा रहा है। इसी के साथ पांच से कम विद्यार्थियों को निकटवर्ती स्कूलों में मर्ज किया जा रहा है और संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए लक्ष्य निर्धारित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने योजना के शुभारंभ पर कहा था कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने के लिए धन की कमी को आड़े नहीं आने दिया जाएगा।

इस बारे में प्रारंभिक शिक्षा उपनिदेशक अशोक कुमार ने बताया कि कुछ स्कूलों ने बाल पौष्टिक आहार योजना में किए गए प्रावधान के अनुसार आहार देना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि कई स्कूलों में अभी इस योजना को शुरू नहीं किया गया है, जिसे अधिसूचना जारी होने के बाद शुरू कर दिया जाएगा। (अनंत ज्ञान)

सहकारी सभा पंधेड़ के पूर्व सचिव की भूमि की नीलामी 24 सितंबर को

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। दी पंधेड़ कृषि सहकारी सभा सीमित में हुए गबन के दोषी पूर्व सचिव की अचल भूमि की नीलामी 24 सितंबर को प्रात: 11 बजे सभा के प्रांगण में निर्धारित की गई है। सहकारी सभाओं की समाहर्ता एवं सहायक पंजीयक वीना भाटिया ने बताया कि कि सहकारिता विभाग द्वारा की गई जांच में पूर्व सचिव को दोषी पाया गया है तथा उसकी अचल संपत्ति को कुर्क किया गया है। कुर्क की गई अचल संपत्ति को नीलाम करने के लिए मंडलीय आयुक्त मंडी की अनुमति प्राप्त होने पर समाहर्ता एवं सहायक पंजीयक सहकारी सभाएं जिला हमीरपुर ने पूर्व सचिव को 30 दिन का समय दिया था। इस अवधि में वसूली न होने पर पूर्व सचिव की भूमि को नीलाम करने का निर्णय लिया गया है।

समाहर्ता एवं सहायक पंजीयक ने बताया कि भूमि की नीलामी की कार्रवाई 23 सितंबर 2022 को की गई थी। इसमें मौके पर उपस्थित सदस्यों और बोलीदारों ने नीलाम की जाने वाली भूमि की शिनाख्त करने हेतु अतिरिक्त समय दिए जाने की बात कही थी। समाहर्ता एवं सहायक पंजीयक ने बोली में भाग लेने के इच्छुक लोगों से अनुरोध किया है कि वे दी पंधेड़ कृषि सहकारी सभा सीमित के वर्तमान सचिव या प्रधान से कुर्क भूमि की जानकारी प्राप्त करके इसका मुआयना भी कर सकते हैं। वीना भाटिया ने बताया कि जिला हमीरपुर की अन्य सहकारी सभाओं के ऋण दोषियों की भूमि की नीलामी प्रक्रिया भी जल्द शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि सहकारिता विभाग किसी प्रकार का कोई भी ऋण माफ नहीं करता है, इसलिए सहकारी सभाओं से ऋण लेने वाले लोग इसकी वापसी सुनिश्चित करें।

हैप्स हीरानगर में सजी युवा संसद, नोक-झोंक

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

हिम अकादमी पब्लिक स्कूल हीरानगर हमीरपुर में युवा संसद का आयोजन करवाया गया। इसमें आठवीं कक्षा के छात्रों ने सांसद के रूप में भाग लिया। सेजल, ओमल, अराध्या, आभव, लहर, शिवांगी, कृतिका, सुहानी व अलीशा ने मंत्री पदों को गौरवान्वित किया।

सान्वी राणा लोकसभा अध्यक्ष, श्रीसरीन प्रधानमंत्री, अनवी जनरल सेक्रेटरी व अभिमन्यु मार्शल पद पर आसीन रहे। अक्ष, दक्ष, अहाना, श्रेया, आरव, सृष्टि, तनुप्रिया, कनीशा, लक्षित, अक्षिता, प्रतीक, अनिरुद्ध,

युवा संसद में विभिन्न मुद्दों पर हुई तीखी नोक-झोंक ।

ओमल, आरूष, सुनिति, सुभांगी व दिव्यांशी ने विपक्ष की भूमिका अदा की। नवीकरणीय एनर्जी स्रोत, अनाज की गुणवत्ता, पर्यटन से विदेशी मुद्रा में बढ़ोतरी, क्रप्सन व यूथ में बढ़ते नशे का प्रचलन पर संसद में तीखी नोक-झोंक चली। कार्यक्रम समन्वय रीता परमार रहीं। अकादमिक प्राचार्या डॉ. हिमांशु शर्मा, कार्यवाहक प्राचार्या डॉ. नीता सिंह व समन्वयक पूजा शर्मा ने भी कार्यक्रम में अपनी विशेष उपस्थिति बनाए रखी।

बड़सर में टैक्सी ऑपरेटर पर बेसहारा बैल ने किया हमला

बड़सर। उपमंडल बड़सर के मुख्य कस्बा में बेसहारा पशुओं का आंतक बढ़ता जा रहा है। आए दिन बेसहारा पशु लोगों को घायल कर हैं। बुधवार को भी एक टैक्सी चालक पर लावारिस बैल ने हमला कर दिया। टैक्सी चालक विपिन कुमार ने बताया कि वह सुबह 10 बजे के करीब अपनी टैक्सी के पास खड़ा था, इतने में पीछे से बेसहारा पशु ने उस पर हमला कर दिया और उसको झाड़ियां में फेंक दिया। गनीमत रही कि साथ में अन्य टैक्सी ऑपरेटर भी खड़े थे जिन्होंने इस बैल को वहां से खदेड़ा और उसकी जान बचाई। उसके बाद टैक्सी ऑपरेटर को अस्पताल ले गए, जहां पर प्राथमिक उपचार करवाया। इस संदर्भ में कार्यकारी एसडीएम बड़सर धर्मपाल नेगी ने बताया था कि इस बारे में जल्द ही कदम उठाए जाएंगे और इन बेसहारा पशुओं को वहां भेजा जाएगा, जहां पर उनके लिए पुख्ता इंतजाम हों।

नादौन में 24 को नहीं होंगे ड्राइविंग टेस्ट और वाहनों की पासिंग

अनंत ज्ञान, नादौन। नादौन में 24 अगस्त को प्रस्तावित ड्राइविंग टेस्ट और वाहनों की पासिंग प्रशासनिक कारणों से स्थगित कर दी गई है। एसडीएम अपराजिता चंदेल ने बताया कि ड्राइविंग टेस्ट और वाहनों की पासिंग के लिए नई तिथि की घोषणा जल्द ही कर दी जाएगी।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला की छात्रा का मेरिट में आठवां स्थान

अनंत ज्ञान, जाह्। राजकीय माध्यमिक पाठशाला बाहन्वी की छात्रा संचिता शर्मा पुत्री सतीश कुमार गांव कल्याल ने दसवीं की कक्षा की मेरिट में आठवां स्थान प्राप्त किया। विषयों में पुनर्मूल्यांकन भरने के वाद संचिता शर्मा ने मेरिट में आठवां स्थान प्राप्त करने पर स्कूल में खुशी का माहौल है। सिंचता शर्मा ने 692 अंक लेकर टॉप टेन में स्थान प्राप्त किया है। संचिता शर्मा ने मेरिट में स्थान हासिल करने का श्रेय अपने अध्यापकों व माता-पिता को दिया। स्कूल के प्रधानाचार्य प्रवोध ठाकुर ने संचिता शर्मा के द्वारा मेरिट में स्थान प्राप्त करने पर बधाई दी। ।

करियर प्वाइंट विवि की छात्राओं ने जानी एआई ट्रेंड टूल्स की तकनीक

हमीरपुर। करियर प्वाइंट विश्वविद्यालय के बॉटनी विभाग की दो छात्राओं ने छह दिवसीय फैकल्टी विकास कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ. प्रियंका ने बताया कि यह कार्यक्रम एसीटीई प्रशिक्षण और शिक्षण संस्थान द्वारा हमीरपुर गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक में आयोजित किया गया था।

इसमें विभाग की दो छात्राओं श्वेता पुन्याल व अंकिता ने भाग लिया। यह कार्यक्रम एआई ट्रेंड टूल्स और तकनीकों में उन्नति विषय पर था। इस कार्यक्रम में विभिन्न मुख्य अतिथियों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, टूल्स व तकनीक पर अपने विचार साझा किए।

विभाग और व्यापारियों का तालमेल होना जरूरी : वरुण

रवि ठाकुर, हमीरपुर

राज्य कर एवं आबकारी विभाग हमीरपुर द्वारा लगातार दूसरे दिन अणु के एक निजी होटल में करदाता संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता उपायुक्त राज्य कर एवं आबकारी विभाग वरुण कटोच ने की। इसमें हमीरपुर, सुजानपुर और बड़सर के व्यापारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। वरुण कटोच ने व्यापारियों एवं दुकानदारों को विभाग द्वारा जारी विभाग के पोर्टल की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि विभाग का हमेशा प्रयास रहता है कि व्यापारियों को टेक्स भरने में सुगमता महसूस हो, यदि फिर भी किसी भी दुकानदार या व्यापारी को कोई भी समस्या इस संबंध में आती है, तो विभाग हमेशा उनके सहयोग के लिए

राज्य कर एवं आबकारी विभाग हमीरपुर के कार्यक्रम में मौजूद गणमान्य।

उपलब्ध है। उन्होंने इस दौरान व्यापारियों की समस्याओं का भी समाधान बताया। कटोच ने कहा कि विभाग और व्यापारी वर्ग दोनों का आपसी सहयोग और तालमेल बहुत आवश्यक है।

वहीं, दूसरी ओर व्यापारियों ने सुझाव दिया कि पंजीकरण हेतु 40 लाख रुपए फ्रेश होल्ड सीमा को कम करना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बेशक विभाग जीएसटी को बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक कर दे, परंतु एक ही बार एक मुश्त कर वसूला जाना चाहिए। इसके साथ ही ई वे बिल या चालान की छूट 5 किलोमीटर के दायरे तक दी जाए क्योंकि अधिकतर व्यापारियों के गोदाम मुख्य बाजारों से कम से कम 5 किलोमीटर के दायरे में होते हैं। इस दौरान सहायक राज्य कर एवं आबकारी अधिकारी दिव्या सैनी ने नए पोर्टल की प्रेजेंटेशन दी। इस अवसर पर व्यापार मंडल हमीरपुर के प्रधान अनिल सोनी सहित करीब 100 व्यापारी उपस्थित थे। (अनंत ज्ञान)

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला की छात्रा का मेरिट में आठवां स्थान

अनंत ज्ञान, जाह्। राजकीय माध्यमिक पाठशाला बाहन्वी की छात्रा संचिता शर्मा पुत्री सतीश कुमार गांव कल्याल ने दसवीं की कक्षा की मेरिट में आठवां स्थान प्राप्त किया। विषयों में पुनर्मूल्यांकन भरने के वाद संचिता शर्मा ने मेरिट में आठवां स्थान प्राप्त करने पर स्कूल में खुशी का माहौल है। सिंचता शर्मा ने 692 अंक लेकर टॉप टेन में स्थान प्राप्त किया है। संचिता शर्मा ने मेरिट में स्थान हासिल करने का श्रेय अपने अध्यापकों व माता-पिता को दिया। स्कूल के प्रधानाचार्य प्रवोध ठाकुर ने संचिता शर्मा के द्वारा मेरिट में स्थान प्राप्त करने पर बधाई दी। ।

नवोदय चयन परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन 16 सितंबर तक

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। जवाहर नवोदय विद्यालय डूंगरी में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में छठी कक्षा में प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा शनिवार 18 जनवरी 2025 को आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा के लिए पात्र एवं इच्छुक विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 16 सितंबर निर्धारित की गई है। एडीएम राहुल चौहान ने प्रारंभिक शिक्षा विभाग के उपनिदेशक और जिला के सभी सरकारी एवं गैर सरकारी स्कूलों के मुख्य अध्यापकों एवं प्रधानाचार्यों को नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा के लिए अपने-अपने संस्थानों के अधिक से अधिक विद्यार्थियों का पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। नवोदय विद्यालय के प्राचार्य विक्रम कुमार ने बताया कि परीक्षा से संबंधित नियमों एवं पात्रता की शर्तों की जानकारी नवोदय की वेबसाइट नवोदय.जीओवी.इन पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 के दौरान हमीरपुर जिले के किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान में पांचवीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं। विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों की सुविधा के लिए विद्यालय में हेल्प डेस्क भी स्थापित किया गया है। यदि किसी विद्यार्थी या उसके अभिभावक को ऑनलाइन आवेदन में कोई समस्या आ रही है तो वे मोबाइल नंबर 82194-82550 और 89540-39120 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा किसी भी कार्य दिवस को जवाहर नवोदय विद्यालय डूंगरी में अपने सभी प्रमाण पत्रों और आधार लिंक्ड मोबाइल नंबर के साथ आकर ऑनलाइन पंजीकरण करवा सकते हैं।

सुक्खू संवेदनहीन सरकार के मुखिया : राजेंद्र राणा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर

सुजानपुर के पूर्व विधायक राजेंद्र राणा ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू संवेदनहीन सरकार के मुखिया हैं। इस सरकार में कोई भी पॉलिटिकल आदमी सेफ नहीं है। गारंटियां कांग्रेस की ढकोसला साबित हुई हैं। अब हालत यह हो गए हैं कि यह सरकार बहुत जल्दी अपने ही बोझ तले 'धड़ाम' हो जाएगी।

बुधवार को हमीरपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राणा ने कहा कि महिलाओं को 1500 रुपए मासिक देने की गारंटी हो या फिर 300 यूनिट फ्री बिजली का मामला, प्रदेश की जनता को भारी निराशा का सामना

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते राजेंद्र राणा।

करना पड़ा है। उपचुनावों में कांग्रेस के नेताओं ने झूठ बोला, अब सच्चाई सामने आ गई।

मुख्यमंत्री का पिछले दिनों हमीरपुर का दौरा निराशाजनक रहा है। प्रोटोकॉल के हिसाब से वे जनता से भी नहीं मिल पाए। दिन में ही आराम फरमा रहे थे। न तो आम जनता से मिल रहे हैं, न ही पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से। वह चंडीगढ़ जब जाते हैं तो हिमाचल भवन में वह क्यों नहीं ठहरते, जांच का विषय है। पर्दे के पीछे कुछ और हो रहा है। नादौन में जमीन की खरीद का मामला गंभीर है। इस घोटाले की भी जांच होनी चाहिए।

कर्मचारी एरियर और महंगाई भत्ते की किस्तों को देख रहे हैं लेकिन मुख्यमंत्री कह रहे 6 महीने तक शांत रहो। उसके बाद हालात अच्छे होंगे, सब झूठ बोल रहे हैं। एचआरटीसी में पुलिस कर्मचारियों का सफर बंद कर दिया। महिलाओं का बंद होने वाला है। कांग्रेस की 10 गारंटियां ढकोसला साबित हुई हैं। कॉन्फ्रेंस में हमीरपुर के विधायक आशीष शर्मा, पूर्व जिला

संगठन में फेरबदल की जरूरत नहीं

सुजानपुर में भितरघात को लेकर उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के बूते ही हम जीते हैं। हो सकता है इस बार कोई कमी रही होगी, इसलिए जीत नहीं पाए, लेकिन एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि संगठन में फेरबदल की जरूरत नहीं है। पहली सितंबर से तो पार्टी के संगठनात्मक ढांचे के चुनावों का दौर शुरू होने वाला है, सब ठीक होगा।

अध्यक्ष अनिल ठाकुर पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रकाश ठाकुर और जिला मीडिया प्रभारी अकुश दत्त शर्मा भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री का हमीरपुर दौरा रहा कामयाब राजेंद्र राणा बौखला गए हैं : नरेश ठाकुर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर। जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नरेश ठाकुर ने कहा है कि मुख्यमंत्री का तीन दिवसीय हमीरपुर दौरा बेहद सफल रहा है। 300 करोड़ के विकास कार्य इस दौरे के दौरान शुरू हुए हैं, लेकिन लगता है सुजानपुर के पूर्व विधायक राजेंद्र राणा को मुख्यमंत्री के कामों से नफरत हो गई है। वह हर लिहाज से बौखला चुके हैं। मुख्यमंत्री ने हमीरपुर की जनता की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही उनका निपटारा किया। आज जो भाजपा के नेता प्रदेश को कर्ज में डूबाने वाली बातें कर रहे हैं, इन विकट आर्थिक परिस्थितियों के लिए पूर्व में भाजपा की जयराम सरकार जिम्मेदार है। सुजानपुर की जनता ने राणा को पूरी तरह से नकार दिया है। अब उनके पास करने के लिए कुछ नहीं बचा है और भाजपा में उनकी दयनीय स्थिति बनी हुई है। तभी वह इस तरह की निंदनीय टिप्पणियां कर रहे हैं। सुखविंदर सिंह सुक्खू प्रदेश के अंदर या बाहर कहां ठहरेंगे, यह भाजपा के नेता नहीं तय करेंगे।

गुड न्यूज मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के हमीरपुर जिले से होने से 'अभी नहीं तो कभी नहीं' कांग्रेस नेताओं की जुबान पर

हमीरपुर में जिला कांग्रेस का बनेगा अपना भवन, उधार के कमरे में बैठकें करने को मजबूर

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर

राजनीति के लिहाज से हमीरपुर जिला अब कांग्रेस के लिए काफी महत्वपूर्ण हो गया है, लेकिन असल विडंबना यह है कि जिला कांग्रेस का यहां कोई अपना भवन ही नहीं है।

कई दशक बीत गए, उधार के कमरों में इधर-उधर जिला कांग्रेस के संगठन की बैठकें आयोजित होती हैं, लेकिन पुख्ता तौर पर कांग्रेस ने कभी भी अपना भवन तैयार करने की सोच क्यों नहीं भिड़ाई, इस पर कई सवाल हैं? अब क्योंकि यह मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का गृह जिला है, इसलिए यहां कांग्रेसियों को उम्मीदें बहुत हैं। कांग्रेस के लोग यही पूछ रहे हैं कि क्या इस बार अपना भवन बनाने की प्रक्रिया सिरे चढ़ पाएगी क्या?

हमीरपुर जिला में कई अध्यक्ष आए और गए। प्रदेश में पिछले लगातार 6 टर्म दिवंगत वीरभद्र सिंह ही मुख्यमंत्री रहे। शायद इसलिए भी हमीरपुर में भवन बनाने में किसी ने दिलचस्पी न ली हो, लेकिन संगठन की तरफ से यदि कारगर कदम उठाए गए होते, तो ऐसा भी नहीं है कि कोई मुख्यमंत्री इसके लिए मनाही करेगा। अब क्योंकि कांग्रेस की राजनीति में सत्ता की परिस्थितियां बदल चुकी हैं। इसका केंद्र बिंदु हमीरपुर में है। मुख्यमंत्री ही यदि हमीरपुर जिला से ताल्लुक रखते हों, तो फिर जिला कांग्रेस का अपना भवन क्यों न हो, ऐसा कैसे हो सकता है? जरूर मशक्कत और दिलचस्पी लेने की बात है। इसीलिए कहा जा रहा है कि अभी नहीं तो कभी नहीं यही कांग्रेस के नेताओं की जुबान पर चल रहा है। (अनंत ज्ञान)

सत्ता का असर भी दिखना चाहिए

पांच विधानसभा क्षेत्र वाले इस जिले में तीन सिम कांग्रेस के पास हैं और दो भाजपा के पास उपचुनावों में यहां इस बार खूब उलट-फेर भी हुआ, लेकिन जो भी हुआ हो, कांग्रेस के लिए फिलहाल गुदगुदाने वाली स्थिति तो है ही। मगर इसे प्रभावशाली बनाने के लिए उसके कर्ताधर्ताओं को अपना प्रभाव सही समय पर अब दिखाने का मौका है। तभी जिला में कांग्रेस के लिए कुछ नया हो पाएगा। नहीं तो सत्ता के आने और जाने का यह सिलसिला यूं ही जारी रहेगा।

> मेरा लक्ष्य अब यही है कि यहां पार्टी का कार्यालय हर हाल में बन कर तैयार हो। इसके लिए प्रयास शुरू कर दिए गए हैं, जिसको जल्द ही अमलीजामा पहनाया जाएगा।
>
> -सुमन भारती, जिला कांग्रेस के अध्यक्ष

भाजपा जिले में बना रही बड़ा कार्यालय

हमीरपुर जिले में भाजपा ऐसा कार्यालय बना रही है जिसमें सभी तरह की सुख-सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसका ढांचा लगभग तैयार हो गया है। मट्टन सिद्ध के पास बाईपास रोड पर इसका निर्माण चल रहा है। 2025 में यह कार्यालय शुरू हो जाएगा, ऐसी भाजपाइयों को उम्मीद है।

सत्ता से जुड़े हुए कांग्रेस के लोगों को इसी वजह से अपने मुख्यमंत्री से भी उम्मीदें हैं कि जब बीजेपी इतना बड़ा कार्यालय बना सकती है, तो इस बार प्रदेश में सत्ता तो कांग्रेस की है और यदि अपने जिला का मुख्यमंत्री होने के बावजूद भी इस पर काम नहीं हो पाया, तो फिर कांग्रेस को यह चीज बार-बार कचोटती रहेगी।

न्यूज ब्रीफ

नोडल अधिकारियों को किया वर्चुअली प्रशिक्षित

अनंत ज्ञान, चंबा। निर्वाचन विभाग जिला चंबा द्वारा जिला के सभी 631 मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन 21 से 31 अगस्त तक किया जा रहा है। इस प्रक्रिया के लिए नियुक्त जिला के सभी सेक्टर तथा नोडल अधिकारियों के लिए गूगल मीट द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजित किया गया। जिसमें मतदान केंद्रों से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं बारे विस्तृत जानकारी दी गई। यह जानकारी तहसीलदार निर्वाचन अनूप डोगरा ने दी। उन्होंने बताया कि इस भौतिक सत्यापन प्रक्रिया में विभिन्न बूथों से संबंधित बूथ लेवल अधिकारी भी साथ रहेंगे। भौतिक सत्यापन के पश्चात मतदान केंद्रों की सूची का प्रारूप प्रकाशन 2 सितंबर को किया जाएगा।

भूतपूर्व सैनिकों के लिए चिकित्सा शिविर 23 को

अनंत ज्ञान, चंबा। सैनिक विश्राम गृह चंबा में 23 अगस्त को भूतपूर्व सैनिकों के लिए एक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी कैप्टन अनुमेहा पाराशर (सेवानिवृत्त) उपनिदेशक जिला सैनिक कल्याण कार्यालय चंबा द्वारा दी गई है। उन्होंने बताया कि भूतपूर्व सैनिकों, दिवंगत सैनिकों के परिवारों और वीर नारियों के स्वास्थ्य जांच के लिए सैनिक विश्राम गृह चंबा में 23 अगस्त को यह चिकित्सा जांच शिविर स्टेशन हैडक्वाटर ईसीएचएस द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

ब्लॉक कांग्रेस ने भाजपा विधायक के खिलाफ खोला मोर्चा

आजम डार, चंबा। चुराह विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक हंसराज द्वारा महिला से छेड़खानी के आरोप को लेकर चुराह कांग्रेस ने विधायक के खिलाफ जोरदार धरना प्रदर्शन किया और उन पर तुरंत कार्रवाई की मांग की। इस मौके पर चुराह के भारी संख्या में महिलाओं युवाओं व तमाम नेताओं ने भाग लिया। आरोपों के घेरे में हंसराज इन दिनों काफी सुर्खियों बटोर रहे हैं। 9 अगस्त को महिला थाना चंबा में भाजपा विधायक हंसराज के खिलाफ एक युवती द्वारा अश्लील चैट करने का आरोप लगाया गया। और यह मामला महिला थाना चंबा में दर्ज किया गया। इसी को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चुराह द्वारा भंजराडू बस स्टैंड से उपमंडल नागरिक अधिकारी कार्यालय तीसा तक सड़कों पर रोष रैली निकाली गई। और विरोध प्रदर्शन किया गया इस मौके पर कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा हंसराज के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। वहीं हिमाचल सरकार व पुलिस से मांग की गई की कि इस मामले को गंभीरता से लें और उचित कार्रवाई करें। (अनंत ज्ञान)

जातर मेले की तैयारियों को लेकर हुई बैठक

अनंत ज्ञान, छतराड़ी। ऐतिहासिक माता शिव शक्ति जातर मेला छतराड़ी की तैयारियों को लेकर एक बैठक का आयोजन माता शिव शक्ति प्रांगण छतराड़ी में किया गया। इसमें मेला कमेटी के अध्यक्ष तहसीलदार धरवाला विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक में 12 तारीख से शुरू होने वाले जिला स्तरीय ऐतिहासिक मेले के सफल आयोजन को लेकर रूपरेखा बनाई गई तथा मेले में बतौर कलाकार किसे बुलाया जाएगा, साथ ही मुख्यातिथि के ऊपर भी विचार-विमर्श किया गया। प्रधान मंहदो राम ने कहा है कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ऐतिहासिक जिला स्तरीय माता शिव शक्ति जातर मेला 12 सितंबर से 15 सितंबर तक चलेगा। इस मेले के दौरान जहां दिन में वॉलीबॉल प्रतियोगिता तथा रात को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी किया जाएगा। इस बार की सांस्कृतिक संध्या में प्रदेश के नामी की नामी कलाकार मेले में शिरकत कर सकते हैं।

सुन्नी बांध परियोजना स्थल पर ग्रामीणों का प्रदर्शन जारी

महेंद्र कुमार, सुन्नी। सुन्नी बांध परियोजना खैरा में परियोजना प्रबंधन के खिलाफ प्रभावित पंचायतों के प्रतिनिधियों तथा स्थानीय लोगों का धरना प्रदर्शन लगातार जारी है। प्रभावित पंचायतों के प्रतिनिधियों व स्थानीय लोगो के आव्हान पर प्रोजेक्ट का कार्य पूर्णतया बन्द है । बतावदें की 19 अगस्त जिला उपायुक्त शिमला ने प्रोजेक्ट प्रभावित पंचायत प्रतिनिधियों, परियोजना प्रबंधन अधिकारियों व प्रोजेक्ट निर्माणाधीन कंपनी रित्विक के अधिकारियों से मांगो को लेकर शिमला में बैठक बुलाई और मांगों को लेकर विस्तृत चर्चा भी की थी, जो प्रभावित लोगों की मांगो को उपायुक्त महोदय द्वारा सुना गया तथा समस्यायों का समाधान करने हेतु उप जिला अधिकारी शिमला को नियुक्त किया गया था तथा 20 अगस्त को मंडी जिला के प्रभावित पंचायत प्रतिनिधियों से एसडीएम करसोग ने मांगो को लेकर परियोजना प्रबंधन अधिकारियों व निर्माणाधीन कंपनी रित्विक के अधिकारियों की उपस्थिति में बैठक की जो बैठक पर मांगो को लेकर चर्चा करने पर कोई भी सार्थक परिणाम नही निकल पाया । मांगो की अनदेखी को लेकर धरना प्रदर्शन को मांगे न मानने तक जारी रखने का निर्णय लिया। शिमला ग्रामीण के साथ लगती करसोग की प्रभावित पंचायतों के प्रतिनिधियों ने तत्तापानी बिंदला परलोग सड़क के निर्माण कार्य की फॉरेस्ट क्लीयरेंस व अन्य औपचारिकता पूर्ति हेतु फौरी तौर पर टोकन मनी 15 लाख रुपए जल्द जमा और प्रत्येक प्रभावित पंचायत में रोजगार हेतु 25-25 व्यक्तियों को नियुक्त करने की मांग है। (अनंत ज्ञान)

बाथरी बाजार में जाम हुआ आम

मुख्य मार्ग के दोनों ओर खड़ी आड़ी टेढ़ी गाड़ियां जाम को देती हैं न्योता

मुकेश कुमार, डलहौजी

उपमंडल डलहौजी के अंतर्गत एनएच 154ए पर स्थित गांव बाथरी बाजार में आए दिन आड़ी टेडी खड़ी गाड़ियों के कारण जाम की स्थिति पैदा हो रही है।

बताते चलें की बाथरी बाजार क्षेत्र के ज्यादातर व्यस्त रहने वाले बाजारों में एक है जहां रोज सैकड़ों की संख्या में लोग खरीदारी करने बाथरी बाजार रुख करते हैं, लेकिन कई बार सड़क के दोनों और खड़ी गाड़ियां जाम की स्थिति उत्पन्न कर देती हैं, जिसके कारण लोगों को अच्छी खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस बारे में जब व्यापार मंडल प्रधान से बात की गई तो उन्होंने जानकारी देते हुए बताया

कि एनएच 154 ए बाथरी बाजार के दोनों और से कॉफी चौड़ा है, लेकिन बावजूद इसके भी बाहर से आने वाले ग्राहक एवं स्थानीय लोग अपनी गाड़ियां एनएच पर ही खड़ी करते हैं, क्योंकि उनके पास दूसरा विकल्प शेष नहीं है। तो वहीं बनीखेत पुलिस प्रभारी कुलदीप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि एनएच 154ए राष्ट्रीय मुख्य मार्ग के दोनों और पीली पट्टी लगाई गई है, जिसके अंदर ही वहां खड़े करने की इजाजत है। अगर सफेद पट्टी के बाहर यानी मार्ग पर वहां खड़े रहेंगे वे सीधे तौर पर कानूनी तौर पर गलत हैं जिसके लिए वाहन चालक पर कानूनी कार्रवाई या चालान बनता है।

काबिले गौर है कि यातायात पहले हेतु एनएच 154 ए पर स्थानीय पुलिस आए दिन गश्त पर रहती है ।और कानून की अवहेलना करने वालों पर उचित कार्रवाई भी अमल में लाई जाती है।

खैरी पुल के पास पानी से भरे गड्ढे दे रहे हादसे को न्योता

मुकेश कुमार, डलहौजी

आज हुई बारिश ने जहां एक तरफ बीते कुछ दिनों से हो रही गर्मी से निजात दिलाई तो वहीं दूसरी ओर बारिश ने एनएच 154ए पर स्थित एनएचपीसी चौक के साथ लगते पर खेरी पुल के पास बड़े-बड़े भारी गड्ढे पानी से भरे हैं। जिससे आने-जाने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बताते चलें कि एनएचपीसी ने जहां एक और अपने नाम से बीच रास्ते में बड़े-बड़े होल्डिंग टांग कर अपने नाम की ब्रांडिंग तो कर दी किंतु रास्ते पर पड़े भारी गड्ढे दिखाई नहीं दिए। काबिले गौर है कि खेरी पुल से वाया पद्दर मुख्य बाजार का रास्ता भी बीते कुछ समय पहले एनएचपीसी द्वारा तैयार करवाया गया था, जो मौजूदा समय में ऐसा लगता है रास्ते में पड़े गड्ढे न हो बल्कि बड़े-बड़े गड्ढों के बीच रास्ता हो जिसको लेकर स्थानीय लोगों ने कई बार एनएचपीसी प्रबंधन एवं स्थानीय प्रशासन को भी अवगत करवाया है किंतु नतीजा ज्यों के त्यों ही है। गांववासियों ने प्रशासन से मांग है कि जल्द से जल्द इन गड्ढों को भरा जाए, ताकि आम लोगों को समस्याओं का सामना न करना पड़े। (अनंत ज्ञान)

होली हाइड्रो पावर प्लांट पर डॉ. ऋतिका देंगी सेवाएं

अनंत ज्ञान, भरमौर। जीएमआर वारा लक्ष्मी फाउंडेशन बाजोली होली हाइड्रो पावर प्लांट के सौजन्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र होली में 17 अगस्त से एमबीबीएस डॉक्टर की सुविधा प्रदान की जा रही है। इस दौरान प्रात: 9 बजे से शाम 4 बजे तक डॉक्टर ऋषिका ठाकुर अपनी सेवाएं दे रही हैं। फाउंडेशन द्वारा यह सुविधा अगले दो माह तक जारी रहेगी। इसके अलावा फाउंडेशन द्वारा संचालित मोबाइल मेडिकल वैन प्रतिदिन दो गांवों में कैंप लगाकर सुविधा प्रदान कर रही है।

गौरतलब है यहां पर सामुदायिक स्वास्थ्य भवन में एकमात्र डॉक्टर का तबादला हो जाने के बाद अस्पताल पर ताला लगने की नौबत आ गई है। यहां से डॉक्टर का तबादला होने के बाद सरकार द्वारा डॉक्टर ने भेजने को लेकर स्थानीय लोगों ने खूब विरोध किया है। इसी कड़ी में डॉक्टर न होने के कारण एक दिन विधायक को भी यहां पर मरीजों की ओपीडी लगानी पड़ी है। हालांकि विभाग द्वारा भी यहां पर डेपोटेशन के आधार पर डॉक्टर को भेजकर इस सामुदायिक स्वास्थ्य भवन में काम चलाया जा रहा है। बहरहाल विद्युत कंपनी द्वारा यहां पर डॉक्टर तैनात करने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली है।

आवारा पशुओं से लोग परेशान

अनंत ज्ञान, डलहौजी

बनीखेत में इन दिनों अवारा पशुओं एवं कुत्तों क्के आतंक मचा रखा है। बनीखेत बस अड्डा, मुख्य बाजार एवं पद्दर बाजार में इन दिनों कुत्तों की संख्या में अत्यधिक इजाफा हो जाने के कारण लोगों में एक खौफ का माहौल बना हुआ है।

सुबह छोटे-छोटे बच्चों का स्कूल जाते टाइम समय डर बना रहता है कि कहीं कुत्ते बच्चों को अपना शिकार न बना लें। शाम के समय ये कुत्ते झुंडों में हर किसी पर हमला कर देते हैं, जिससे कई लोगों के घायल होने के मामले प्रकाश में आए हैं। हालांकि, इस संबंध में लोगों ने पंचायत स्तर पर अपनी के शिकायतें भी दर्ज करवाई, किंतु अभी तक उन पर कोई खास कार्रवाई देखने को नहीं मिली है, तो वहीं दूसरी तरफ आवारा पशुओं का भी आतंक व्याप्त है। जगह-जगह आवारा पशु आते जाते की आम ग्राम वासियों को अपना शिकार बन चुके हैं और कई बार बीच बाजार में इनके द्वारा के दुर्घटनाएं भी देखने को मिली हैं।

ज्यादातर आवारा पशुओं द्वारा दोपहिया वाहनों को अपना शिकार बनाया, जिससे कि दोपहिया वाहन चालक घायल हुए हैं। इस संबंध में स्थानीय लोगों ने ग्राम पंचायत बनीखेत को शिकायत की है। वहीं प्रधान अरुण राणा ने बताया कि लोगों की हमें शिकायतें मिली हैं और इस पर हमने प्रशासन को अवगत करवा दिया है, बहुत जल्द इस पर कार्रवाई की जाएगी।

तुंदाह पंचायत में गैस आपूर्ति न होने से लोग परेशान

अनंत ज्ञान, भरमौर

भरमौर के ग्राम पंचायत तुंदाह में गैस आपूर्ति सही समय पर न होने से ग्रामीणों में काफी रोष है। लोगों का कहना है कि यहां दो-तीन महीने में सिर्फ एक गाड़ी आती है जो कुछ गांव में सिलेंडर वितरित करने के बाद वापस चले जाते हैं। जनजातीय क्षेत्र भरमौर के ग्रामीण क्षेत्रों में गैस आपूर्ति न होने के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के मुताबिक यहां पर लोग कई किलोमीटर पैदल सिलेंडर को पीठ पर उठाकर ले आते हैं, जबकि उन्हें बावजूद इसके सिलेंडर नहीं मिल रहे है। गैस आपूर्ति न होने पर मजबूरी में लोगों को वापस खाली सिलेंडर लेकर घर पहुंचना पड़ रहा है।

प्रधान तुंदाह पिंकी देवी, रंजीत कुमार संजय कुमार, रिडकू राम, रूप लाल, कैलाश चंद, किरपा राम, फौजी राम, जय करण आदि का कहना है कि यहां पर 2-3 महीने में सिर्फ एक ही गाड़ी आती है जो कि हर बार गुवाड व तुन्दाह वार्ड में ही खत्म हो जाती है, जबकि सिलपडी, मांधा, सरोठा और बन्नी वार्ड के लोग हर बार पूरा दिन गैस का इंतजार करके शाम को निराश होकर घर जाना पड़ता है। ग्रामीणों ने विभाग से मांग की है कि यहां पर नियमित रूप से गैस की सप्लाई की जाए ताकि लोगों को गैस आपूर्ति के लिए दर-दर न भटकना पड़े।

ग्रामीणों ने गैस आपूर्ति से संबंधित ठेकेदार की इस तरह की सुस्त व घटिया कार्यप्रणाली पर कठोर कदम उठाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वह समस्त ग्रामीणों को लेकर तहसील हेड क्वार्टर में इसकी शिकायत करेंगे।

तेलका स्कूल में स्टूडेंट्स को पढ़ाई के दिए टिप्स

अनंत ज्ञान, चंबा

जिला रोजगार अधिकारी कार्यालय चंबा की ओर से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तेलका में विद्यार्थियों के लिए एकदिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपायुक्त मुकेश रेपसपाल मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुए जबकि सलूणी के कार्यवाहक एसडीएम अनिल भारद्वाज विशेष अतिथि उपस्थित हुए।

इस अवसर पर जिलाधीश चंबा मुकेश रेपसवाल ने विद्यार्थियों को यूपीएससी (आईएएस) तैयारी के लिए पढ़ाई करने के तौर तरीकों को तथा इस दौरान आने वाली प्रमुख कठिनाइयों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है तथा सही अवसर व मार्गदर्शन के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थी अन्य क्षेत्रों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। मुकेश रेपसवाल ने कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस दौर में सफलता के लिए अनुशासन व कड़ी मेहनत की आवश्यकता है।

जिला रोजगार अधिकारी अरविंद चौहान ने बताया कि भविष्य सेतु वोकेशनल गाइडेंस एवं कैरियर काउंसिल द्वारा आयोजित जागरुकता शिविर में विभिन्न विद्यालयों के विधार्थियों को भविष्य में अपना कैरियर चुनने बारे आवश्यक जानकारी दी जा रही है ताकि उन्हे अपना भविष्य चुनने में आसानी हो सके। इसके पश्चात जिला रोजगार कार्यालय चंबा की ओर से तनु ने छात्रों को श्रम एवं रोजगार विभाग की ओर से चलाई जा रही योजनाओं तथा इन योजनाओं का लाभ लेने वाले महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक तेलका की प्रबंधक रिया सक्सेना ने छात्रों को बैंक में नौकरी करने हेतु होने वाली पढ़ाई व परीक्षाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होने बैंक द्वारा छात्रों को दिए जाने वाले ऋण के बारे में भी बताया।

तेलका चौकी के एएसआई अशोक कुमार ने छात्रों को पुलिस कांस्टेबल से लेकर आईपीएस ऑफिसर तक की आवश्यक पढ़ाई के बारे में समझाया, जबकि तकनीकी शिक्षा विभाग की ओर से आईटीआई लचोड़ी के प्रधानाचार्य राहुल राठौड़ ने छात्रों को तकनीकी शिक्षण संस्थान में प्रवेश के बारे में विस्तार से समझाया। प्रधानाचार्य संजय कुमार ने मुख्यातिथि सहित आए हुए सभी मेहमानों का विधिवत स्वागत किया तथा उनके विद्यालय में विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम के आयोजन के लिए धन्यवाद किया।

श्री मणिमहेश यात्रा के लिए हेलिकॉप्टर सेवा 22 से

भरमौर। उत्तरी भारत की प्रसिद्ध श्री मणिमहेश यात्रा पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु देश के कोने-कोने से पवित्र डल झील में स्नान करने के लिए पहुंचते हैं। अध्यक्ष श्री मणिमहेश न्यास व कार्यवाहक अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी भरमौर कुलबीर सिंह राणा ने बताया कि श्री मणिमहेश यात्रा पर आने वाले यात्रियों के लिए 22 अगस्त से हेलिकॉप्टर सेवा शुरू हो जाएगी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष श्री मणिमहेश यात्रा के लिए टेंडर प्रक्रिया के बाद दो कंपनियों थंबी एविएशन और राजस एयरोस्पोर्ट्स चयनित उपरांत कल से अपनी हेलिकॉप्टर सेवाएं प्रदान करना शुरू कर देगी। दोनों कंपनियों के हेलिकॉप्टर भरमौर हेलीपैड में पहुंच चुके हैं। उन्होंने बताया कि यात्रियों के लिए भरमौर से गौरीकुंड का एक तरफ का किराया 3875 रुपए तय किया गया है। दोनों तरफ के लिए यात्रियों को 7750 रुपए किराया देना होगा। उन्होंने बताया कि हेलिकॉप्टर टिकटें भरमौर हेलीपैड स्थित उनके टिकट काउंटर पर खरीदी जा सकती हैं। इसकी ऑनलाइन बुकिंग भी की जा सकती है।

सारे कर्मचारी भाई-भाई, लड़कर लेंगे पाई-पाई, नारे से गूंजा सचिवालय

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल में 15 अगस्त को मुख्यमंत्री द्वारा लंबित वित्तीय देनदारियों को लेकर कोई बड़ा ऐलान न होने से कर्मचारियों में भारी रोष पनप गया है।

प्रदेश के कर्मचारियों ने बुधवार को सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने का ऐलान कर दिया है। राज्य सचिवालय के बाहर भारी संख्या में कर्मचारियों ने एकत्रित होकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कर्मचारियों ने नारे लगाए कि सारे कर्मचारी भाई-भाई, लड़कर लेंगे पाई-पाई। कर्मचारी नेता ने कहा कि कांग्रेस सरकार को बने 2 साल हो गए है और लगभग 3 साल और शेष बचें हैं, लेकिन हिमाचल प्रदेश में कर्मचारियों का एरियर और डीए लंबित पड़ा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कर्मचारियों को भूल गए हैं उन्हें यह नही पता की मुख्यमंत्री की कुर्सी का एक पावा कर्मचारियों का होता है जिसके सारे स्क्रियू हिल गए है।

सरकाघाट कॉलेज में इंडक्शन कम ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। राजकीय महाविद्यालय सरकाघाट में कला संकाय के विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन कम ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इसका आयोजन महाविद्यालय के आईक्यूएसी के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज प्राचार्य डॉ. आरआर कौंडल ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के महत्व के साथ साथ कॉलेज में अनुशासन के महत्व के बारे में भी बताया और विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया और प्राचार्य ने बताया कि एक अच्छा विद्यार्थी एक अच्छा नागरिक बनता है जो देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सूडोकु 0033

मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 गुणा 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनवृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु 0032 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

अनंत ज्ञान

आज का राशिफल

बॉबी गोस्वामी, पुजारी,श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम

आज का पंचांग

22 अगस्त, 2024, वीरवार

विक्रमी संवत : 2081, **शक संवत :**1946 (क्रोधी), **मास :** श्रावण, **तिथि** तृतीय: (1:08) : **नक्षत्र :** उत्तराभद्रपद (10:06), **पक्ष :** कृष्ण, **योग:** धृति (1:10) **शुभ मुहूर्त :** अभीजित (11.57-12.49), **राहुकाल** (2:00 -3:38) ।

विशेष दिन

» 22 अगस्त 2024: कजली तीज/ सतुड़ी तीज आज।

» 23 अगस्त 2024 : रक्षा पंचमी कल।

मेष: दिनचर्या अच्छी रहेगी। कारोबार से लाभ मिलेगा। प्रियजन से मुलाकात होगी। मित्र से फायदा होगा। मन में प्रसन्नता बनेगी।

वृषभ: समय अनुकूल रहेगा। परिजनों में प्रसन्नता रहेगी। मान-प्रतिष्ठा का लाभ होगा। संतान के द्वारा लाभ प्राप्त होगा। शिक्षा में प्रगति होगी।

मिथुन: धन के मार्ग में बाधाएं आएंगी। पारिवारिक समस्याएं उत्पन्न होगी। संतान सुख प्राप्त होगा। मानसिक प्रगति होगी।

कर्क: मानसिक परेशानी बनी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखे। मित्रों से धोखा मिल सकता है। कारोबार में परेशानी होगी।

सिंह: अनावश्यक व्यय होगा, किन्तु मानसिक शान्ति रहेगी। शत्रु का क्षय होगा। आंशिक लाभ प्राप्त होगा। धन का लाभ होगा।

कन्या: पारिवारिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। संतान सुख मिलेगा। धन का लाभ होगा। राजकाज में उन्नति होगी। सुख की प्राप्ति होगी।

तुला: कारोबार सुचारु रूप से चलेगा। राजकाज में विलम्ब होगा। कार्य में कठिनाई आयेगी। बाद में सफलता प्राप्त होगी।

वृश्चिक: स्वास्थ्य अच्छा होगा। मन प्रसन्न होगा। दूर-समीप की यात्रा होगी। अकस्मात व्यय होगा। मन संतुष्ट होगा। धन का लाभ होगा।

धनु : धन का लाभ होगा। कार्य में कठिनाई अधिक होगी। अधिक परिश्रम अनावश्यक, कारोबार में समस्याएं आएंगी।

मकर: स्वास्थ्य का ध्यान रखे। कारोबार में कठिनाई आएगी। राजकाज में विलंब होगा। निर्माण कार्य में प्रगति होगी। आंशिक लाभ मिलेगा।

कुंभ: अनावश्यक व्यय होगा। अकस्मात धन का लाभ होगा। प्रियजन से मिलाप होगा। नवीन कार्य प्रारंभ होंगे।

मीन: संतान सुख मिलेगा। बुद्धि के द्वारा धन लाभ होगा। कार्य में विजय होगी। समस्याओं का समाधान होगा।

दहशत लोहाली वार्ड में बुजुर्ग को भालू ने हमला कर बुरी तरह से किया था घायल

डलहौजी में भालुओं का आतंक, विभाग बेबस

अनंत ज्ञान, डलहौजी

डलहौजी व इसके आसपास के क्षेत्र में इन दोनों जंगली भालुओं ने आतंक मचा रखा है, जिससे क्षेत्रवासियों में डर का महौल पैदा हो गया है।

बता दें हाल ही में देवी देहरा के साथ लगते जंगलों में मादा भालू अपने बच्चों के साथ दिखाई दी थी, तो वहीं डलहौजी के लोहाली वार्ड में भी एक बुजुर्ग व्यक्ति को भालू ने हमला कर बुरी तरह घायल कर दिया था। हाल ही में डलहौजी की गार्बेज साइट में एक मादा भालू अपने बच्चे सहित हाई वोल्टेज करंट का शिकार हो गई, तो डलहौजी के साथ लगते प्रसिद्ध दार्शनिक स्थल जोत में एक भालू को स्वादिष्ट बर्फी के चटकारे लगाते देखा गया, जिसकी तस्वीरें व्यक्ति ने अपने मोबाइल में कैद कर ली, तो वहीं बनीखेत के साथ लगते गांव में उघराल में जंगली भालू ने गौशाला गए व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल कर दिया जो अभी पीजीआई चंडीगढ़ में उपचाराधीन है। बनीखेत के साथ लगते

सुर्खीगला में भी भालू को डलहौजी बनीखेत मुख्य मार्ग को बेखौफ पार करते देखा गया है, तो वहीं ग्राम पंचायत सुकडाईबांई में भी रात के अंधेरे में जंगली भालू घर के बाहर चहल कदमी करते देखा गया। जिसकी तस्वीरें सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

बरहाल तमाम क्षेत्र में भालुओं को लेकर लोगों में डर बना हुआ है, तो वहीं क्षेत्र वासियों की स्थानीय प्रशासन एवं वन विभाग से पुरजोर मांग है कि इन भालूओं को लेकर कोई ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि लोगों के दिलों में बैठा डर निकल सके। अब तो आलम यह है कि जो लोग सुबह-शाम घरों से बाहर सैर करने को निकाला करते थे, उन लोगों ने भी डर के मारे सैर पर जाना बंद कर दिया है। नगर परिषद डलहौजी की ईओ राखी कौशल से बात की गई तो उन्होंने बताया कि नगर परिषद डलहौजी द्वारा होटल, रेस्टोरेंट एवं छोटे बड़े ढाबों सब्जी वालों को उचित दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं ताकि कम खाद्य पदार्थों को बाहर फैंका जाए।

डलहौजी में इस बार काम किया भी जाना शुरू हो गया है। मंडलाधिकारी डलहौजी नागरिक अनिल भारद्वाज से बात की गई तो उन्होंने बताया कि भालू का इंसानी बस्तियों में बार-बार आना वाक्य ही एक चिंता का विषय है। इस पर हमने स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों को उचित दिशा निर्देश जारी किए हैं, ताकि गांववासियों में जो भालू को लेकर डर से निजात मिल सके।

...जब भालू ने रात के अंधेरे में खाई जोत की बर्फी

चंबा। हिमाचल प्रदेश के चंबा में एक भालू दुकान में मिठाई खा रहा है। बताया जा रहा है कि चंबा के चुवाड़ी-जोत में बीती रात एक भालू दुकान का ताला तोड़कर हलवाई की दुकान में घुस गया और वहां रखी मिठइयां खाने लगा। हलवाई ने रात को कुछ आवाजें सुनीं और घर से सटी दुकान में देखा तो भालू बर्फी का लुत्फ उठा रहा था। दुकानदार ने भालू का मिठाई खाते हुए वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दुकानदार के चिल्लाने पर भालू मौके से भाग गया। बता दें कि चुवाड़ी-जोत क्षेत्र के लोग आए दिन भालुओं के हमले से परेशान है। क्षेत्र में भालू न केवल लोगों पर हमला कर देते हैं, बल्कि किसानों की नगदी फसलों को भी कई बार चट कर जाते हैं। कई बार गौशालाओं को तोड़ देते हैं। मगर इस बार भालू ने दुकान में घुस मिठाई खाता है।

आप जिस चीज के लायक हैं, उससे कम पर कभी समझौता न करें। यह अभिमान नहीं, स्वाभिमान है। -चाणक्य

संपादकीय

शिमला पर आफत

राजधानी शिमला में इस बार भी मानसून आफत बनकर टूटी है। लगातार तीन दिनों में तीन जगह भूस्खलन होने से यहां के बाशिंदे दहशत में हैं। लोग घर से बाहर जाने से कतराने लगे हैं। जिनको मजबूरी में अपने कामों के लिए जाना पड़ रहा है वह कई किलोमीटर का सफर कर गंतव्यों तक पहुंच रहे हैं। इससे उनका समय और धन भी बर्बाद हो रहा है। इस मानसून ने हिमाचल प्रदेश को अब तक करीब पौने बारह सौ करोड़ रुपए तक का नुकसान पहुंचा दिया है। पिछले साल भी हिमाचल में आपदा से बहुत ज्यादा नुकसान हो गया था। केंद्र की तरफ से अभी तक हिमाचल को कोई मदद नहीं मिली है, सिर्फ आश्वासन ही मिले हैं। ऐसे में संशाधनों के अभाव में सुक्खू सरकार पर एक और परेशानी आन पड़ी है। इससे पहले समेज और मणिकर्ण त्रासदी ने भी प्रदेश को काफी झकझोरा था। हिमाचल पर मुसीबतें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। चूंकि हिमाचल प्रदेश एक पर्वतीय क्षेत्र है तथा पहाड़ और घाटियों से घिरा हुआ है। शायद इस वजह से भी यहां दिक्कतें कुछ ज्यादा ही हैं। यहां की भौगोलिक स्थिति भूस्खलन के लिए अनुकूल है। बेतहाशा बारिश पहाड़ों को कमजोर कर रही है और भूस्खलन का कारण बारिश रही है। बारिश के मौसम में पहाड़ों की नींव कमजोर हो जाती है इसलिए वे ज्यादा टूटकर गिरने लगते हैं। पहाड़ों पर भूमि का क्षरण होता है, जो भूस्खलन का कारण बनता है। जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में बदलाव और वर्षा की अनियमितता भी भूस्खलन का कारण बनती है। मानव गतिविधियां जैसे वनों का कटना, खनन और निर्माण कार्य भी भूस्खलन के लिए कम जिम्मेदार कारक नहीं हैं।

इन परिस्थियों के लिए इंसान खुद ही जिम्मेदार है। हिमाचल प्रदेश भूकंप के लिए संवेदनशील क्षेत्र है, जो भूस्खलन का कारण बनता है। इन कारणों को ध्यान में रखते हुए हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन को रोकने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। वनस्पति और भूमि का संरक्षण करना यहां के हर नागरिक की जिम्मेदारी होनी चाहिए। यही नहीं, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में भी सहयोग करना चाहिए। हालांकि, यह स्थिति सिर्फ हिमाचल में ही नहीं है, बल्कि हर पहाड़ी प्रदेश में है। विशेषज्ञों की मानें तो देश का करीब 70 प्रतिशत कृषि भू-भाग मिट्टी के गंभीर क्षरण से जूझ रहा है और इस दायरे में समूचा पर्वतीय क्षेत्र शामिल है। यहां प्रति हेक्टेयर 15 टन से अधिक मिट्टी हर साल खेतों से दूर हो रही है, जबकि पर्वतीय क्षेत्रों में मिट्टी के क्षरण की दर अढ़ाई टन प्रति हेक्टेयर से अधिक नहीं होनी चाहिए। मृदा क्षरण की यह तस्वीर भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान व राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण और भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो के अध्ययन में सामने आई। करीब 32 प्रतिशत पर्वतीय क्षेत्र ऐसा भी है, जहां मृदा क्षरण की दर 80 टन तक भी है।

मौजूदा समय में शिमला पर जनसंख्या का बोझ भी काफी बढ़ गया है। शिमला को लगभग 25,000 लोगों के रहने के लिए डिजाइन किया गया था, लेकिन अब यहां करीब अढ़ाई लोग रह रहे हैं। यह आंकड़ा बताता है कि शहर की जनसंख्या में किस रफ्तार से वृद्धि हो रही है। इस वृद्धि के कारण शहर पर दबाव बढ़ गया है। शिमला अपने बोझ तले दब रहा है। इससे बुनियादी ढांचे और संसाधनों पर दबाव पड़ रहा है। इसके अलावा, जनसंख्या वृद्धि के कारण शिमला में भूस्खलन और अन्य प्राकृतिक आपदाओं का खतरा भी बढ़ गया है। दरकते पहाड़ों को बचाने के लिए सबसे पहले तो निर्माण कार्यों पर नियंत्रण करना होगा। पहाड़ों पर निर्माण कार्यों पर नियंत्रण रखना महत्वपूर्ण होता है, जैसे कि भवनों का निर्माण और सड़कों का निर्माण सोच समझकर ही करना होगा। जल संचयन करना भी महत्वपूर्ण है, जैसे कि जल संचयन योजनाओं का निर्माण और जल का उपयोग करना। पहाड़ों पर भूकंप प्रतिरोधी निर्माण करना चाहिए ताकि भवनों और पुलों को नुकसान न पहुंचे। जन जागरूकता फैलाना सबसे महत्वपूर्ण है, जैसे कि लोगों को भूस्खलन के खतरों के बारे में जागरूक करना और उन्हें सुरक्षित रहने के लिए प्रेरित करना। सरकार को पहाड़ों के संरक्षण के लिए पहल करनी चाहिए, जैसे कि पहाड़ों के संरक्षण के लिए योजनाएं बनाना और उन्हें लागू करना। इन कदमों को उठाकर, हम पहाड़ों को दरकने से बचा सकते हैं और उन्हें सुरक्षित भी रख सकते हैं। शिमला विकास योजना के तहत आबादी की बढ़ती जरूरतों और पर्यावरण तथा पारिस्थितिकी की सुरक्षा के बीच संतुलन बनाए रखना सबसे अहम होगा। अगर नियमों का पालन होता रहा तो निश्चित रूप से भविष्य में कोई कठिनाई पेश नहीं आएगी। ■

आज के दिन की प्रमुख हस्ती

प्रसिद्ध कवि और नाटककार

गिरिजाकुमार माथुर एक कवि, नाटककार और समालोचक के रूप में जाने जाते हैं। लंबे अरसे तक इन्होंने आकाशवाणी की सेवा की। इनकी कविता में रंग, रूप, रस, भाव तथा शिल्प के नए-नए प्रयोग हैं। मुख्य काव्य संग्रह हैं, 'नाश और निर्माण', 'मंजीर', 'धूप के धान', 'शिलापंख चमकीले', 'जो बंध नहीं सका', 'साक्षी रहे वर्तमान', 'भीतर नदी की यात्रा', 'मैं वक्त के हूं सामने' तथा 'छाया मत छूना मन' आदि। इन्होंने कहानी, नाटक तथा आलोचनाएं भी लिखी हैं। गिरिजाकुमार माथुर की 'मैं वक्त के हूं सामने' नामक काव्य संग्रह साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित है। गिरिजाकुमार माथुर का जन्म मध्य प्रदेश के गुना जिले में हुआ। शिक्षा झांसी और लखनऊ में हुई। इनके पिता देवीचरण माथुर स्कूल अध्यापक थे तथा साहित्य एवं संगीत के शौकीन थे। वे कविता भी लिखा करते थे। सितार बजाने में प्रवीण थे। माता लक्ष्मीदेवी मालवा की रहने वाली थीं और शिक्षित थीं। गिरिजाकुमार की प्रारंभिक शिक्षा घर पर ही हुई। उनके पिता ने घर पर ही अंग्रेजी, इतिहास, भूगोल आदि पढ़ाया। स्थानीय कॉलेज से इंटरमीडिएट करने के बाद 1936 में स्नातक उपाधि के लिए ग्वालियर चले गए। 1938 में उन्होंने बीए किया, 1941 में उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय में एमए किया तथा वकालत की परीक्षा भी पास की। इस बीच सन 1940 में उनका विवाह दिल्ली में कवयित्री शकुंत माथुर से हुआ। ■

गिरिजा कुमार माथुर
जन्म : 22 अगस्त, 1919
मृत्यु : 10 जनवरी, 1994

गणित हो तुम या हो मेरी कविता

डॉ. कौमार्या मनोज

गणित हो तुम या हो मेरी कविता ,
हर रोज तुम्हें सुलझाता हूं।
सूत्र बुत्र का सार समझता,
फिर भी उलझ मैं जाता हूं ।।
तुम मेरी प्यारी कविता हो ,
तुमको मैं सुलझाऊंगा।
बार-बार अभ्यास करूंगा ,
हल तेरा तब पाऊंगा।।
तुम्हें समझना बहुत कठिन है,
कुछ लोगों ने ऐसा माना है ।
तुझे तो मैं सुलझा के रहूंगा ,
ऐसा मैंने ठाना है ।।
सुलझा तुझको जब खुश होता मैं,
फिर नए रूप में आते हो।
अब रोज-रोज की आदत मुझको,
फिर भी मुझे सताते हो।।
हे गणित , तुहि मेरी प्यारी कविता,
तुमको तो मैं सुलझा लूंगा ।
जीवन सागर में लाख हो बाधा ,
मैं स्व नैय्या पार लगा लूंगा।।

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 पर भेज सकते हैं।

कृषि और पशुपालन ढांचा सुदृढ़ होने से ही विकास संभव

देश एवं प्रदेश की खुशहाली के लिए कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र को मजबूत करने की नितांत आवश्यकता है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में फिर से विकास की बयार बहेगी तथा बेरोजगारी को दूर करने में कुछ हद तक मदद मिलेगी , लेकिन यह तभी संभव हो पाएगा यदि सरकार इसके लिए अनुदान देती है। नकद राशि मिलने से बेरोजगार युवा खेतीबाड़ी करने के साथ ही पशुपालने में रुचि लेंगे। अन्यथा ग्रामीण क्षेत्रों में यह स्थिति हो गई है कि लोगों को सब्जियां या दूध आदि का वितरण शहरों से हो रहा है। एक समय था जब ताजा शुद्ध दूध गांव-गांव से इकठ्ठा करके शहर ले जाया जाता था। फल व सब्जियां भी गांव से ही जाती थी। शहरवासी आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के उत्पादों को गुणवत्ता से परिपूर्ण मानते हुए बड़े चाव से उनका उपयोग करते थे, लेकिन अब परिस्थितियां विपरीत हो गई है। गांव के लोग भी शहर से लाए उत्पादों का बड़े चाव से सेवन कर रहे हैं। उसमें यह नहीं देख रहे हैं कि उनकी रसोई तक कितना खतरनाक कैमिकल पहुंच रहा है। एक समय था जब ग्रामीण स्तर पर कृषि एवं पशुपालन व्यवसाय एक दूसरे के पूरक थे।

पहले पशुओं विशेषकर बैलों के बिना खेतीबाड़ी की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। अब लोग इस काम में दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। वैसे भी गांव में अब खेतीबाड़ी करना बहुत मुश्किल हो गया है। खेत बीरान पड़ गए हैं । जहां खाली जगह है वहां जहरीला फुलणू घास व कंटीली झाड़ियों के जंगल बन गए है और तो और घासनियों में भी जहरीली घास फैल गई है। कुल मिलाकर जमीन बंजर हो गई है। अब गांव में जो इक्का-दुक्का परिवार खेतीबाड़ी कर रहे हैं। उन्हें फसल पर जितना खर्च करना पड़ता है। उस हिसाब से फसल नहीं हो रही है। जंगली जानवरों एवं लावारिश पशुओं से फसल का बचाव करना मुश्किल है। खेतों में सिंचाई की सुविधा न होने के कारण किसानों को बारिश पर ही निर्भर रहना पड़ता है । मौसम की दगाबाजी ऐसी है कि कभी सूखा पड़ता है तो कभी जरूरत से ज्यादा बारिश हो जाती है। उससे फसल खराब हो रही है तथा सारे किए कराए पर पानी फिर जाता है। खेती करने में आ रही मुश्किल से अधिकतर ग्रामीण अब खेतों के बजाए क्यारियों में ही साग-सब्जियां उगा रहे हैं। खेतीबाड़ी की तरह पशुपालन का व्यवसाय भी नाममात्र का रह गया है। गांव में अब कोई विरला ही परिवार है।

लेखक : रामलाल पाठक
गांव निहारखन बासला (चिड़की)

जिसने गाय या कोई भेड़-बकरी पाल रखी है। अन्य पशु अब लावारिस होकर सड़कों पर भटक रहे हैं। पहले शहर में ही इक्का-दुक्का लावारिश पशु नजर आते थे, लेकिन अब गांव-गांव में भी लावारिश पशुओं के झुंड घूमते देखे जा सकते हैं। ग्रामीणों को लग रहा है कि अब खेतीबाड़ी एवं पशुपालन बहुत ही घाटे का सौदा हो गया है । इन दोनों व्यवसायों में खर्च के मुताबिक आय नहीं हो रही है। सरकार भी इस ओर ध्यान नहीं दे रही है। हालांकि केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि दिए जाने के बाद कृषि क्षेत्र में मामूली सुधार हुआ है, लेकिन इसके लिए और अधिक धनराशि की जरूरत है। यदि सरकार बैल पालने के लिए प्रति जोड़ी 1500 , प्रति गाय या भैंस पालने के लिए 750 रुपए मासिक अनुदान दिए जाने से कृषि के साथ ही पशुपालन व्यवसाय फिर से पनप पाएगा। इससे एक तो बेसहारा पशुओं की समस्या का हल होगा तथा दूसरे ग्रामीण क्षेत्रों में पहले की तरह कृषि पैदावार भी बढ़ेगी । ग्रामीणों को अपने गांव में अच्छा अनाज शुद्ध दूध-दहीं व घी के साथ ही फल व सब्जियां उपलब्ध होगी। लोगों को अपने घर में ही रोजगार उपलब्ध होगा।

इससे सरकार को दूध व गोबर खरीदने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। पिछले करीब चार दशकों से ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि एवं पशुपालन व्यवसाय में जबरदस्त गिरावट आई है। एक समय था, जब ग्रामीणों में यह कहावत 'उत्तम खेती, मध्यम व्यापार, नखिद चाकरी करे गवार' प्रचलित थी। अर्थात पहले खेतीबाड़ी को सर्वश्रेष्ठ माना जाता था, व्यापार को दूसरे स्थान तथा नौकरी को सबसे घटिया गिना जाता था, लेकिन अब स्थितियां इससे विपरीत है। आज हर कोई सरकारी नौकरी पाना चाहता है। इसका सबसे बड़ा कारण यह रहा कि सरकारी क्षेत्र में कर्मचारियों के वेतन में अत्यधिक बढ़ोतरी हुई है, जबकि उच्च शिक्षित एवं प्रशिक्षित युवाओं की संख्या में एकाएक वृद्धि रही है। ऐसे युवा जो सरकारी सेवा में नहीं जा सकें। वे मजबूरी में कम वेतन पर निजी क्षेत्र में चले गए। सरकारी एवं निजी क्षेत्र में यह सुविधा है कि हर महीने वेतन मिलता है। जबकि ग्रामीण क्षेत्र में फसल अच्छी होने के बाद यदि उसका दाम ठीक मिले तो समझा जाता है कि कम से कम फसल पर जितना खर्च हुआ था, उसकी भरपाई हो गई। किसानों को दुधारू पशु या भेड़-बकरियां आदि के बिकने पर नया पैसा देखा जाता। किसानों द्वारा उगाई जाने वाली फसल भी उन्हें इतनी महंगी पड़ने लगी।

खाद, बीज एवं कीटनाशक दवाइयां महंगी हो गई। खेतों की साफ-सफाई तथा हल जोताई आदि का भी काफी खर्च हो जाता। जबकि उससे कम कीमत पर अनाज एवं दालें आदि बाजार में मिलने लगी। यही नहीं किसानों की उपज का भी उन्हें उचित मूल्य नहीं मिल पाता। कृषि के साथ बागवानी करने वालों के तो उनसे भी बुरे हाल हो गए, सब्जियों की तरह फलों का समर्थन मूल्य न के बराबर मिलता। इसलिए लोग अपने फलों को विक्रय केंद्र तक भी नहीं पहुंचा पाते। कई स्थानों तक तो संपर्क सड़कों का अभाव है।

पशुपालन व्यवसाय की हालत तो इससे भी खराब है। पहले कृषि के लिए बैल बहुत उपयोगी माने जाते थे। किसान उन्नत नस्ल के बैल पालने के बहुत शौकीन थे। कई किसान तो हरियाणा एवं पंजाब से बैल पालने को लाते। अनेक स्थानों पर पशु-मंडियां लगती। बैलों व अन्य पशुओं का बड़े पैमाने पर खरीद-फरोख्त होती। उन्नत नस्ल के पशुपालकों को आयोजन समिति की ओर से इनाम दिए जाते। इस तरह दुधारू पशुओं की भी गांव में खासी संख्या होती थी। ग्रामीण कड़ी मशक्कत करते थे तथा घी-दूध भी खूब खाते थे। हर परिवार के पास बैल की जोड़ी, दो-तीन भैंसें, गाय व भेड़-बकरियां आदि पशु होते थे। जब संयुक्त परिवार थे तथा बच्चे से लेकर बूढ़े तक सब अपने काम के प्रति अपना दायित्व समझते थे। बड़ी आयु की महिलाएं रसोई के काम में व्यस्त हो जाती। कोई पनघट से ताजा पानी भर कर लाती थी, जबकि एक-दो महिलाएं पशुओं के काम में लग जाती थी। पुरुष बैलों की देख-रेख करते तथा पनघट से पानी के कई घड़े भरते थे। सारे परिवार के लोग खेतीबाड़ी के काम में हाथ बंटाते थे। बुजुर्गों में पुरुष बाण बाटते थे, जबकि महिलाएं चरखा काततती थी। कड़ी मेहनत करने के कारण ग्रामीणों में बीमारियां भी कम होती थी। **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

नजरिया

आज के त्योहार सोशल मीडिया की तरफ बढ़ना

भारत के प्रत्येक समाज के अलग-अलग त्योहार, उत्सव, पर्व और रीति-रिवाज को मनाने की परंपरा हैं। भारत संस्कृति में त्योहारों एवं उत्सवों का आदि काल से ही काफी महत्व रहा है। हमारे रैगर समाज की संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है कि यहां पर मनाए जाने वाले सभी त्योहार समाज में मानवीय गुणों को स्थापित करके लोगों में प्रेम, एकता एवं सद्भावना को बढ़ाते हैं। यहां मनाए जाने वाले सभी त्योहारों के पीछे की भावना मानवीय गरिमा को समृद्धता प्रदान करना होता है।

यही कारण है कि हम अपने समाज में मनाए जाने वाले त्योहारों एवं उत्सवों में सभी समाज बंधु आदर के साथ मिलजुल कर मनाते हैं । हमारे समाज के प्रमुख त्योहारों में मानव जीवन को एक उत्सव के रूप में सभी समाज बंधु आपस में मिलकर आनंद स्वरूप मनाने की परंपरा हमें स्थापित करना चाहिए। समाज में प्रचलित उत्सव और त्योहार मात्र आनंद प्राप्ति के लिए ही नहीं अपितु समाज एक धारा में जोड़ने, जागृति पैदा करने व समाज के महापुरुषों के आदर्शों को अपने जीवन में सम्मिलित करने के उद्देश्य से भी मनाए जाते हैं।

लेखक : रविंद्र परमार
शोधार्थी, केंद्रीय विवि

वैश्वीकरण ने सारी व्यवस्थाएं बदल कर रख दी हैं। हमारे उत्सव -त्योहार भी इससे अछूते नहीं रहे। शायद इसीलिए प्रमुख त्योहार अपनी रंगत खोते जा रहे हैं और लगता है कि हम त्योहार सिर्फ औपचारिकताएं निभाने के लिए मनाए जाते हैं। किसी के पास फुरसत ही नहीं है कि इन प्रमुख त्योहारों के दिन लोगों के दुख दर्द पूछ सकें। सब धन कमाने की होड़ में लगे हैं। गंदी हो चली राजनीति ने भी त्योहारों का मजा किरकिरा कर दिया है। हम सैकड़ों साल गुलाम रहे ,लेकिन हमारे बुजुर्गों ने इन त्योहारों की रंगत कभी फीकी नहीं पड़ने दी। आज इस अर्थ युग में सब कुछ बदल गया है। कहते थे कि त्योहार के दिन न कोई छोटा और न कोई बड़ा सब बराबर, लेकिन अब रंग प्रदर्शन भर रह गए हैं और मिलन मात्र औपचारिकता। हम त्योहारों के दिन भी हम अपनों से, समाज से पूरी तरह नहीं जुड़ पाते। जिससे मिठाइयों का स्वाद फीका हो गया है। बात तो हम पूरी धरा का अंधेरा दूर करने की करते हैं, लेकिन खुद के भीतर व्याप्त अंधेरे तक को दूर नहीं कर पाते। त्योहारों पर हमारे द्वारा की जाने वाली इस रस्म अदायगी शायद यही इशारा करती है कि हमारी पुरानी पीढ़ियों के साथ हमारे त्योहार भी विदा हो गए।

आज के समय में हम देखते हैं धरातल पर त्योहार बहुत कम और सोशल मीडिया में ज्यादा हो गया है आज जब तक सोशल मीडिया में लोगों की स्टोरी या स्टेट्स न देखे तो लगता नहीं कि त्योहार मनाया गया है त्योहार हमारे संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है, जो आज भारत की संस्कृति गांव में बची है जो कि जल्दी ही समाप्त हो जाएगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

कविता

शिक्षा का व्यापार

मनीष कुमार, जयसिंहपुर

शिक्षा की नहीं कोई दीक्षा
माननीय के झूठे वायदों की
करता है भला कोई समीक्षा ?
भ्रम ही भ्रम,
ले रहे धुंधली सी शिक्षा
पाने को नौकरी रूपी भिक्षा
कुछ शिक्षित होकर भी अशिक्षित
यही कारण है बढ़ रही सामाजिक हिंसा
जो हैं अनपढ़ होकर भी हैं पढ़े-लिखे
वही हैं समाज में सोने के सिक्के
व्यवस्था की बात करें तो अश्रुधार बहती है
शिक्षित की बूढ़ी मां कोने में
सिसक-सिसक के रोती है
मनीष का वक्तव्य भले लगे निरकार
किंतु सत्य है,
शिक्षा की मूरत को कर दिया व्यापार
अब संस्कारों की जगह बस अंक ही सत्कार।

नामी कंपनियों ने देश में बेरोजगारी को बढ़ाया

देश की नामी पांच बड़ी खुदरा बाजार की कंपनियों ने 52 हजार कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया है। भयावह बेरोजगारी चलते इतनी भारी तादाद में कर्मचारियों की छटनी किया जाना किसी त्रासदी से कम नहीं है। कंपनियों द्वारा जारी रिपोर्ट अनुसार कर्मचारियों की छटनी 17 फीसदी श्रमबल है। कंपनियां अपने खर्चों में कटौती करके अपना कारोबार चलाने पर फोकस कर रही हैं। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि आज एक कर्मचारी से दो का काम कम पैसों में लिए जाने का क्रम चल पड़ा है। कोरोना महामारी उपरांत देश की जनता ने प्रत्येक क्षेत्र में जमकर खरीददारी की। इस बीच 52 हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकालना न्याय संगत नहीं है। एक तरफ देश को पांचवीं अर्थव्यवस्था बनाने का राग हम अलाप रहे हैं। ऊपर से देश की नामी पांच बड़ी कंपनियां द्वारा कर्मचारियों को निकालने का साफ मतलब की आम आदमी की हालत आज भी पतली है। एक रिपोर्ट अनुसार आने वाले दो वर्षों में देश में बेरोजगारी चर्म सीमा पर बढ़ जाएगी। कारण अधिकतर काम मशीनों, आनलाइन जरिए होंगे।

बेरोजगारी आज किसी महामारी से कम नहीं आंकी जा सकती है। इस महामारी से युवा वर्ग में बेहद हताशा है। शिक्षित बेरोजगार आज किन हालात में अपना जीवन यापन कर रहे, किसी के पास ऐसा सोचने का समय नहीं है। बेरोजगार युवाओं में आज अपनी जिंदगी को लेकर नकारात्मक प्रवृति बढ़ रही, तो इसके लिए सरकारें पूर्णतया जिमेदार है। बढ़ती बेरोजगारी शिक्षित युवाओं को दीमक की तरह चाटती जा रही है। जनसंख्या अनुसार रोजगार के अवसर जितने सृजित किए जाने की आवश्यकता उतने नहीं हो पा रहे हैं। नतीजतन युवा वर्ग बेरोजगारी की चक्की में पीसकर अपने लक्ष्यों से भटकता जा रहा है।

युवा देश की रीढ़ की तरह होते, जिन्हें राष्ट्र और समाज पुनर्निर्माण के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होती है। मगर आजकल की शिक्षा अपने उद्देश्यों पर फिलहाल सही नहीं उतर पा रही, जिसकी वजह से युवा वर्ग आहत और निराश बनकर रह चुका है। ऐसी शिक्षा ग्रहण करने का क्या औचित्य जो युवाओं को नशे की गर्त में धकेलकर अपराधी बनने के लिए मजबूर कर रही हो। शिक्षा के दो मूल उद्देश्य होते, जिसमें एक तो शिक्षित बनकर आजीविका से जुड़ना दूसरा राष्ट्र और समाज के लिए अपनी जिमेदारियां बखूबी निभाना। युवाओं को अब जरूरत अत्यधिक नैतिक शिक्षा ग्रहण करने की जिसके चलते उनका संपूर्ण व्यक्तित्व विकास संभव हो पाए। आज का युवा सिर्फ किताबों तक ही सीमित होकर दूसरी खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों में हिस्सा नहीं ले पा रहा है। भयावह बेरोजगारी की वजह से एक शिक्षित बेरोजगार सिर्फ विरोध प्रदर्शन करने के लिए मजबूर नहीं हुआ, बल्कि नशों की लत में फंसकर अपने भविष्य से भी खिलबाड़ करता जा रहा है। चुनावी समर में बेरोजगारी को खत्म करने का एजेंडा हर राजनीतिक दल के मेनिफेस्टो में शामिल होता है। चुनाव तदोपरांत कोई भी राजनीतिक दल अब तक युवाओं से किए गए वायदों पर खरा नहीं उतर पाया है। युवाओं के लिए रोजगार अवसर सृजित किए जाने की बजाए सरकारें उन्हें चंद रुपए वेतन भत्ते के दिए जाने के नाम पर उनका मजाक उड़ाती रही हैं।

लेखक : सुखदेव सिंह
वरिष्ठ पत्रकार, नूरपुर

चंदे के नाम पर मिलने वाली यह खैरात युवाओं के मनोबल को भी गिरा सकती। इस पर गौर करना होगा। हिमाचल प्रदेश में बेरोजगार युवाओं का आंकड़ा 12 लाख के करीब पहुंच गया है। सरकार को बेरोजगार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भरकस प्रयास करने की जरूरत है। बेरोजगार युवा नेताओं के हाथ की कठपुतली बनकर अपने भविष्य को दांव पर लगाने से बाज नहीं आ रहे हैं। राजनीतिक दलों ने चुनावों में अपनी नैया पार लगाने के लिए युवाओं को कई पदों पर मनोनित किए जाने का सिलसिला शुरू कर रखा हुआ है। अपराधिक दर में इजाफा हो रहा तो कहीं न कहीं नेताओं की मिलीभगत का ही नतीजा है। बेरोजगारी से आहत युवा अक्सर नेताओं की चमचागिरी करके रातोंरात धनाढ्य बनने के लिए कई तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। राजनीति की आड़ में ही लोग गैर कानूनी धंधों को अंजाम देकर कानून की खिल्ली उड़ाते जा रहे हैं। हिमाचल प्रदेश देवभूमि के नाम से विख्यात होने के बावजूद आज ड्रग्ज चिट्टे की बिक्री का प्रमुख अड्डा बनकर उभर रहा है। बेरोजगारी से पीड़ित युवा नशीलें पदार्थों चरस, चिट्टा, शराब और नशीलें कैप्सूल की बिक्री को अपनी आय का प्रमुख साधन बनाते जा रहे हैं।

देवभूमि के हालात आज इस कदर बदतर बने कि इस जहर की तस्करी में महिलाएं, लड़कियां और नाबालिग स्कूली छात्रों का शामिल होना शर्मनाक है। पहाड़ी बेरोजगार युवा रोजी- रोटी संघर्ष के लिए अब विदेशों में दस्तक देते जा रहे हैं। ऐसे बेरोजगारों की किस्मत के साथ कुछ फर्जी एजेंट ऐसा धोखाधड़ी का खेल खेलकर उनकी जिंदगी दाव पर लगाने से गुरेज नहीं कर रहे हैं। फर्जी ट्रेवल एजेंट बेरोजगार युवाओं से लाखों रुपए ऐंठकर उन्हें खाड़ी देशों में ट्रेवल बीजा पर धकेलकर चोखी चांदी कूटते जा रहे हैं।

बेरोजगार युवा जानकारी अभाव के चलते ज्यादातर अब इस तरह की ठगी के शिकार बनकर रहते जा रहे हैं। अक्सर खाड़ी देशों में पहाड़ के गबरू कंपनियों की तानाशाही नीतियों की वजह से वहां फंसकर रह जाते हैं। बढ़ती जनसंख्या की वजह से बेरोजगारी सिर्फ अकेले भारत देश में ही नहीं है। अमेरिका, यूके, चीन, एशिया देश और खाड़ी देश भी अब इस समस्या से त्रस्त हैं। मौजूदा समय में इन देशों को भी अपनी युवा पीढ़ी को रोजगार से जोड़ने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। भारत के लोग रोजगार कमाने के लिए विदेशों में कड़ी मेहनत करके अपने परिवारों का पेट पाल रहे हैं। आर्थिक मंदी की वजह से विदेशों में भी अब रोजगार दिनोंदिन कम होते जा रहे, जिसके चलते लोग मानसिक तनाव में रहने को मजबूर हैं। भारत एक कृषि प्रधान देश जिसकी अधिकांश जनता गांवों में बसती है।
(ये लेखक के निजी विचार हैं)

शहीदों के नाम दशकों बाद भी नहीं हो पा रहे संस्थानों के नाम और स्मारक

जैसा कि हम सभी को विदित है कि किसी भी देश की सुरक्षा की बागडोर हमेशा देश के बहादुर सैनिकों के कंधों पर रहतीं हैं, उसी प्रकार हमारे भारत देश के वीर सैनिकों पर हर भारतीय को फक्र रहता है, जिन्होंने समय-समय पर वीरता और शौर्य का परिचय दिया है। इसी परिप्रेक्ष्य में आज हम ऐसे गंभीर और चिंतनीय विषय पर चर्चा एवं विश्लेषण करना चाहेंगे, जो भारतीय सैनिकों के प्रति आदर भाव और मान सम्मान से जुड़ा विषय है, वह गंभीर विषय है जिला सिरमौर के गिरिपार के शिलाई विधानसभा क्षेत्र से जहां के वीर सैनिकों ने वीरता और शौर्य का समय-समय पर बखूबी परिचय दिया है, जानकारी अनुसार वर्ष 2013 में शहीद हुए सैनिक शहीद श्याम सिंह जो 9 पैरा में भर्ती हुए थे, उन्होंने देश के लिए शहादत पाई थीं, जो राष्ट्रीय स्तर के कबड्डी खिलाड़ी भी रहे हैं, तो वहीं गिरिपार से अभी तक सात शहीदों ने शहादत पाई हैं।

इन शहीदों में शहीद कल्याण सिंह, शहीद प्रमोद सिंह, शहीद श्याम सिंह, शहीद भरत सिंह, शहीद अनिल कुमार, शहीद टीका राम, शहीद बलवीर सिंह, जिसमें से शहीद कल्याण सिंह के अलावा किसी भी शहीद के नाम कोई संस्थान या कोई खास शहीद स्मारक नहीं बनाया गया है, जिन संस्थान का नाम करने से युवाओं एवं समाज में उनकी यादें एवं वीरता की शौर्य गाथाएं हमेशा जनता एवं युवाओं में स्मरण एवं प्रेरणा मिलती रहती। तो वहीं शिलाई क्षेत्र में अभी तक प्रशासन की और से शहीद स्मारक तक नहीं बन पा रहा है। जो स्मारक शहीद श्याम सिंह के नाम से बना है। वह भी शहीद परिवारजनों ने अपने गांव बादली में अपने निजी खर्च से शहीद स्मारक का निर्माण करवाया है।

ताकि उनकी अनमोल यादें हमेशा इस स्मारक से जुड़ी रहें। तो वहीं दूसरी ओर सभी शहीद के परिजनों ने अनेक वर्षों से समय-समय पर और स्थानीय लोगों ने प्रशासन और सरकार को अनेक बार यह मांग एवं आग्रह किया है, परंतु अभी तक किसी भी संस्थान एवं शहीद स्मारकों का निर्माण नहीं किया गया है, जो बहुत ही चिंताजनक और दु:ख का विषय है कि जिन बहादुर सैनिकों एवं शहीद सैनिकों के वजह से हम आप चैन की नींद सोते हैं और हमेशा अपने आप और देश को महफूज समझते हैं, उनकी याद में किसी संस्थान एवं स्मारकों को बनाने में आखिर क्यों दशकों का समय लग जाता है। इस बात को सुनिश्चित करने के लिए सरकार एवं प्रशासन को जरूर सोचना एवं चिंतन करने की आवश्यकता है, क्योंकि अनेक क्षेत्रों में समय-समय पर शहीद के परिजनों द्वारा सामूहिक रूप से भी मांग एवं आग्रह किया जाता है, जबकि हम सभी का नैतिक कर्तव्य भी बनता है कि हम उनके दु:ख दर्द में सहभागी बन सकें। जो कि मानवता को दर्शाता है, तो वहीं दूसरी ओर पिछले वर्ष ही शिलाई गांव के शहीद प्रमोद नेगी ने कम उम्र में ही देश के लिए सर्वस्व न्योछावर किया तथा वर्ष 2023 में जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लोहा लेते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे।

लेखक : हेमराज राणा
स्वतंत्र लेखक, सिरमौर

जिसमें समझने और संजोग की बात की जाए, तो शहीद प्रमोद नेगी का जन्मदिन भी पंद्रह अगस्त को ही आता है। जिस दिन देश आजाद हुआ था,परंतु शहीद प्रमोद नेगी के शहादत के एक वर्ष बाद भी शिलाई के किसी भी संस्थान का नाम प्रमोद नेगी के नाम से नहीं किया गया है। यहां तक कि शहीद स्मारक तक का निर्माण नहीं हो पाया है, जिन शहीद स्मारकों से हर युवा एवं समाज हमेशा प्रेरित होता रहता है, परंतु ऐसे सामाजिक एवं महत्वपूर्ण विषय पर राजनीति से ऊपर उठकर स्थानीय जनता को भी आगे आने की जरूरत है, ताकि सरकार एवं प्रशासन से मिलकर आवाज को बुलंद करने का प्रयास किया जाएं, ताकि शहीद के प्रति हम सच्ची श्रद्धांजलि और सहयोग के सहभागी बन सकें।

तो वहीं स्थानीय विधायक एवं हिमाचल प्रदेश सरकार में उद्योग संसदीय कार्य मंत्री ठाकुर हर्षवर्धन चौहान से भी निवेदन और आग्रह रहेगा कि शिलाई के इन दोनों शहीद सैनिकों के नाम शिलाई में किसी संस्थान का नाम रखा जाएं, तो वहीं उनके शहीद स्मारकों का निर्माण भी जल्द से जल्द किया जाएं, उम्मीद करते हैं कि मंत्री महोदय इस गंभीर और चिंतनीय विषय पर जल्द कोई सकारात्मक कदम उठाएंगे एवं स्थानीय प्रशासन को आदेश करेंगे, ताकि भविष्य में उन शहीद परिवार के परिजनों के शायद कुछ दर्द एवं गम कम हो सकें और वह हमेशा उस संस्थान एवं स्मारकों में अपने बहादुर बेटे की यादें एवं तस्वीर को ताउम्र निहार एवं स्मरण कर सके। जैसा कि हाल ही में पंद्रह अगस्त को शहीद के परिजनों एवं स्थानीय लोगों ने पुन: इस विषय को मीडिया के माध्यम से सरकार एवं प्रशासन से उठाने का प्रयास किया है,जो कदाचित जनहित और देशहित में अतिआवश्यक भी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान
प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक समरजीत, समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी
आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN01099
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

न्यूज ब्रीफ

एसपी साक्षी वर्मा ने किया जोगिंद्रनगर का दौरा

अभिषेक शर्मा, जोगिंद्रनगर। जोगिंद्रनगर में कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की जिम्मेदारी है, लेकिन पंचायत प्रतिनिधी और जनता भी अगर अपना दायित्व निभाए तो कानून व्यवस्था को और भी मजबूत करने में सफलता मिलेगी। यह बातें मंडी की एसपी साक्षी वर्मा ने विकास खंड चौंतड़ा और द्रंग के पंचायत प्रतिनिधियों की बैठक को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि चोरी की वारदातों का भय क्षेत्र में इतना नहीं है जितना अराजक तत्वों की दहशत से सांप्रदायिक माहौल को खराब करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस की स्पैशल टास्क फोर्स जोगिंद्रनगर में बीते कई दिनों से तैनात है। क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अपराधिक घटनाओं को बढ़ावा देने वाले शरारती तत्वों को हरगिज बर्दास्त नहीं किया जाएगा। पंचायत प्रतिनिधियों की बैठक में उपमंडल में बढ़ती चोरी की वारदातों पर पूछे गए सवाल में पुलिस अधीक्षक मंडी साक्षी वर्मा ने कहा कि कुछ संदिग्धों को पुलिस थाने में तलब कर पूछताछ भी की गई है। प्रदेश और बाहरी राज्य के सक्रीय चोर गिरोह की अपराधिक पृष्ठ भूमि खंगाल कर उनसे भी पूछताछ जारी है। एक बजुर्ग से 50 हजार की छीना झपटी मामले में एक आरोपित को पुलिस ने दबोच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई अमल में लाई है। वहीं महिलाओं की सुरक्षा के अलावा हर वर्ग के लोगों को पुलिस की बेहतर कार्यप्रणाली पर भी आश्वस्त करने के लिए वह लगातार पंचायत प्रतिनिधियों के संपर्क में है।

पंकज ने पास की लेक्चरर फिजिक्स की परीक्षा

अनंत ज्ञान, करसोग। माहूंनाग के निवासी पंकज मल्होत्रा ने लेक्चरर फिजिक्स परीक्षा में सफलता हासिल की है। पंकज के पिता महेंद्र सिंह इतिहास के लेक्चर हैं और परिवार के अन्य सदस्य भी शिक्षा विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। पंकज ने करसोग कॉलेज से स्नातक डिग्री पूरी की और बीएड मॉडर्न एजुकेशन कॉलेज अन्नाडेल शिमला से पूरी की। हिमाचल प्रदेश विवि शिमला से एमएससी पूरी करके कड़ी मेहनत, समर्पण और उनके परिवार सहयोग से लेक्चर फिजिक्स की परीक्षा उत्तीर्ण की है।

जीएसटी के नए प्रावधानों पर हुई कार्यशाला

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। जोगिंद्रनगर में कारोबारियों को जीएसटी के नए प्रावधानों बारे जागरूक करने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन राज्य कर एवं आबकारी विभाग की सहायक आयुक्त संगीता गुरंग द्वारा जोगिंद्रनगर में किया गया, जिसमें कारोबारियों को जीएसटी काउंसलिंग द्वारा जीएसटी के तहत लिए गए नए निर्णयों तथा जीएसटी में किए गए नए संशोधनों बारे जानकारी मुहैया करवाई गई। गुरंग ने बताया कि हाल ही में हुई जीएसटी काउंसिल की बैठक में कई आवश्यक निर्णय लिए गए है। उन्होंने विस्तार से उन पर चर्चा की तथा कहा कि जीएसटीआर वन के सेक्शन 73 के तहत अब वर्ष 2017-2018, 2018-2019 तथा 2019-2020 के तहत जिन भी कारोबारियों को जीएसटी के बकाया डिमांड नोटिस तथा पनेल्टी के नोटिस जारी किए गए हैं, उन्हें जीएसटी कांउसिल द्वारा छूट देते हुए कहा है कि कारोबारी द्वारा डिमांड नोटिस की रकम का भुगतान अगर 31 मार्च 2025 से पहले कर दिया जाता है, तो उससे जुर्माना तथा ब्याज नहीं वसूला जाएगा।

चोरों की धरपकड़ के लिए पुलिस की गश्त जारी

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। जोगिंद्रनगर उपमंडल के अंर्तगत जोगिंद्रनगर थाना क्षेत्र के तहत आने वाली ग्राम पंचायत दारट-बगला में थाना प्रभारी जोगिंद्रनगर सकीनी कपूर ने स्थानीय जनता और पंचायत प्रधान जगदीश सोनी से मुलाकात की और चोर को जल्द पकड़ने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि चोरों की धरपकड़ के लिए पुलिस निरंतर नाकों और गश्त का संचालन कर रही है। पुलिस जल्द ही चोर गिरोह का पर्दाफाश करके आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचाएगी। उन्होंने कहा कि आम जनता से अपील की कि वे सतर्क रहें और अफवाहों पर ध्यान न दें।

23 अगस्त से 28 सितंबर तक एनएच-21 दो घंटे रहेगा बंद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। 23 अगस्त से लेकर 28 सितंबर तक बिंद्रावनी से पंडोह तक एनएच-21 सप्ताह में दो दिन बुधवार और शुक्रवार को दो घंटे के लिए प्रातः 11.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक वाहनों की आवाजाही के लिए पूर्ण बंद रहेगा। यह आदेश जारी करते हुए उपायुक्त मंडी एव अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण अपूर्व देवगन ने बताया कि एनएचएआई (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) की तरफ से प्रशासन को सूचित किया था कि बिंद्रावनी से लेकर पंडोह तक हाईवे पर बार-बार भूस्खलन हो रहा है और लटकते पत्थरों के कारण सड़क यात्रियों के लिए यात्रा करने का जोखिम बढ़ गया है। ऐसी परिस्थितियों में बिंद्रावणी से लेकर पंडोह तक हाईवे से लटकते पत्थरों को हटाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लोगों की सुरक्षा को देखते हुए एनएच-21 किरतपुर-मनाली को दो घंटे के लिए बंद रखने का निर्णय लिया गया है।

क्रीमी लेयर के विरोध में राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक अगस्त को दिए गए निर्णय में अनुसूचित जातियों और जनजातियों के आरक्षण में उप-वर्गीकरण और क्रीमी लेयर की अवधारणा लागू करने के खिलाफ विभिन्न संगठनों, राजनीतिक दलों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर विरोध दर्ज किया। इन संगठनों और कार्यकर्ताओं का एक सामूहिक प्रतिनिधिमंडल एसडीएम सरकाघाट, स्वाति डोगरा से मिला और उनके माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई है कि इस निर्णय के खिलाफ संविधान संशोधन विधेयक लाने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए। इस मौके पर अमी चंद, रणजीत सिंह, रमेश भारद्वाज, प्रकाश चंद दरोच, दीप कुमार संधु आदि उपस्थित थे।

उज्ज्वल महिला मंडल की महिलाएं लोगों को कर रही जागरूक

अनंत ज्ञान, पधर। तुंगल घाटी के साइगलू पंचायत के सात दिवसीय साइगलू नलवाड़ मेला में उज्ज्वल महिला मंडल कलोथर के द्वारा हर रोज अलग अलग माध्यम से लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। उज्ज्वल महिला मंडल कलोथर की महिलाओं द्वारा मेले के दौरान अपनी प्रस्तुति देकर मेले में आए हुए लोगों को जागरूक किया गया। महिलाओं द्वारा एक पेड़ मां के नाम, नशा मुक्त भारत एवं पुलवामा आतंकवादी हमले के ऊपर कार्यक्रम दिए गए, जिनके माध्यम से महिला मंडल ने लोगों को जागरूक किया। प्रधान सुनीता कुमारी ने बताया कि पर्यावरण को बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। आज की युवा पीढ़ी नशे के जाल में फंस रहे हैं और अपनी जिंदगी बर्बाद कर रहे हैं, इसलिए युवाओं को नशे के प्रति जागरूक होना होगा।

एफपीओ धर्मपुर ने किया पौधरोपण

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। एक पेड़ धरती मां के नाम अभियान के तहत बुधवार को भारत सरकार के कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग ने पौधरोपण दिवस का आयोजन देश भर में किया। उसी कड़ी में किसान उत्पादक संगठन एफपीओ धर्मपुर ने भी जोढन में पौधरोपण किया, जिसमें अध्यक्ष सत्तपाल चौहान, सचिव भूपेंद्र सिंह, हरदयालसिंह गुलेरिया आदि ने भाग लिया। एफपीओ के अध्यक्ष सतपाल और सचिव भूपेंद्र सिंह ने बताया कि धर्मपुर एफपीओ ने पौधरोपण की शुरुआत पिछले महीने से ही कर दी है और अभी तक एक हज़ार फलदार पौधे बागवानी विभाग डेढ़ हजार वन विभाग और दो सौ हर्बल गार्डन जोगिंद्रनगर से लेकर एफपीओ के सदस्यों के माध्यम से लगाए जा चुके हैं।

नवनियुक्त अध्यापक सीखेंगे पढ़ाई के गुर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में नवनियुक्त प्रशिक्षित कला स्नातक अध्यापकों के लिए 15 दिवसीय इंडक्शन प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है जो 4 सितंबर तक चलेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रारंभिक शिक्षा उपनिदेशक विजय गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर किया गया। उन्होंने कहा कि इस ट्रेनिंग से बहुत कुछ सीख करके जाएं और अनुभवों को अपने विद्यालय में जाकर अध्यापन में शामिल करें। डाइट प्रधानाचार्य एवं जिला परियोजना अधिकारी समग्र शिक्षा ने नवनियुक्त शिक्षकों का मार्गदर्शन किया।

संस्कृत गीत में मंडी स्कूल की आंचल प्रथम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। भाषा एवं संस्कृति विभाग जिला मंडी द्वारा हिमाचल प्रदेश राजकीय संस्कृत शिक्षक परिषद के सहयोग से बुधवार को संस्कृति सदन कांगणीधार मंडी में संस्कृत सप्ताह के उपलक्ष्य पर स्कूली छात्रों की संस्कृत प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला भाषाधिकारी प्रोमिला गुलेरिया एवं हिमाचल राजकीय संस्कृत शिक्षक परिषद के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. मनोज शैल ने द्वीप प्रज्वलित कर किया। संस्कृत प्रतियोगिताओं में मंडी नगर के 17 विद्यालयों के 63 छात्रों ने भाग लिया, जिनमें संस्कृत गीत, संस्कृत भाषण तथा संस्कृत ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं करवाई गईं। जिला भाषा अधिकारी प्रोमिला गुलेरिया ने कहा कि विश्व व प्रदेश में संस्कृत सप्ताह मनाया जा रहा है। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। संस्कृत गीत में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मंडी की आंचल शर्मा ने प्रथम, सरस्वती विद्या मंदिर की कुमकुम ने द्वितीय, गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल की तसकीन फातमा ने तृतीय रही। इसके अलावा अन्य कई प्रतियोगिताओं में स्टूडेंट्स ने पुरस्कार जीते।

पांगणा में गूंज रहे हैं गुग्गा गाथा के मार्मिक गीत

पीयूष शर्मा, करसोग

गुग्गा गाथा के मार्मिक गीत गाते हुए भक्तजन।

सतलुज घाटी के अंतर्गत सुकेत क्षेत्र में सिद्ध नाथ परंपरा के अंतर्गत गुग्गा छत्री की पूजा-अर्चना और गाथा गायन का प्रचलन रहा है। वास्तव में सुकेत रियासत की ऐतिहासिक राजधानी पांगणा, करसोग कस्बे के समीप ममलेश्वर महादेव मंदिर, चवासी गढ़ एवं पूर्ववर्ती मंडी रियासत के झुंगी क्षेत्र में सिद्ध नाथ परंपरा के दिग्दर्शन होते हैं।

सुकेत की राजधानी पांगणा में गुग्गा सिंहासनी के विग्रह को दिन भर कंधे पर उठाए घर-घर जाकर गुग्गा गाथा के गायन के साथ नाथ समुदाय बाग के लोग महीने भर इस समृद्ध प्राचीन परंपरा का निर्वहन कर रहे हैं। हर रात्रि में गुग्गा के प्रतिनिधि एवं अधीनस्थ देवों के गूर आसुरी शक्तियों का शमन करते हैं। गुग्गा गाथा का गायन हिमाचल में श्रावण पूर्णिमा से लेकर गुग्गा अष्टमी तक होता है और नवमी को मेले का आयोजन होता है, परंतु पांगणा के सिंहासनी गुग्गा भाद्रपद मास के एक पखवाड़े से लेकर पूरे महीने तक देव समुदाय की अनुपस्थिति में क्षेत्र के भ्रमण पर रहते हैं और कुचाली और द्वेषी शक्तियों से क्षेत्र का रक्षण करते हैं।

गुग्गा सिंहासनी की जन्म से जुड़ी गाथाएं, गोरख कुंडली, बहन बिछोड़ा, झेड़े (वीर गाथाएं) कई प्रकारांतर के साथ गाई जाती हैं। मार्मिक गाथाएं श्रोताओं को भाव विभोर कर देती है। गुग्गा जी के जन्म, चमत्कारों, जीवन की विशिष्ट घटनाओं पर आधारित इन गाथाओं को सुनने के बाद भक्त परिजन गुग्गा जी की पूजा-अर्चना कर ऋतुफल, अन्न, दानराशि व मिष्ठान अर्पित करते हैं। बदले में गुग्गा जी के पुजारी इसी थाली से अन्न की एक मुट्ठी लेकर गुग्गा जी, गुग्गी जी के देव रथों से स्पर्श कर पारिवारिक सुख समृद्धि और मनोकामना की पूर्ति की अरदास कर भक्त परिजनों को लौटा देते हैं, जिसे परिवार वाले विषम दानों की गणना के आधार पर प्रसाद रूप में आपस में वितरित कर ग्रहण करते हैं तथा शेष बचे दानों को अन्न-धन के कुठारों में सहेज कर रख देते हैं। (अनंत ज्ञान)

महामाया के आंगन में पहला गायन

सुकेत अधिष्ठात्री राजराजेश्वरी महामाया पांगणा के छह मंजिलें कलात्मक मंदिर के गर्भगृह से बाहर आकर पहला गायन महामाया के आंगन में होता है। आशीर्वाद के रूप में महामाया की चुनरी रूपी कवच प्राप्त धार, बाग, भुठा, नगराओं, घांघली, शाहल, बखोल, मलौहणी, सूंई, थाच, पज्याणु और बही सरही, कलाशन, चुराग, सोरता पंचायतों के गांव-गांव, घर-घर दुर्गम रास्तों से गुजरकर देव बाद्यों के साथ गुग्गा गाथा के गायन सुनाकर अंत में उप-तहसील मुख्यालय पांगणा बाजार में पहुंचते है।

सहस्राब्दियों से जीवित हैं गाथाएं

सुकेत संस्कृति, साहित्य और जन-कल्याण मंच पांगणा-सुकेत के अध्यक्ष डॉक्टर हिमेंद्र बाली का कहना है कि सुकेत में गुग्गा गाथा का प्रारंभ सृष्टि के आरंभ से मिलता है। गुग्गा सिद्ध नाथ परंपरा के राजपूत शासक हैं जिनके शौर्य की गाथाएं जनमानस में सहस्राब्दियों से जीवित हैं। सुकेत की राजधानी पांगणा में महीने भर भाद्रपद मास में गुग्गा गाथा का गायन नाथ संप्रदाय द्वारा होता है। संस्कृति मर्मज्ञ डॉ. जगदीश शर्मा का कहना है कि सुकेत की ऐतिहासिक नगरी पांगणा में सिद्ध नाथ परंपरा यहां के धार्मिक एवं सांस्कृतिक जीवन की परंपराओं को जीवंतता प्रदान करने में महत योगदान रहा है।

80 साल के बाद राजदेवता माधोराय के दरबार में पहुंचे देव बरनाग

नेहरू के निमंत्रण पर 1954 में गणतंत्र दिवस की परेड में भाग लेने दिल्ली पहुंचे थे देवता

अनिल शर्मा, मंडी

रियासत कालीन मंडी शिवरात्रि की जलेब में राजदेवता माधोराय की पालकी के साथ चलने वाले सनोरघाटी के देवता देव बरनाग बुधवार को 80 साल बाद मंडी पहुंचे। राजदेवता माधोराय के दरबार में हाजिरी लगाकर देवता ने राजदेवता के सामने शीश नवाया। इससे पूर्व देवता बरनाग अपने भंडार ज्वालापुर से सैकड़ों देवलुओं, बजंतरियों के साथ ढोल, नगाड़ों, करनाल, रणसिंगों और शहनाई के समवेत स्वरों पर झूमते हुए देव बरनाग का रथ चांदी की छड़ों, सूरज पंखों और छतरियों के साथ मंडी शहर में पहुंचा तो ऐसा आभास हुआ मानों एक बार फिर मंडी नगर में माधोराय की जलेब निकली हो।

देवता के रथ के आगे देवलु नाचते हुए राजदेवता माधोराय के मंदिर की ओर बढ़ रहे थे। इस दौरान बाजार में सड़क के दोनों ओर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे बाजार से गुजरते वाहनों का रास्ता भी कुछ देर के लिए अवरुद्ध हो गया।

80 साल के बाद राजदेवता माधोराय मंदिर के प्रांगण में देव बरनाग के रथ ने प्रवेश किया। इस दौरान लोगों की भारी भीड़ के बीच सर्व देवता सेवा समिति के पदाधिकारियों ने अध्यक्ष शिवपाल शर्मा की अगुवाई में देवता का स्वागत किया। बुधवार को देव बरनाग 80 साल के बाद मंडी के सन्याहरड वार्ड में निजी आमंत्रण पर देवता पधारे हैं। इस दौरान राजदेवता के दरबार भी पहुंचे, जहां देवता समिति की ओर से उनका स्वागत किया गया तथा माधोराय की ओर से देवता को भेंट भी दी गई। देव बरनाग के मुख्य कारदार पूर्व विधायक जवाहर ठाकुर ने बताया कि आजादी के बाद यह पहला मौका है, जब देवता मंडी शहर में किसी श्रद्धालु के निजी निमंत्रण पर आए हैं।

उन्होंने बताया कि देव बरनाग की भूमिका मंडी महाशिवरात्रि में बहुत महत्वपूर्ण रहती थी। मगर धूर विवाद के चलते रियासत काल में ही देवता ने महाशिवरात्रि मेलों में शिरकत करने से मना कर दिया। आज अस्सी साल के बाद देवता मंडी नगर में पधारे हैं। (अनंत ज्ञान)

गणतंत्र दिवस में भाग लेने दिल्ली पहुंचे थे देव बरनाग

देव बरनाग देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के निमंत्रण पर गणतंत्र दिवस की परेड में भाग लेने अपने रथ पर सवार होकर कई दिनों की पैदल यात्रा करते हुए दिल्ली पहुंचे थे। इसके बाद दिल्ली से अपने देवलुओं के साथ पैदल ही वापस लौटे थे। यह वर्ष 1954 की बात है, उन दिनों आवागमन के लिए आज की तरह वाहनों की सुविधा भी नहीं होती थी। दूसरा देवता का रथ गाड़ी के माध्यम से यात्रा नहीं करता था।

एसएचओ ने डीएवी पब्लिक स्कूल के बच्चों को किया मोटिवेट

अनंत ज्ञान, नेरचौक। डीएवी नेरचौक में मोटिवेशनल सत्र में मुख्य वक्ता के तौर पर एसएचओ बल्ह पुरुषोत्तम धीमान उपस्थित रहे। यह सत्र प्रार्थना सभा में प्रधानाचार्य प्रशांत शर्मा की उपस्थिति में हुआ। इसमें एसएचओ बल्ह ने बच्चों को संबोधित करते हुए उनसे नशे के दुष्प्रभावों और यातायात के नियमों पर विस्तार से बातचीत की। उन्होंने विद्यार्थियों को यातायात नियमों के बारे में बताते हुए कहा कि हमेशा वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमों का पालन करें। इसके साथ ही उन्होंने नशे के दुष्प्रभावों के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। प्रधानाचार्य ने इस मौके पर बल्ह थाना प्रभारी का आभार व्यक्त किया।

12 सितंबर को होगा एसपीयू का पहला दीक्षांत समारोह : अवस्थी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी के कुलपति प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने अपने संबोधन में कहा कि सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी का पहला दीक्षांत समारोह 12 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। प्रो. अवस्थी ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए अपना पहला दीक्षांत समारोह आयोजित करना एक महान और ऐतिहासिक क्षण होगा। कुलपति ने बताया कि हिमाचल प्रदेश के माननीय राज्यपाल और सरदार पटेल विश्वविद्यालय के कुलाधिपति शिव प्रताप शुक्ला इस अवसर पर मुख्यातिथि होंगे।

जोगिंद्रनगर घटना पर सोशल मीडिया पर डाली तस्वीरों से लोग भ्रमित

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। जोगिंद्रनगर पुलिस ने क्षेत्र में तीन व्यक्तियों की एक तस्वीर के बारे में फैलाई जा रही जानकारी बारे कहा कि इसे गलत तरीके से कथित चोरों के रूप में लेबल किया गया है, जिससे समुदाय में अनावश्यक चिंता और गलतफहमी पैदा हुई है। थाना प्रभारी सकीनी कपूर ने कहा कि तस्वीर में दिखाए गए व्यक्तियों की स्थानीय पुलिस विभाग द्वारा पूरी तरह से जांच की गई है। व्यापक सत्यापन प्रक्रिया के बाद पुष्टि की गई है कि ये व्यक्ति हमारे स्थानीय क्षेत्र के निवासी हैं और किसी भी अपराध गतिविधियों में शामिल नहीं हैं।

सिविल अस्पताल सुंदरनगर में शुरू हुई ओपीडी

उमेश भारद्वाज, सुंदरनगर

कोलकाता के मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ हुई निर्ममता के खिलाफ जारी डॉक्टरों की हड़ताल बुधवार सुबह समाप्त हो गई है। इसके अंतर्गत सिविल अस्पताल सुंदरनगर में भी डॉक्टर अपनी संबंधित ओपीडी में मरीजों का इलाज किया गया। इससे अब मरीजों ने राहत की सांस ली है। डॉक्टरों ने अपनी सेवाओं के दौरान काले बिल्ले लगाकर विरोध दर्ज कराया गया।

गौरतलब है कि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन और फेडरेशन ऑफ आल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन ने राष्ट्रव्यापी हड़ताल को हिमाचल मेडिकल आफिसर्स एसोसिएशन ने समर्थन दिया था। इसके अंतर्गत प्रदेश के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में बीते शनिवार सुबह 6 बजे से रविवार सुबह 6 बजे तक और इसके उपरांत हिमाचल मेडिकल आफिसर्स एसोसिएशन ने बीते रोज मंगलवार तक डॉक्टर्स ओपीडी बंद कर हड़ताल पर रहे। इस दौरान अस्पतालों में आपातकालीन सेवाएं जारी रहीं। (अनंत ज्ञान)

कर्ज लेकर मित्रों को घी पिला रहे मुख्यमंत्री सुक्खू : जयराम

अनंत ज्ञान, मंडी

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कर्मचारियों और पेंशनरों की मांगों का समर्थन करते हुए इनको जायज ठहराया है। प्रेस बयान में उन्होंने प्रदेश की कांग्रेस सरकार को विश्वासघाती और धोखेबाज करार दिया है। उन्होंने कहा कि चुनावों से पूर्व कांग्रेस नेताओं ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि हम सत्ता में आएंगे तो आउटसोर्स बंद कर पक्की नौकरी देंगे, लेकिन अब मुख्यमंत्री सार्वजनिक मंचों से ही कह रहे हैं कि हम इतने पद आउटसोर्स से भरने जा रहे हैं। हद तो तब हो गई है जब शिक्षकों के वेतन को लेकर कहा जा रहा है कि इनको देश में सबसे ज्यादा वेतन इस कार्य के लिए मिलता है। हैरानी की बात है कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों वाले प्रदेश में जब ये वर्ग बेहतरीन सेवाएं दे रहा है, तो उनको प्रोत्साहित करने के बजाय उनके ज्यादा वेतन को लेकर कटाक्ष किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चुनावों से पूर्व कांग्रेस पार्टी वायदे कुछ करती है और जब सत्ता में आती है तो फिर मुकर जाती है। इनके नेता कर्मचारी हितेषी होने का दंभ भरते हैं लेकिन जब कैबिनेट में इनके खिलाफ फैसले लिए जा रहे हैं तो वहां चुप्पी साध लेते हैं। ऐसे दोहरे चरित्र वाले नेता किसी का भला नहीं चाहते और सिर्फ सुर्खियां बटोरने के लिए बयानबाजी करते रहते हैं। ये पहली ऐसी सरकार है जो ऋण तो बेतहाशा ले रही है लेकिन न तो समय पर सैलरी मिल रही है और न डीए व एरियर घोषणा के बाबजूद दिया जा रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि लगता है मुख्यमंत्री ऋण लेकर घी अपने मित्रों को पिला रहे हैं, न तो प्रदेश में कोई विकास कार्य दिख रहे हैं और न खून पसीना बहाने वाले कर्मचारियों को पगार मिल रही है।

अध्यापकों की कमी पर शिक्षा मंत्री ने मिले कांग्रेसी

नूतन प्रकाश ठाकुर, बालीचौकी

सराज हल्के की वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला पंजाई में अध्यापकों के 14 पद रिक्त चल रहे हैं। इस मुद्दे को दैनिक अनंत ज्ञान समाचार पत्र ने प्रमुखता से उठाया था।

खबर छपते ही कांग्रेस नेता हरकत में आए और शिक्षा मंत्री से फरियाद लेकर उनके दरबार पहुंच गए। क्षेत्र में बच्चों की पढ़ाई और मामले की गंभीरता को समझते हुए सराज कांग्रेस के नेता एवं प्रदेश कांग्रेस विचार विभाग के चेयरमैन विजय पाल सिंह ने बुधवार को इस विषय पर प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर से मुलाकात की वह पंजाई पाठशाला में पिछले कुछ माह से अध्यापकों के रिक्त चल रहे पदों को भरने की मांग की। कांग्रेस नेता विजय पाल सिंह ने कहा कि शिक्षा मंत्री से इन्होंने पंजाई स्कूल के अलावा मिडल स्कूल घाट मुहाथ में शास्त्री और कला स्नातक मिडल स्कूल काउ में शास्त्री, मिडल स्कूल सारली में कला स्नातक, शास्त्री और कला अध्यापकों के रिक्त पदों को भरने की भी मांग की।

उन्होंने कहा कि रिक्त पदों को लेकर शिक्षा निदेशक से भी बात की गई, जिस पर शिक्षा निदेशक ने हाल ही मे नियुक्त नए शिक्षकों से इन खाली पदों पर भर्ती करवाने का आश्वासन दिया है। विजय ने कहा कि उनका प्रयास है कि सराज में शिक्षकों के तबादलों की जगह रिक्त पड़े पदों को भरा जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को पढ़ाई के लिए शहर न जाना पड़े। (अनंत ज्ञान)

अनंत ज्ञान ने प्रमुखता से उठाया था मामला

अनंत ज्ञान इंपैक्ट

पंजाई स्कूल में प्राध्यापकों के 14 पद खाली

नूतन ठाकुर, बालीचौकी। सराज हल्के के बालीचौकी उपमंडल के अंतर्गत आने वाली वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला पंजाई में काफी अर्से से प्राध्यापकों के 14 पद खाली चल रहे हैं, जिस कारण पाठशाला में पठन पाठन का कार्य बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। आलम यह है कि अध्यापकों की कमी के चलते छात्र अब इस स्कूल से अन्यत्र पलायन कर रहे हैं। पाठशाला में उक्त पद पिछले 1 वर्ष से खाली हुए हैं। पाठशाला में इस समय प्रवक्ता अँग्रेजी, फिजिक्स, हिस्ट्री, पॉलिटिकल साइंस, [illegible] वाणिज्य, आईपी, डीपीई के खाली चल रहे हैं। इसके अलावा शारीरिक [illegible] शास्त्री, व कम्प्यूटर टीचर के अलावा वरिष्ठ सहायक का पद भी [illegible] है। स्थानीय व्यक्ति एवं सराज भाजपा के मंडल अध्यक्ष भागीरथ [illegible] प्रदेश सरकार का सही में व्यवस्था परिवर्तन पंजाई स्कूल में हुआ [illegible] में ही आधे से ज्यादा अध्यापकों का तबादला कर स्कूल खाली कर [illegible] लोगों का कहना है कि अगर यही हाल रहा तो पाठशाला बंद होने के [illegible] पहुंच सकती है। वहीं कांग्रेस के स्थानीय नेता एवं पूर्व एसएमसी अध्यक्ष जगदीश ठाकुर का कहना है कि लंबे अर्से से पाठशाला में कार्यरत अध्यापकों ने समीपस्थ स्कूलों में अपने तबादले करवा दिए हैं, बावजूद इसके उन्होंने वरिष्ठ नेताओं को स्थिति बता दी है और शीघ्र ही खाली पदों को भरा जाएगा।(अनंत ज्ञान)

अनंत ज्ञान समाचार पत्र में प्रमुखता से उठाया गया मुद्दा।

बीएलओ मतदाता सूची को घर-घर जाकर करेंगे दुरुस्त : एसडीएम पधर

अनंत ज्ञान, पधर

भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों पर निर्वाचन नामावली को शुद्ध, त्रुटि रहित व अपडेट बनाए रखने के दृष्टिगत एसडीएम पधर हिमानी शर्मा की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में एसडीएम ने कहा कि द्रंग विधानसभा क्षेत्र में 8 सितंबर तक विशेष अभियान के अंतर्गत सभी बीएलओ द्वारा अपने-अपने मतदान केंद्र के अंतर्गत आने वाले सभी मतदाताओं के घर-घर जाकर मतदाता सूची को अपडेट किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत मतदाता सूची में एक अक्तूबर को 18 वर्ष या उससे अधिक आयु को प्राप्त कर चुके पात्र मतदाताओं व छूटे हुए मतदाताओं को मतदाता सूची में जोड़ा जाएगा तथा दोहरे पंजीकरण, मृत मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाएंगे। स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाताओं को मतदाता सूची से हटाना और शादी कर चुकी लड़कियों को मतदाता सूची से स्थानांतरित करना आदि कार्य भी इस विशेष अभियान के अंतर्गत किए जाएंगे।

उपलब्धि — दिल्ली व चंडीगढ़ भी चख रहा दिलदार सिंह के मछली फार्म में तैयार रेनबो ट्राउट का स्वाद

जोगिंद्रनगर के दिलदार प्रतिवर्ष 3 से 4 टन ट्राउट मछली का कर रहे उत्पादन

अभिषेक, जोगिंद्रनगर

टैंक में ट्राउट मछली पालन का दृश्य।

मंडी जिले के जोगिंद्रनगर उपमंडल की ग्राम पंचायत मसौली के गांव पहलून निवासी 57 वर्षीय दिलदार सिंह के लिए ट्राउट मछली पालन पारिवारिक आजीविका का मुख्य आधार बना है। वर्ष 2008 में महज दो टैंक निर्माण से ट्राउट मछली पालन का शुरू किया, उनका यह कार्य आज भी जारी है। वर्तमान में वह प्रतिवर्ष लगभग 3 से 4 टन रेनबो ट्राउट मछली का उत्पादन कर औसतन 3 से 4 लाख रुपए की शुद्ध आय सृजित कर रहे हैं।

दिलदार के ट्राउट मछली फार्म में तैयार रेनबो मछली का स्वाद हिमाचल प्रदेश के प्रमुख शहरों शिमला, धर्मशाला, पर्यटन नगरी मनाली के अतिरिक्त दिल्ली, चंडीगढ़ जैसे बड़े शहर भी चख रहे हैं। दिलदार का कहना है कि अस्सी के दशक से ही वे खेती-बाड़ी व पशुपालन से जुड़े रहे हैं। उन्होंने जीवन के शुरुआती दिनों में सब्जी एवं दुग्ध उत्पादन के माध्यम से परिवार की आर्थिकी को सुदृढ़ बनाने का कार्य शुरू किया।

वर्ष 2008 में जब उन्हें मत्स्य पालन विभाग की योजना की जानकारी मिली तो उन्होंने ट्राउट मछली पालन की दिशा में कदम बढ़ाए। सरकार की ओर से दो टैंक निर्माण एवं फीड इत्यादि के लिए उन्हें लगभग 55 हजार रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ। इसके बाद वर्ष 2012-13 में दो तथा वर्ष 2016-17 में भी दो अतिरिक्त टैंक निर्माण के लिए सरकार से आर्थिक मदद प्राप्त हुई। शुरुआती दौर में वह प्रतिवर्ष लगभग एक टन ट्राउट मछली का उत्पादन करने लगे। इसके बाद यह आंकड़ा बढ़कर डेढ़ से दो टन तथा वर्तमान में लगभग 3 से 4 टन तक पहुंच चुका है। उनका कहना है कि रेनबो ट्राउट मछली पालन से वे प्रति वर्ष औसतन 3 से 4 लाख रुपए की शुद्ध आय सृजित कर पा रहे हैं। अब वे ट्राउट मछली का बीज स्वयं तैयार करते हैं।

दिलदार सिंह को वर्ष 2014 में प्रगतिशील किसान के नाते जिला स्तर पर सर्वश्रेष्ठ किसान पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। इस दौरान उन्हें 10 हजार रुपये का नकद इनाम तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया है। (अनंत ज्ञान)

ग्लोबल वार्मिंग का पड़ रहा प्रभाव

दिलदार सिंह का कहना है कि ग्लोबल वार्मिंग का असर ट्राउट मछली उत्पादन पर भी देखा जा रहा है। जल्दी पिघलते ग्लेशियरों के कारण गत वर्षों के मुकाबले पानी की ठंडक लगातार कम हो रही है। पानी का तापमान बढ़ने से ट्राउट मछलियों के विकास में असर पड़ता है। इसके अलावा फंगस सहित अन्य बीमारियों का भी खतरा बना रहता है।

क्या कहते हैं अधिकारी

सहायक निदेशक मात्स्यिकी विभाग मंडी नीतू सिंह का कहना है कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत सरकार ट्राउट मछली पालन इकाई स्थापित करने को आर्थिक मदद प्रदान कर रही है। एक ट्राउट मछली उत्पादन इकाई को क्रियाशील बनाने के लिए जलाशय सहित अन्य जरूरतों के लिए अनुमानित साढ़े पांच लाख रुपए का खर्च आता है। जिसके लिए सरकार कुल लागत का सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को 40 प्रतिशत, जबकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं महिलाओं के लिये 60 प्रतिशत का अनुदान मुहैया करवा रही है।

न्यूज ब्रीफ

कृष्णानगर में रखी पेयजल भंडारण टैंक की आधारशिला

अनंत ज्ञान, अंब। चुनावों के समय जनता से किए गए वादों को क्रम बार पूरा किया जा रहा। भले पीने के पानी की समस्या का हो, पहाड़ी बेल्ट में खेतों के लिए सिंचाई की सुविधा हो, यह बात सुदर्शन सिंह बबलू ने बुधवार को जोल के कृष्णानगर में पेयजल भंडारण टैंक की विधिवत रूप से पूजा अर्चना करने के उपरांत जनसभा को संबोधित करते हुए कही। विधायक सुदर्शन सिंह बबलू ने कहा कि चिंतपूर्णी विधानभा क्षेत्र में चरणबद्ध तरीके से पेयजल समस्या को दूर करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

सुदर्शन बबलू जनता दरबार में कल सुनेंगे समस्याएं

अनंत ज्ञान, अंब। चिंतपूर्णी के विधायक सुदर्शन सिंह बबलू 23 अगस्त को विश्रामगृह भरवाईं में जनता दरबार लगाकर जनसमस्याएं सुनेंगे। उनके निजी सचिव राम कुमार सोनी ने बताया कि शुक्रवार सुबह 11 बजे आयोजित जनता दरबार के दौरान विधायक सुदर्शन सिंह बबलू के साथ सभी विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वह अपनी किसी भी समस्या का निवारण करवाने के लिए क्षेत्र के विधायक से विश्रामगृह भरवाईं में मिल सकते हैं।

ब्लॉक स्तर पर कर्मचारी वर्ग की मांगों पर चर्चा

अनंत ज्ञान, हरोली। अराजपत्रित कर्मचारी संघ ब्लॉक हरोली की बैठक अध्यक्ष हरजिंद्र सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में ब्लॉक पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। जिला अराजपत्रित कर्मचारी संघ के अध्यक्ष रजनीश शर्मा ने भी बैठक में शिरकत की। बैठक में ब्लॉक की ओर से जिला स्तर की मांगें भेजने बारे विस्तार से चर्चा की गई। अध्यक्ष हरजिंद्र सिंह ने कहा कि सरकार कर्मचारी हित में निर्णय ले रही है। प्रदेश में आई आपदा के बीच कर्मचारी वर्ग सरकार के साथ है। उन्होने तमाम विभागों के कर्मचारियों की मांगों को सुना। आवश्यक मांगों को लेकर प्रस्ताव तैयार किया गया, जिसका हल करवाने के लिय मांगों को जिला अराजपत्रित कर्मचारी संघ को भेजा जाएगा। एनजीओ जिला अध्यक्ष रजनीश शर्मा ने संघ के सभी ब्लॉक अध्यक्षों से जल्द अपनी अपनी मांगों को जिला स्तर पर सौंपने को कहा है, ताकि जल्द ही जेसीसी की मीटिंग बुलाई जा सके। बैठक में जैजों हादसे को लेकर शोक व्यक्त किया गया है और उनके परिजनों के प्रति संवेदना जताई गई । बैठक में संघ प्रतिनिधि प्रेम जसवाल, राजीव पाठक, मुकेश, राजकुमार, विनय, अजय, बेअंत सिंह आदि ने भाग लिया।

शिक्षण संस्थानों में रैगिंग कानूनन अपराध : प्रदीप

अनंत ज्ञान, गगरेट। डॉ. बीआर अंबेडकर बहुतकनीकी संस्थान अंबोटा में विद्यार्थियों को सुरक्षित व भयमुक्त माहौल प्रदान करने के लिए मंगलवार को एंटी रैगिंग कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता कमेटी के चेयरमैन एवं संस्थान के प्रिंसीपल प्रदीप कुमार ने की, जबकि कमेटी के तमाम सरकारी व गैर सरकारी सदस्यों ने भी बैठक में भाग लिया। कमेटी के चेयरमैन एवं प्रिंसिपल प्रदीप कुमार ने कहा कि यूनीवर्सिटी ग्रांट कमीशन एक्ट के तहत प्रत्येक उच्च शिक्षण संस्थान में एंटी रैगिंग कमेटी व एंटी रैगिंग क्वायड का गठन अनिवार्य है। संस्थान में आने वाले किसी भी विद्यार्थी के साथ रैगिंग के नाम पर अत्याचार न हो, इसे रोकना भी कमेटी का प्रथम कर्तव्य है। रैगिंग करना कानूनी तौर से भी अपराध की श्रेणी में रखा गया है, जिसके लिए सख्त सजा का भी प्रावधान है। उन्होंने कहा कि संस्थान के किसी विद्यार्थी को शारीरिक या मानसिक रूप से प्रताड़ित करना रैगिंग की श्रेणी में आता है और इसकी शिकायत आने पर ऐसे विद्यार्थी के विरुद्ध पुलिस में मामला दर्ज हो सकता है। उन्होंने कहा कि एंटी रैगिंग कमेटी की साल में एक बार बैठक होना अनिवार्य है, इसलिए ही इस बैठक का भी आयोजन किया गया है। बैठक में कमेटी के तमाम सदस्य मौजूद रहे।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण

विवेक शर्मा, अंब। राजकीय महाविद्यालय चिंतपूर्णी ऊना में एंटी करप्शन फाउंडेशन के सहयोग से राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त प्रवक्ता डॉ. देवकला द्वारा की गई। पौधरोपण से पहले उन्होंने सभी बच्चों को पर्यावरण के संरक्षण के लिए पौधों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बच्चों से आग्रह किया कि पर्यावरण को बचाने के लिए वह एक पौधा जरूर लगाएं बल्कि उसका संरक्षण भी करें। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य ने ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते दुष्प्रभावों के बारे में बताते हुए बच्चों को कहा कि वह अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाएं। इस अवसर पर राजकीय महाविद्यालय चिंतपूर्णी के स्टाफ सहित समस्त छात्र मौजूद रहे।

आलू उत्पादकों को धोखाधड़ी से बचाने के लिए बनेगी सशक्त व्यवस्था : मुकेश अग्निहोत्री

राजेश शर्मा, ऊना

उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि ऊना जिले के आलू उत्पादकों की फसलों की सुरक्षित और चिंतामुक्त बिक्री सुनिश्चित करने के लिए एक सशक्त व्यवस्था बनाई जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने यह बात बुधवार को पंडोगा में जन समस्याओं की सुनवाई के दौरान कही। उपमुख्यमंत्री ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। सरकार ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए हिम उन्नति योजना लागू की है, जिसके लिए 150 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया है। प्राकृतिक रूप से उगाए गए गेहूं और मक्की को क्रमश: 40 रुपए और 30 रुपए प्रति किलोग्राम के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जाएगा, जो देशभर में सबसे अधिक है।

पंडोगा-पंजावर सड़क के सुधार-विस्तार कार्य पर खर्चे जाएंगे 11 करोड़ : हरोली विधानसभा क्षेत्र में पंडोगा-पंजावर सड़क के सुधार और विस्तार कार्य पर 11 करोड़ रुपए व्यय किए जाएंगे। यह परियोजना क्षेत्र की भविष्य की यातायात आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए की जा रही है और इससे 15,000 से अधिक आबादी को सीधा लाभ होगा।

उन्होंने कहा कि पंडोगा गांव में 3 करोड़ रुपए की लागत से आम रास्ते और पुलिस चौकी के लिए दो पुलियों का निर्माण किया जा रहा है, साथ ही, 2.37 करोड़ रुपये की लागत से पंडोगा में बाढ़ नियंत्रण और बस्ती के साथ सुरक्षा दीवार का निर्माण किया जा रहा है, जिससे करीब 100 परिवारों को लाभ मिलेगा। उन्होंने पंडोगा के जैलदार मोहल्ले में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। अपने दौरे के दौरान, उपमुख्यमंत्री ने खड्ड गांव स्थित प्राचीन श्री शेष नाग मंदिर में माथा टेका और जिला एवं प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की।

ये रहे मौजूद : इस दौरान ऊना जिला कांग्रेस के अध्यक्ष रणजीत राणा, प्रदेश परिवहन निगम के निदेशक मंडल के सदस्य धर्मेंद्र धामी, पंडोगा के पूर्व प्रधान मनीष कंग, उपप्रधान गुरपाल, पूर्व पंचायत समिति सदस्य अमित ठाकुर, ईसपुर ट्रक यूनियन के प्रधान पंकज दत्ता, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा पार्टी कार्यकर्ता उनके साथ रहे। (अनंत ज्ञान)

पंडोगा क्षेत्र का जायजा लेते उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री।

रामपुर पुल का निरीक्षण

मंगलवार देर शाम, उपमुख्यमंत्री ने ऊना के समीप रामपुर-संतोषगढ़ सड़क पर भारी बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुए पुल का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को पुल की जल्द से जल्द मरम्मत के निर्देश दिए, ताकि यातायात सुचारु रूप से चल सके।

विकास परियोजनाओं का किया निरीक्षण

इसके बाद, उपमुख्यमंत्री ने पंडोगा, खड्ड और पनेड़ा क्षेत्र में खड्डों और नालों के तटीकरण कार्यों समेत अन्य विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने आठवाईं खड्ड पर 3.35 करोड़ और खड्ड गांव में 6.90 करोड़ से किए जा रहे बाढ़ नियंत्रण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने इन कार्यों को समय पर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, उपमुख्यमंत्री ने पनेड़ा में चेक डैम का दौरा करते हुए डैम से सिल्ट हटाने और उसकी मरम्मत की जरूरत को भी प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए।

कुठारबीत स्कूल का उपनिदेशक ने किया निरीक्षण, जांची व्यवस्थाएं

कुठारबीत की प्रार्थना सभा में मौजूद शिक्षा उपनिदेशक व अन्य।

अनंत ज्ञान, ऊना

शहीद मनोहर लाल राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कुठारबीत में शिक्षा उपनिदेशक राजिंद्र कौशल एवं उनकी टीम ने निरीक्षण किया। निरीक्षण टीम प्रार्थना सभा से पहले विद्यालय में पहुंच गई थी। उन्होंने प्रार्थना सभा का अवलोकन किया। उन्होंने पाया कि बच्चे बहुत ही अनुशासन पूर्ण तरीके से प्रार्थना सभा में पहुंचे। प्रार्थना के समय स्कूल के प्रधानाचार्य वीरेंद्र चन्देल ने प्रतिदिन की भांति हारमोनियम से बहुत ही सुंदर प्रार्थना करवाई।

प्रार्थना सभा के दौरान उपनिदेशक ने अपने अनुभवों को बच्चों के साथ साझा करते हुए उन्हें जीवन जीवन में सफल होने के मूल मंत्र बताए। उन्होंने बच्चों को बताया कि अपने दिन की शुरुआत कैसे करें। सबसे पहले सुबह पांच बजे उठकर शुरुआत माता-पिता का आशीर्वाद लें। इसके बाद दिन की शुरुआत करें। बच्चों को उन्होंने यह भी समझाया कि मोबाइल से दूर रहें। उन्होंने कहा कि कुठारबीत स्कूल की प्रार्थना सभा समस्त ऊना जिला के स्कूलों से सर्वश्रेष्ठ है।

इसके उपरांत उन्होंने स्कूल के रिकॉर्ड की जांच की और सब कुछ सही पाया और कुछ आवश्यक दिशा निर्देश दिए। प्रधानाचार्य अतुल सूद और मुख्याध्यापक टीम के रूप बीईईओ जोगिंद्र पॉल, विजय कुमार निरीक्षण में विद्यालय पहुंचे थो। प्रधानाचार्य वीरेंद्र चंदेल ने बताया कि यह निरीक्षण बहुत ही सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। इस अवसर समस्त स्टॉफ सदस्य मौजूद रहा।

उपायुक्त ने किया बैंबू विलेज परियोजना घंडावल का निरीक्षण

बैंबू विलेज परियोजना घंडावल का निरीक्षण करते डीसी जतिन लाल।

अनंत ज्ञान, ऊना

उपायुक्त जतिन लाल ने ऊना के घंडावल का दौरा कर वहां निर्माणाधीन बैंबू विलेज परियोजना का निरीक्षण किया। उन्होंने परियोजना के तहत बैंबू प्रोसेसिंग यूनिट का दौरा किया तथा वहां प्रगति का जायजा लेने के साथ कार्यों को गति देने को लेकर आवश्यक मार्गदर्शन किया।

बता दें केंद्रीय बैंबू मिशन के तहत ऊना के घंडावल में करीब 5 करोड़ रुपए लागत की इस बैंबू विलेज परियोजना में प्रसंस्करण इकाई, टूथ ब्रश तथा फर्नीचर तथा बांस का अन्य सजावटी सामान बनाने की इकाई स्थापित करने समेत अन्य कार्य किए जा रहे हैं। यह परियोजना पर्यावरणपूरक जीवनशैली को प्रोत्साहित करने, लोगों को प्राकृतिक उत्पाद उपलब्ध कराने तथा स्थानीय स्तर पर महिलाओं को रोजगार के अवसर देने को समर्पित है।

उपायुक्त ने इसके बाद बताया कि बैंबू विलेज परियोजना का अधिकतर कार्य पूरा कर लिया गया है। वहां टूथब्रश बनाने के लिए करीब एक करोड़ की मशीनरी लगाई गई है। बांस के उत्पाद बनाने को लेकर महिलाओं को प्रशिक्षण भी दिया गया है। जल्द ही इस परियोजना को क्रियाशील किया जाएगा।

पीडीसीए चक्र पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत

अनंत ज्ञान, ऊना

हिमाचल प्रदेश फसल विविधीकरण परियोजना (चरण-द्वितीय) के अंतर्गत हमीरपुर स्थित राज्य परियोजना प्रबंधन इकाई में 21 अगस्त से जिला परियोजना प्रबंधक इकाई वार चार दिवसीय 'पीएमयू स्टाफ के लिए पीडीसीए चक्र पर अवधारणात्मक प्रशिक्षण' कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य परियोजना में शामिल कृषि प्रसार अधिकारियों को पीडीसीए चक्र (योजना-कार्य-निरीक्षण-कार्रवाई) के सिद्धांतों और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोग के बारे में प्रशिक्षित करना है। पीडीसीए चक्र एक महत्वपूर्ण प्रबंधन पद्धति है, जो काम की गुणवत्ता को निरंतर बेहतर करने और परियोजना के उद्देश्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त करने में सहायता प्रदान करती है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए परियोजना निदेशक, डॉ. सुनील चौहान ने पीडीसीए चक्र के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कृषि प्रसार अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे किसानों के हित के अनुसार उनकी समस्याओं को ध्यान में रखकर अपने कार्यों का निष्पादन करें ताकि किसान और आपके बीच में कोई ऐसा अंतर न रहे जिससे वे आपके बताए रास्ते में न चलें। जितना आप किसानों के बीच में रहेंगे, उतने ही आप किसानों की समस्याओं का निपटान और बेहतर तरीके से कर पाएंगे। उन्होंने कार्यों को तेजी से और प्रभावी ढंग से, प्रत्येक गतिविधि का सही तरीके से दस्तावेजीकरण करें और परियोजना की योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए किसानों के बीच जागरूकता बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि परियोजना के महत्वपूर्ण हस्तक्षेप, जैसे पीएमवीआरपी और जायका वेजिटेबल गार्डन, किसानों की आय और कृषि उत्पादकता को बढ़ाने में सहायक हैं, इसलिए इनके सफल क्रियान्वयन के लिए विस्तार अधिकारियों को पूरी जिम्मेदारी के साथ काम करना होगा।

हिमाचल प्रदेश फसल विविधीकरण परियोजना के तहत कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागी।

डॉ. चौहान ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि 'जैसा कि सभी जानते हैं इस परियोजना के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए हर गतिविधि को पीडीसीए चक्र की रणनीति के तहत योजना बनाकर, कार्यान्वित करके, जांच कर और सुधारात्मक कार्रवाई करके पूरा किया जाएगा।' उनका यह संदेश अधिकारियों के लिए एक स्पष्ट मार्गदर्शन था कि परियोजना की प्रत्येक गतिविधि को सुनियोजित तरीके से संचालित करना आवश्यक है, जिससे लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित हो सके।

प्रशिक्षण के पहले दिन कई महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा की गई। इनमें परियोजना के वर्तमान कार्यान्वयन की स्थिति, पीडीसीए चक्र का व्यावहारिक अनुप्रयोग, और फील्ड में विस्तार अधिकारियों की भूमिका और जिम्मेदारियों पर विचार-विमर्श शामिल था। इसके अलावा, मॉडल उप-परियोजनाओं के चयन के मापदंडों पर भी चर्चा हुई, ताकि फसल विविधीकरण योजनाओं को सही ढंग से लागू किया जा सके।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में परियोजना के वरिष्ठ सलाहकार, वित्त अधिकारी, उप परियोजना निदेशक,जिला परियोजना प्रबंधक, विषय वाद विशेषज्ञ और परियोजना से जुड़े अन्य प्रमुख अधिकारी भी शामिल हुए। यह कार्यक्रम हिमाचल प्रदेश के किसानों की आय बढ़ाने, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने और कृषि उत्पादकता को सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

क्लब ने वरिष्ठ नागरिकों को समाज में उनकी अनुकरणीय सेवाओं के लिए किया सम्मानित

अनंत ज्ञान, ऊना

इन्नर व्हील क्लब ऊना द्वारा विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर बुधवार को संयुक्ता चौधरी हिमोत्कर्ष महिला प्रशिक्षण संस्थान ऊना में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इन्नर व्हील क्लब ने 97 वर्षीय बुजुर्ग महिला सहित तीन वरिष्ठ नागरिकों को समाज में उनकी अनुकरणीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया।

इन्नर व्हील क्लब की प्रधान रमा कंवर ने कहा कि विश्व भर में वृद्ध व्यक्तियों के सामने आनी वाली चुनौतियों व मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हर वर्ष इस दिवस को मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों की सेहत में गिरावट व बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार जैसे मसलों पर सिविल सोसायटी का ध्यान आकर्षित कर इसके समाधान के लिए प्रयास होने चाहिएं। वरिष्ठ नागरिक हमारे समाज की धरोहर हैं, जिन्होंने अपना जीवन समाज के उत्थान व विकास के लिए लगाया है। उनके अनुभवों का लाभ हमारी आने वाली पीढ़ियां व युवाओं को लगातार मिलता है। उन्होंने कहा कि हमें अपने माता-पिता व बुजुर्गों का ध्यान रखना चाहिए तथा उनके साथ अधिक से अधिक समय व्यतीत करना चाहिए।

क्लब की सचिव शोभा सोनी ने वरिष्ठ नागरिकों के साथ अच्छा व्यवहार करने तथा उनकी बेहतर ढंग से देखभाल सुनिश्चित करने का भी आह्वान किया। कार्यक्रम को क्लब की पूर्व प्रधान जतिंद्र कौर व अमरजीत बबली ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर क्लब प्रधान रमा कंवर, सचिव शोभा सोनी,पूर्व प्रधान सुमन पुरी, तेजिंद्र कौर,मीरा मेहता, अमरजीत बबली, सुनीता शर्मा, हिमोत्कर्ष प्रदेश महासचिव यशपाल ठाकुर, संस्थान की उपप्रधानाचार्य रंजु, प्रशिक्षिका मीना ठाकुर, निशा, सोनिया, कमला व संस्थान की छात्राएं उपस्थित थीं।

सम्मानित वरिष्ठ नागरिकों के साथ अन्य गणमान्य।

युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बने ऊना के अंशुल

अनंत ज्ञान, ऊना

देशभर के युवा कर रहे यू-ट्यूब पर फॉलो

पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश के साफ्टवेयर इंजीनियरस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के मौजूदा दौर में स्वयं को किस प्रकार से एआई जॉब्स के लिए तैयार कर सकते हैं। इसके लिए मूलतब ऊना जिला के युवा व विश्व की नामी कंपनी एमेजान में कार्यरत, आईआईटी बॉम्बे से बीटेक मेकेनिकल इंजीनियर अंशुल सांभर ने मशीन लर्निंग रोडमैप तैयार किया है। अंशुल ने इसे अपने यू-ट्यूब चैनल पर भी अपलोड किया है। अंशुल की इस पोडकॉस्ट को 82 हजार से अधिक व्यूज मिल चुके है, जबकि हजारों लोगों ने इसे लाइक भी किया है। ऊना निवासी अंशुल सांभर के पोडकास्ट से प्रेरित होकर देश भर से युवा उसे संपर्क कर रहे है तथा एआई बूम के चलते न्यू एमर्जिंग जाब फील्ड के बारे में मार्गदर्शन प्राप्त कर रहे है।

आईआईटी बॉम्बे के एल्युमनी अंशुल सांभर ने हिमाचल प्रदेश व देश के छोटे शहरों से साफ्टवेयर इंजीनियरिंग में करियर खोज रहे असंख्य युवाओं की मदद के लिए मशीन लर्निंग रोडमैप तैयार किया है। इसमें युवाओं को गाइड किया गया है कि वह एआई के मौजूदा दौर में किस प्रकार से स्वयं को स्किल कर सकते हैं, जिससे वह एआई बूम के दौर में जाब मार्केट में कंपीट कर पाएं। मूलत: ऊना जिले से संबधित अंशुल सांभर एक होनहार युवा प्रोफेशनल हैं। ऊना के रोटरी गली का निवासी अंशुल सांभर बचपन से ही मेधावी छात्र रहा है। उसे दसवीं व जमा एक कक्षाओं में एनटीएसई व केवीपीवाई छात्रवृत्ति प्राप्त हुई, वहीं उसने चंडीगढ़ के श्रीगुरु गोबिंद सिंह सीनियर सेकेंडरी स्कूल से जमा दो कक्षा 95.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की।

इसके बाद जेईई एडवांस टेस्ट में देशभर में 436वां स्थान अर्जित कर सफलता की सीढ़ी चढ़ते गए। अंशुल सांभर ने आईआईटी बॉम्बे से 9.23 टाप ग्रेड से बीटेक मेकेनिकल की डिग्री हासिल करने के उपरांत बार्कलेज मुंबई में 18 माह तक रिस्क एनेलिस्ट के रूप में कार्य किया। वहीं, पिछले अढ़ाई वर्ष से बेंगलूरू में एमेजान में रिसर्च साइंटिस्ट के रूप में कार्य कर रहे हैं।

बाथू-बाथड़ी बाढ़ दुर्घटना पर 10 दिन में रिपोर्ट सौंपेगी कमेटी

अनंत ज्ञान, ऊना। उपायुक्त जतिन लाल ने कहा कि बाथू-बाथड़ी बाढ़ दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए गठित अंतर विभागीय कमेटी 10 दिनों में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। उन्होंने कहा कि यह समिति हरोली के बाथू-बाथड़ी में 11 अगस्त को आई भयंकर बाढ़ से उत्पन्न परिस्थितियों की जांच तथा खड्ड का रास्ता बाधित होने जैसी वजहों से बाढ़ के विकराल रूप लेने समेत सभी पहलुओं का गहन विश्लेषण कर अपनी रिपोर्ट देगी।

एडीसी ऊना महेंद्र पाल गुर्जर की अध्यक्षता में गठित इस कमेटी में एसडीएम हरोली, संयुक्त निदेशक उद्योग, बीडीओ हरोली व खनन अधिकारी को सदस्य बनाया गया है। बता दें, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने बाथू-बाथड़ी बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के अपने दौरे में जिला प्रशासन को अंतर विभागीय कमेटी बनाने तथा बाढ़ का पता लगा कर रिपोर्ट सौंपने को कहा था।

सम्मान शुक्राना फुटबाल अकादमी खड्ड की महिला खिलाड़ी पुरस्कृत, मिले 15 हजार

प्रधानमंत्री के सामने भी कर चुकी हैं प्रदर्शन

अनंत ज्ञान, ऊना

शुक्राना फुटबाल अकादमी खड्ड ऊना की 6 महिला खिलाड़ियों को हिमाचल युवा सेवाएं व खेल विभाग द्वारा कैश पुरस्कार 15000 रुपए प्रति खिलाड़ी प्रदान किया गया। शुक्राना फुटबाल अकादमी खड्ड ऊना एक बार प्रदर्शनी मैच कटरा (जम्मू) में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने खेल चुकी हैं। शुक्राना फुटबाल अकादमी खड्ड 2015 में आरंभ हुई थी।

महिला फुटबाल में तीस से ऊपर खिलाड़ी सीनियर नेशनल, जूनियर नेशनल और सब जूनियर नेशनल खेल चुकी हैं। शुक्राना फुटबाल अकादमी खड्ड की मीनू दत्ता, रिया शर्मा, सुरीया, परवीन प्रियंका दत्ता, प्रेरणा दत्ता, हर्षिता सभी पेशेवर फुटबाल क्लब डॉन बोस्को केरल और चर्चिल गोवा जैसे टीम से खेल चुकी हैं। पंजाब के कई टूर्नामेंट मे विजेता होने का गौरव हासिल हुआ है। पहला इंटर कॉलेज के विजेता होने का गौरव भी इसी अकादमी की टीम के 12 खिलाड़ियों को जाता है। एनएचपीसी से दो खिलाड़ी मीनू दत्ता और सुरिया कुमारी को तीन साल तक लगातार 10,000 प्रति महीना मिलता रहा। ऑल इंडिया एमआर महिला फुटबाल टूर्नामेंट भी इसी अकादमी की टीम ने जीता।

15000 रुपए हिमाचल सरकार ने रिया शर्मा, मीनू दत्ता, सुरीया, सुमन कुमारी, अदिती भाटिया, प्रिया को प्राप्त हुआ। इसका सारा श्रेय सभी खिलाड़ियों ने दीपक शर्मा फुटबाल कोच को दिया क्योंकि रात दिन वह हमें मेहनत कराते हैं। उनकी पत्नी नंदिता शर्मा हर कदम पर हमें हमेशा प्रोत्साहित करती हैं। नंदिता शर्मा ने इसके लिए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह और युवा सेवा में खेल विभाग का आभार प्रकट किया है।

शुक्राना फुटबाल अकादमी खड्ड के कई खिलाड़ी ब्वॉयज भी संतोष ट्रॉफी, जूनियर नेशनल और सब जूनियर खिलाड़ी खेल चुके हैं। नंदिता शर्मा ने बताया कि तीन अकादमी खड्ड गांव मे चल रही हैं जो कि फुटबाल खेल के लिए एक अच्छी बात है। तीन अकादमियों मे 170 से अधिक बच्चे फुटबाल खेल रहे।

शुक्राना फुटबाल अकादमी खड्ड की महासचिव ने यह जानकारी प्रदान की। सपना देवी सामाजिक कार्यकर्ता, पूनम दत्ता, पूर्व प्रधान पंचायत, जितनेंद्र सैनी, सुखविंदर सैनी, सुरेश मान, अश्वनी दत्ता पूर्व प्रधान ग्राम पंचायत खड्ड, राजकुमार दत्ता, अरुण दत्ता, कमल भाटिया, नरेंद्र हीर, अजय दत्ता, विजय दत्ता, भूषण, सुरेंद्र, पुनीत दत्ता, मेहताब सिंह, अमित ठाकुर, साहिल ठाकुर, मयंक पंडित, राजेश कुमार, एसएमसी खड्ड स्कूल, विजय कुमार शर्मा, जय दत्ता, कंवर विक्रम कुमार, स्वर्ण चौधरी, कृष्ण कुमार, जसविंदर कौर, सुनील चौधरी डीपी, जगदीश सेवानिवृत्त शारीरिक शिक्षक सभी ने खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

शुक्राना फुटबाल अकादमी खड्ड की महिला खिलाड़ी जो कि पुरस्कृत की गई।

न्यूज ब्रीफ

सत्यापन के कार्यक्रम आरंभ, 8 तक चलेगा

कुल्लू। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी कुल्लू तोरुल एस रवीश ने बताया कि यदि किसी निर्वाचक की प्रविष्टि में किसी प्रकार की कोई अशुद्धि है, तो उसे ठीक करने के लिए प्रारूप-8 के माध्यम से कार्रवाई की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त कुल्लू तोरुल एस रवीश ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावली को शुद्ध एवं त्रुटि रहित व अद्यतन बनाए रखने के उद्देश्य से बूथ लेवल अधिकारियों की ओर से 20 से अपने मतदान क्षेत्र के अंतर्गत घर-घर जाकर फोटोयुक्त मतदाता सूचियों में विद्यमान प्रविष्टियों के सत्यापन का कार्यक्रम आरंभ किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम 8 सितंबर तक चलाया जाएगा। इस दौरान बूथ लेवल अधिकारियों की ओर से घर के मुखिया की सहायता से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि परिवार के समस्त पात्र सदस्यों के नाम मतदाता सूची में दर्ज हैं तथा दर्ज समस्त सदस्यों का विवरण सही है। एक अक्तूबर की अर्हता तिथि के आधार पर मतदाता सूचियों में पंजीकरण के लिए छूटे हुए योग्य नागरिकों की पहचान कर उनके नाम मतदाता सूची में सम्मिलित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

25 से होगी टांकरी लिपि पर कार्यशाला

कुल्लू। कुल्लू के मुख्यालय में स्थित अटल सदन भवन में टांकरी लिपि पर आधारित कार्यशाला का आयोजन होने जा रहा है। पांच दिनों तक चलने वाली कार्यशाला में इच्छुक प्रशिक्षुओं को निशुल्क टांकरी लिपि सिखाई जाएगी। यह कार्यशाला आगामी 25 से 29 अगस्त तक सिखाई जाएगी। इस संदर्भ में जानकारी देते हुए टांकरी लिपि के जानकार एवं प्रशिक्षक यतिन पंडित ने बताया कि जिले में टांकरी लिपि को सीखने और समझने की इच्छा रखने वालों के लिए ही 25 अगस्त से भाषा कला एवं संस्कृति विभाग कुल्लू के साथ मिल कर एक कार्यशाला का आयोजन करने जा रहे है, जहां पर दुर्लभ लिपियों में शुमार प्राचीन लिपि टांकरी के संरक्षण के लिए कार्यशाला का आयोजन करने जा रहा है। इस कार्यशाला में कोई भी इच्छुक व्यक्ति भाग ले सकता है।

27 विद्यार्थियों का चयन एनसीसी के प्रथम वर्ष में

सुंदरनगर। सुंदरनगर के महाराजा लक्ष्मण सेन स्मारक कॉलेज में बुधवार को 2 एचपी बटालियन एनसीसी मंडी के अंतर्गत एमएलएसएम कॉलेज की एनसीसी इकाई के प्रथम वर्ष (2024-27) बैच के लिए चयन प्रक्रिया का आयोजन किया गया। इस दौरान स्टूडेंट्स को मेडिकल चेकअप, 1600 मीटर लंबी दौड़, लिखित परीक्षा, फिटनेस टेस्ट व साक्षात्कार से गुजरना पड़ा। इस चयन प्रक्रिया में कॉलेज के लगभग 63 स्टूडेंट्स ने भाग लिया। सर्वप्रथम कॉलेज प्रधानाचार्य डॉ. कामेश्वर कुमार ने चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले स्टूडेंट्स को प्रोत्साहित किया व हरी झंडी दिखाकर 1600 मीटर दौड़ का शुभारंभ किया। इसके बाद बटालियन से आए आर्मी ऑफिसर की ओर से फिटनेस टेस्ट, लिखित परीक्षा व साक्षात्कार लिया गया तथा मेरिट के आधार पर 27 विद्यार्थियों का चयन एनसीसी के प्रथम वर्ष में किया गया। इस दौरान प्रधानाचार्य डॉ. कामेश्वर कुमार, एएनओ लेफ्टिनेंट कमलेश सेन के साथ 2-एचपी बटालियन से नायब सूबेदार विनोद कुमार, हवलदार प्रदीप कुमार, एक्स सीनियर पंकज, एसयूओ रोहित, अंडर ऑफिसर कशिश, सीपीएल मोहित, एलसीपीएल रेखा, चिराग, तृतीय व द्वितीय वर्ष के कैडेट्स उपस्थित रहे।

ढरोपा में छोटे वाहनों की आवाजाही के लिए बैली ब्रिज तैयार, लोगों को राहत

अनंत ज्ञान, आनी

बागीपुल पुल के बाद अब ढरोपा पुल भी छोटे वाहनों की आवाजाही के लिए बनकर तैयार हो गया है। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने क्षेत्र की जनता को विश्वास दिलाया था कि वे जल्द ही क्षेत्र में 3 बैली ब्रिज तैयार करवाकर जनता को सुविधा प्रदान करेंगे, जिस पर वे खरा उतरे हैं।

क्षेत्र की जनता ने लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह, लोक निर्माण विभाग और पुल का निर्माण कार्य देख रहे मेकेनिकल इंजीनियर भीम सैन नेगी और उनकी टीम का आभार व्यक्त किया। वहीं, निथर की समेज सेवी एनजीओ जिज्ञासा फाउंडेशन ने बागीपुल में बैली ब्रिज के निर्माण में सहयोग देने के बाद ढरोपा में भी बैली ब्रिज निर्माण में 3 दिनों तक अपना सहयोग दिया था, जिसे क्षेत्र की जनता ने सराहा है। 31 की रात को श्रीखंड की पहाड़ियों पर

ढरोपा में छोटे वाहनों की आवाजाही के लिए बनकर तैयार हुआ बैली ब्रिज।

बादल फटने के बाद कुर्पन खड्ड और समेज खड्ड में बाढ़ आ गई थी। इस त्रासदी में निरमंड उपमंडल के कई लोगों के मकान और पुल बह गए थे। पुल की लंबाई 100 फुट और इसकी क्षमता 35 टन है। पुल का निर्माण करने वाले लोक निर्माण विभाग सहायक अभियंता भीमसेन नेगी ने कहा कि हमें बेहद खुशी हो रही है कि लोगों को अब मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ेगा। गड़ेज पंचायत के प्रधान दारा सिंह कायथ का कहना है कि इस पुल के निर्माण से गड़ेज के अलावा देहरा, निथर, दूराह, लोट, शिल्ली, पलेही, कुठेड़, दलाश आदि पंचायतों के हजारों ग्रामीणों को राहत मिलेगी। मेकेनिकल इंजीनियर भीम सैन नेगी ने बताया कि उनका यह 106वां बैली ब्रिज है। पीडब्ल्यूडी के ब्रो सबडिवीजन के एसडीओ उदय कौशल ने बताया कि ढरोपा में बैली ब्रिज छोटे वाहनों की आवाजाही के लिए बनकर तैयार हो गया है। जल्द ही इसे बड़े वाहनों की आवाजाही के लिए भी खोल दिया जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया में बौद्धनये कालविमर्श विषय पर शोध पत्र किया प्रस्तुत

शिक्षा तथा मानव जीवन की सार्थकता विषय पर विशेष आभासी व्याख्यान में भाग लेते छात्र एवं अन्य।

शीला कौल, बंजार

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, राजकीय उत्कृष्ट कॉलेज बंजार द्वारा कॉलेज के सम्मेलन कक्ष से शिक्षा तथा मानव जीवन की सार्थकता विषय पर विशेष आभासी व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें मुख्यातिथि तथा मुख्य वक्ता के रूप में भारत वर्ष के उत्तर-पूर्वी प्रांत त्रिपुरा के अगरतला स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के पाली भाषा तथा बौद्ध दर्शन विभाग के प्रमुख (डॉ.) अवधेश कुमार चौबे ने आभासी माध्यम से शिरकत की।

राष्ट्रीय सेवा योजना जिला कुल्लू व लाहौल-स्पीति नोडल अधिकारी डॉ. श्रवण कुमार ने बताया कि कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत स्वयंसेवी संध्या देवी व स्नेहा ठाकुर द्वारा की गई। प्राचार्या डॉ. रेणुका थपलियाल की व्यस्तता के चलते राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के मुख्य सलाहकार प्रो. रामा ने इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि तथा अन्य अतिथियों सहित स्वयंसेवियों को संबोधित किया और सभी का संस्थान की ओर से हार्दिक अभिनंदन किया। प्रो. अवधेश कुमार चौबे ने 17वें अंतरराष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन में ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय बैंकुवर, कनाडा में अपोहविमर्श विषय पर तथा 18वें विश्व संस्कृत सम्मेलन ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय विश्वविद्यालय केनबरा, ऑस्ट्रेलिया में बौद्धनये कालविमर्श विषय पर उत्कृष्ट शोध पत्र प्रस्तुत किया। (अनंत ज्ञान)

सरकारी स्कूलों में आउटसोर्स भर्ती पर सुक्खू सरकार की दोहरी नीति : गोविंद सिंह ठाकुर

मोहन कपूर, पतलीकूहल

भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष गोविंद सिंह ठाकुर ने प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों में डाक कार्यों के लिए आउटसोर्स भर्ती के निर्णय की कड़ी आलोचना की है।

उन्होंने इस फैसले को प्रदेश के युवाओं के साथ विश्वासघात और सरकार की दोहरी नीति का प्रमाण बताया है। गोविंद ने कहा कि चुनाव से पहले, कांग्रेस ने प्रदेश के युवाओं को सीधी भर्ती के माध्यम से रोजगार देने और 5 लाख नौकरियों देने का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद सरकार ने इन वादों को दरकिनार कर, अब आउटसोर्सिंग के माध्यम से अस्थायी और असुरक्षित रोजगार का रास्ता चुन रही है। उनका मानना है कि यह निर्णय युवाओं के भविष्य को अनिश्चितता में डालने वाला है और प्रदेश की युवा शक्ति के साथ एक बड़ा अन्याय है।

गोविंद ने सवाल उठाया कि जब भाजपा सरकार के दौरान आउटसोर्स के माध्यम से भर्ती किए गए कर्मियों को हटाने का निर्णय लिया गया था, तो अब वही सरकार फिर से आउटसोर्सिंग के आधार पर नई भर्तियां कर रही है? यह सरकार की नीति में स्पष्ट अस्थिरता और दिशाहीनता को दर्शाता है। गोविंद ने कहा कि सरकार इस फैसले पर पुनर्विचार करें और पूर्व में भाजपा सरकार द्वारा नियुक्त किए गए आउटसोर्स कर्मियों को पुन: बहाल करे। (अनंत ज्ञान)

विधायक प्राथमिकता के कार्यों को लेकर लोक निर्माण, जल शक्ति विभाग को दिए जरूरी निर्देश

अनंत ज्ञान, कुल्लू

जिला मुख्यालय में स्थित परिधि गृह कुल्लू में सीपीएस सुंदर सिंह ठाकुर ने लोक निर्माण विभाग तथा जल शक्ति विभाग के साथ बैठक की। बैठक में मुख्य संसदीय सचिव वन ऊर्जा पर्यटन एवं परिवहन सुंदर सिंह ठाकुर ने विधायक प्राथमिकता के कार्यों को लेकर परिधि गृह कुल्लू में लोक निर्माण विभाग तथा जल शक्ति विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक में भाग लिया।

सीपीएस ने विधायक प्राथमिकता में बनाई जाने वाली सड़कों के फॉरेस्ट क्लीयरेंस तथा टेंडर प्रक्रियाओं की स्थिति के बारे में जानकारी ली तथा कहा कि दूरदराज के इलाकों में सड़कों से वंचित गांव के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत कुछ सड़कों के निर्माण को जोड़ा गया

सीपीएस लोक निर्माण विभाग तथा जल शक्ति विभाग के साथ बैठक करते हुए।

है। ब्यास, तीर्थन तथा पार्वती नदी के तटों को बाढ़ से बचाने के लिए कार्य करना भी एक चुनौती है, जिसके लिए फ्लड मिटिगेशन के अंतर्गत इन तटों को सुरक्षित करने का कार्य किया जा रहा है। राज्य में बाढ़ से सुरक्षा के लिए इस वर्ष कुल्लू के लिए फ्लड मिटिगेशन के अंतर्गत सबसे अधिक धनराशि प्रदान की गई है। कुल्लू में सरवरी खड्ड से भुंतर तक के क्षेत्र को तटीकरण के लिए बजट के अंतर्गत लाया गया है तथा साथ ही कुछ आवश्यक स्थानों पर ड्रेजिंग का कार्य करने के लिए भी प्रभावी नीति बना रहे हैं। इस वर्ष दशहरे के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री कुल्लू का दौरा करेंगे तथा विभिन्न योजनाओं के कार्यों की आधारशिला भी रखेंगे। इन बैठकों में कुल्लू के बंजार, मनाली सहित विभिन्न क्षेत्रों के विकास के लिए आगामी समय में कार्यों में तेजी लाने के लिए भी जरूरी निर्देश दिए गए।

हेड ब्वॉय देवांश व हेड गर्ल जन्नत

बंजार। गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल बंजार में छात्र कैबिनेट का अलंकरण समारोह आयोजित किया गया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय के शिक्षक और छात्रों की उपस्थिति में नए छात्र नेताओं को उनके पदों की शपथ दिलाई गई। इस समारोह में हेड बॉय, हेड गर्ल और अन्य कैबिनेट सदस्यों को उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के लिए औपचारिक रूप से नियुक्त किया गया। हेड ब्वॉय देवांश, हेड गर्ल जन्नत, डिप्टी हेड बॉय वरुण, डिप्टी हेड गर्ल सिया, हाउस हेड कैप्टन स्वाति, हाउस वाइस कैप्टन रितिक शर्मा सैटर्न हाउस, हाउस कैप्टन मीनाक्षी, हाउस बाइस कैप्टन प्रज्वल मार्स हाउस, हाउस कैप्टन रितिक, हाउस वाइस कैप्टन आदर्श जुपीटर हाउस, हाउस कैप्टन दर्शील, हाउस वाइस कैप्टन दीक्षा नेप्चून हाउस, होल्ड द फ्लैग अरमान, कमलेश आदि को चुना गया।

व्यापारी वर्ग की बताई समस्याओं को सुना व उनका निवारण किया

अनंत ज्ञान, आनी

राज्य कर एवं आबकारी विभाग जिला कुल्लू द्वारा मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा स्वतंत्रता दिवस के मौके पर शुरू किए गए करदाता संवाद अभियान के तहत बुधबार को एसडीएम सभागार आनी में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें स्थानीय व्यापारी वर्ग, चार्टर्ड टैक्स कंसल्टेंट, प्रैक्टिसनर तथा करदाताओं ने भाग लिया, जिनके साथ संवाद स्थापित किया गया।

इस कार्यक्रम में जीएसटी के तहत पंजीकरण, रिटर्न, इवे बिल, ई-इनवॉइसिंग व अन्य पहलुओं पर जानकारी दी गई साथ ही वैट व अन्य कर अधिनियमों के बारे में अवगत करवाया गया। इस कार्यक्रम में नरेंद्र सेन ने व्यापारी वर्ग के द्वारा बताई गई समस्याओं को सुना व उनका निवारण किया। इसके साथ ही उनसे कर प्रणाली में सुधार के लिए अन्य सुझाव भी लिए गए। नरेंद्र सेन के अलावा सहायक आयुक्त विजय धीमान, राज्य कर एवं आवकारी अधिकारी बंजार दिनेश सेन तथा राज्य कर एवं आवकारी निरीक्षक सर्कल आनी नेत्र सिंह व सहायक रवि ठाकुर सहित अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी मौजूद रहे, जबकि व्यापारी वर्ग की ओर से व्यापार मंडल के प्रधान विनोद चंदेल उपप्रधान फकीर चंद वर्मा, सचिव ज्ञान शर्मा, छविंद्र शर्मा, गुलाब ठाकुर, वलविंदर शर्मा, धर्मेंद्र गुप्ता, राम कुमार शर्मा, सुंदर ठाकुर, पवन शर्मा, शशि मल्होत्रा, देव राज ठाकुर आदि व्यापारी मौजूद रहे।

एसडीएम सभागार आनी में करदाता संवाद अभियान के तहत कार्यक्रम के आयोजन पर मौजूद लोग।

हंस फाउंडेशन ने मनाली-ऑटो यूनियन में किया विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

70 लोगों ने करवाई जांच, 200 से अधिक किए लैब टेस्ट

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मनाली

हंस फाउंडेशन ने ऑटो यूनियन मनाली में ऑटो चालकों के लिए एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया।

इस शिविर का उद्देश्य ऑटो चालकों को निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना था। इस शिविर में सामान्य स्वास्थ्य जांच, आंखों की जांच, दंत चिकित्सा, और महिलाओं तथा बच्चों के स्वास्थ्य से संबंधित सेवाएं प्रदान कीं। शिविर में आने वाले सभी रोगियों को निशुल्क दवाइयां और परामर्श दिया गया। इसके साथ ही हंस फाउंडेशन ने स्वस्थ जीवनशैली और रोगों की रोकथाम के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए भी

मनाली के ऑटो यूनियन में चलाए से स्वास्थ्य शिविर में जांच करवाते हुए ऑटो चालक एवं अन्य।

सत्र आयोजित किया। शिविर के दौरान रक्त जांच, शुगर जांच और अन्य आवश्यक प्रयोगशाला परीक्षण भी किए गए, ताकि लोगों की स्वास्थ्य स्थिति का सही आकलन किया जा सके।

इस शिविर से लगभग 70 से अधिक लोगों ने लाभ उठाया और 200 से अधिक लैब टेस्ट किए। इस शिविर में हंस फाऊंडेशन की एमएमयू-1 के डॉक्टर सारांश, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी गौरव शर्मा, लेब तकनीशियन नागन देवी, फार्मासिस्ट निकिता शामिल रहे।

स्कूल के विद्यार्थियों ने 'एक वीर की कथा' नाटक का किया सफल मंचन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

हिमाचल के लाहौल से लगते जनजातीय क्षेत्र पांगी में भी रंगमंच की गतिविधियों की शुरुआत हो रही है। यह शुरुआत की है उसी क्षेत्र के युवा रंगकर्मी देस राज ने लगभग पांच वर्षों तक रंगकर्मी केहर सिंह ठाकुर से रंगमंच व अभिनय की बारीकियां सीख कर अपनी किस्मत फिल्मों में आजमाने के लिए मुंबई का रूख किया और कुछ शॉर्ट फिल्मों में काम करने का मौका भी मिला और फिल्मों में स्थापित होने के लिए संघर्ष जारी है।

इसी बीच देस राज ने अपने गृह क्षेत्र पांगी में भी रंगमंच के माध्यम से अभिनय व रंगमंच के क्षेत्र में शौक रखने वाले युवाओं के साथ नाट्य कार्यशाला करने का निर्णय लिया, ताकि उन युवाओं को रंगमंच से लेकर फिल्म तक के सफर की सही जानकारी मिल सके और अगर

मायानगरी में अपनी किस्मत आजमाने जाना है, तो पूरी तैयारी के साथ जाएं। देस राज का कहना है कि मुबई में बहुत से युवा बिना तैयारी के ही पहुंच जाते हैं और फिर कामयाब नहीं हो पाते। इसी मकसद से वह अपने क्षेत्र के युवाओं के साथ रंगमंच की कार्यशालाएं कर रहे हैं। इस कार्यशाला से पनपे नाटक 'एक वीर की कथा' जो एक ऐसे जवान की कथा है, जो आतंकवादियों के साथ लड़ते हुए मर जाता है पर आधारित है।

राष्ट्रपति को एडीएम कुल्लू अश्विनी कुमार के माध्यम से सौंपा ज्ञापन

जातियों में क्रीमी लेयर को छांटें और वर्गीकरण करें

अनंत ज्ञान, कुल्लू

अनुसूचित जाति, जनजाति के आरक्षण के संदर्भ में भीम आर्मी भारत एकता मिशन ने देश की राष्ट्रपति को अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी कुल्लू अश्विनी कुमार के माध्यम से ज्ञापन सौंपा।

अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी कुल्लू कार्यालय में उपस्थित होकर भीम आर्मी भारत एकता मिशन के सदस्यों ने अनुसूचित जाति, अनुचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए अनुच्छेद-340 की धारा 15-4 एवं 16-4 में स्पष्ट रूप से सामाजिक एवं आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों के लिए आरक्षण के प्रावधान का जिक्र करते हुए कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव राम अंबेडकर के अथक संघर्ष से भारत के संविधान में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्गों के लिए अनुच्छेद 340 की धारा 15-4 एवं 16-4 में स्पष्ट रूप से सामाजिक एवं आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों के प्रावधान किया गया है। भीम आर्मी के प्रदेश महासचिव राम लाल ने बताया कि विगत 1 अगस्त को सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को आदेशित किया है कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति को मिलने वाले आरक्षण का राज्य सरकारें सर्वे करवाएं तथा इन जातियों में क्रीमी लेयर को छांटें और वर्गीकरण भी करें।

क्या हैं भीम आर्मी की मांगें

1. जातिगत जनगणना करवाई जाने के बारे में। 2 अनुसूचित जाति एवं जन जातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का आरक्षण कोटा सभी विभागों में पूरा किया जाने के बारे। 3 गैर सरकारी संस्थानों में भी आरक्षण व्यवस्था लागू करने के बारे में। 4 जब तक अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्गों का आरक्षण कोटा सभी विभागों में पूरा नहीं होता, तब तक आरक्षण के इस प्रावधान को संविधान की नौवीं सूची में डाल दिया जाए।

सुंदर ठाकुर कर रहे बेतुकी और गैरजिम्मेदाराना बयानबाजी : शौरी

अनंत ज्ञान, बंजार

कुल्लू में सीपीएस सुंदर ठाकुर की प्रेस वार्ता के जवाब में बंजार के विधायक सुरेंद्र शौरी ने कहा कि सुंदर ठाकुर बेतुकी और गैरजिम्मेदाराना बयानबाजी पर उतर आए हैं।

विधायक सुरेंद्र शौरी ने कहा कि जनहित से जुड़े इस संवेदनशील मामले में मुद्दे से हटकर बात करना सरकार के प्रतिनिधि को शोभा नहीं देता है। सीपीएस ने बीते कल पत्रकारों को संबोधित करते हुए पेड़ों की निशानदेही को पूर्व सरकार का कार्य बताया है। विधायक शौरी ने कहा कि सूखे व गिरे पड़े पेड़ों की निशानदेही कर उन्हें निकालने का कार्य विभाग की ओर से दशकों से करवाया जा रहा है। निशानदेही सूखे पेड़ों की होती है और यह मामला हरे पेड़ों के अवैध कटान का है। विधायक शौरी ने सीपीएस पर तंज कसते हुए कहा कि या तो वह तथ्यों से परिचित नहीं हैं, या तो वह मामले का राजनीतीकरण कर अपनी जिम्मेवारियों से बचने का प्रयास कर रहे हैं।

प्रदर्शन

रेहड़ी-फड़ी चला कर आजीविका कमाने वाले लोगों के हक में सीटू ने किया धरना-प्रदर्शन, स्ट्रीट वेंडर एक्ट-2014 का उल्लंघन करने का लगाया आरोप

रेहड़ी-फड़ी वालों को जल्द जगह मुहैया करवाई जाए

सुरेंद्र तिबोगपा, कुल्लू

कुल्लू के विभिन्न क्षेत्रों में रेहड़ी-फड़ी चला कर आजीविका कमाने वाले लोग करीब डेढ़ महीने से अपनी आजीविका को नहीं कमा पाने से जहां दुखी हैं। वहीं, रेहड़ी-फड़ी नहीं चला पाने से बेरोजगार भी हो चुके हैं।

बुधवार को जिला मुख्यालय ढालपुर में स्थित डीसी कार्यालय के प्रांगण में रेहड़ी-फड़ी के कारोबार से जुड़े सैकड़ों लोगों ने सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन सीटू जिला कमेटी कुल्लू के साथ मिल कर धरना-प्रदर्शन किया। नगर परिषद कुल्लू ने अवैध कब्जा हटाने के नाम पर जब रेहड़ी-फड़ी संचालकों को उनके स्थान से हटाया, तो नगर परिषद की तरफ से आश्वस्त किया गया कि जल्द ही शहर में अलग से स्ट्रीट वेडिंग जोन बनाया जाएगा और सभी रेहड़ी-फड़ी संचालकों को उक्त वेंडिंग जोन में स्थान देने की बात कही थी, मगर अब इतने दिन बीत जाने के बाद भी जब रेहड़ी-फड़ी संचालकों को कोई स्थान नहीं मिला, तो बुधवार को रेहड़ी-फड़ी एवं फल सब्जी विक्रेता यूनियन ने सीटू के बैनर तले जम कर धरना-प्रदर्शन कर अपना विरोध जताया। इस दौरान नगर परिषद कुल्लू की इस कार्रवाई के विरोध में रेहड़ी-फड़ी संचालकों के द्वारा सीटू के साथ मिल कर डीसी कुल्लू के माध्यम से एक ज्ञापन भी सरकार को भेज कर स्थिति से अवगत करवाया।

रेहड़ी-फड़ी एवं फल विक्रेता संचालक सीटू के बैनर तले धरना-प्रदर्शन करते हुए।

इस दौरान सीटू के पदाधिकारियों ने प्रशासन पर स्ट्रीट वेंडर एक्ट-2014 का उल्लंघन करने का भी आरोप लगाया। सीटू के महासचिव राजेश ने बताया कि नगर परिषद कुल्लू ने बिना किसी पूर्व सूचना के ओर बिना किसी बैठक के तुगलकी फरमान के तहत अचानक से रेहड़ी-फड़ी संचालकों को उनके स्थान से हटा दिया, जो कि स्ट्रीट वेंडर एक्ट-2014 का उल्लंघन था। सीटू ने प्रशासन और नगर परिषद से मांग की कि जल्द जगह चिन्हित कर रेहड़ी-फड़ी एवं फल विक्रेता संचालकों को जगह मुहैया करवाई जाए, ताकि इतने समय से परेशान चल रहे इन लोगों को राहत मिल सके। इस दौरान अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी अश्वनी कुमार ने रेहड़ी-फड़ी संचालकों को आश्वस्त देते हुए कहा कि जल्द ही नगर परिषद के साथ बैठक कर मामले पर विस्तार से चर्चा कर समस्या का हल निकाला जाएगा। (अनंत ज्ञान)

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रपति से मिले शंकर विद्या निकेतन स्कूल के छात्र

राजगढ़। शंकर विद्या निकेतन पब्लिक हाई स्कूल सराहां के छात्र रक्षाबंधन के पावन अवसर पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिले। शंकर विद्या निकेतन पब्लिक हाई स्कूल सराहां के छात्र रक्षाबंधन के पावन अवसर पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिले। विद्यालय के प्रबंधक महेंद्र पाल नेहरू की अगुवाई में स्काउट एंड गाइड के स्टूडेंट्स ने राष्ट्रपति से मुलाकात की। छात्रों में सानिध्य कक्षा नौवीं, रिया कक्षा आठवीं, तनिष्का नेगी कक्षा सातवीं, दिव्यांगना कक्षा सातवीं शामिल हैं। इन छात्रों को स्काउट एंड गाइड की ओर से भारत की राष्ट्रपति से राष्ट्रपति भवन में रक्षाबंधन के पावन अवसर पर मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। शंकर विद्या निकेतन के लिए यह बड़े गर्व की बात है कि विद्यालय हिमाचल के सिरमौर जिले से निजी विद्यालय से संबंध रखने वाले एकमात्र स्कूलों में से शंकर विद्या निकेतन स्कूल सराहां को यह अवसर प्राप्त हुआ है। छात्रों के साथ-साथ विद्यालय प्रबंधक महेंद्र पाल नेहरू तथा स्काउट एंड गाइड की इंचार्ज सविता शर्मा को भी राष्ट्रपति से मिलने का यह सौभाग्य प्राप्त हुआ। इससे पूरे विद्यालय में उत्साह का माहौल बना हुआ है। विद्यालय प्रबंधक महेंद्र पाल नेहरू स्कूल सलाहकार, सुनंदा आर्या विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉक्टर रागिनी भटनागर ने बच्चों की इस उपलब्धि के लिए उन्हें तथा उनके माता-पिता को शुभकामनाएं दीं तथा साथ में बच्चों को निरंतर जीवन में आगे बढ़ने का संदेश दिया।

महापौर के निर्वाचन की तिथि आगामी आदेशों तक रद्द

सोलन। अतिरिक्त उपायुक्त एवं प्राधिकृत अधिकारी अजय कुमार यादव ने सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुरूप 22 को नगर निगम सोलन के महापौर के निर्वाचन एवं शपथ की तिथि को आगामी आदेशों तक तुरंत प्रभाव से रद्द कर दिया है। इस संबंध में आदेश जारी किए गए हैं।

बीएल सेंट्रल पब्लिक स्कूल में 70 पौधे लगाए

अर्की। बीएल सेंट्रल पब्लिक स्कूल में एक पौधा मां के नाम कार्यक्रम के तहत पौधरोपण किया गया। लायन ईको क्लब प्रभारी दिनाक्षी ने बताया कि लायन क्लब के स्टूडेंट्स व अन्य अध्यापकों की ओर से विद्यालय परिसर में नाशपाती, निंबू, आंवला, आम आड़ू व अन्य फलदार व पतेदार 70 पौधे लगाए गए। इस मौके पर उपस्थित चेयरमैन गोपाल शर्मा, प्रधानाचार्य पुरषोत्तम गुलेरिया, मुख्याध्यापिका सुषमा शर्मा, दिनाक्षी व अन्य अध्यापिकाओं तथा स्टूडेंट्स के इस पौधरोपण कार्यक्रम को सराहनीय कदम बताया।

धर्माणा कुंड में बहे व्यक्ति का शव बरामद

बीबीएन। थाना रामशहर के तहत कट्टल नाला से करीबन दो किलोमीटर दूर धर्माणा कुंड के पानी में व्यक्ति की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान शशि पाल पुत्र राम स्वरूप निवासी मंज्यारी तहसील रामशहर जिला सोलन से हुई। जानकारी के अनुसार 20 अगस्त को रात साढ़े 9 बजे रामशहर थाना में सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति मोटरसाइकिल समेत कट्टल नाला में तेज बहाव में बह गया, जिसकी पुलिस ने तलाश की, लेकिन व्यक्ति का शव नहीं मिल पाया, जिसके बाद बद्दी पुलिस ने राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) को सूचना दी और टीम ने कट्टल नाला से लापता शव को बरामद किया। बुधवार को मृतक का पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया है। बद्दी पुलिस अधीक्षक इल्मा अफरोज ने बताया कि बीते दिन पानी के तेज बहाव में बहे व्यक्ति के शव को एनडीआरएफ की मदद से बरामद किया है।

मोबाइल स्नेचर गिरोह के चार आरोपी गिरफ्तार

बीबीएन। औद्योगिक क्षेत्र बद्दी-बरोटीवाला में लंबे समय से मोबाइल स्नेचिंग की वारदात को अंजाम दे रहे आरोपियों को बद्दी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 2 मोटरसाइकिल व 11 मोबाइल बरामद किए हैं। गिरोह न केवल मोबाइल फोन स्नेचिंग के बाद फोन बेचकर पैसे कमाते थे। थाना बरोटीवाला के तहत आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है। इन आरोपियों को गिरफ्तार करने में जिला बद्दी पुलिस अधीक्षक इल्मा अफरोज के स्टीक डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम (एआई वेब) का अहम योगदान रहा और गिरोह का पर्दाफाश किया। जानकारी के अनुसार बीते दिन बरोटीवाला में सूचना मिली थी कि बुरांवाला बस स्टैंड के पास दो बाइक पर चार आरोपी एक राहगीर का मोबाइल लेकर फरार हो गए। पुलिस ने तुरंत एआई वेब के जरिए आरोपियों को गिरफ्तार किया, अब पुलिस आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड हासिल करेगी। जिला बद्दी पुलिस अधीक्षक इल्मा अफरोज का कहना है कि मोबाइल गिरोह के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनके पास से दो मोटरसाइकिल व 11 मोबाइल बरामद किए। आरोपियों की पहचान पप्पू पुत्र जमील अहमद निवासी देहरपुर कलां तहसील दातागंज जिला बदायूं, विकास पुत्र सुरेश कुमार निवासी तारापुर जिला मुरादाबाद उत्तरप्रदेश, मनप्रीत सिंह पुत्र सुरेंद्र सिंह निवासी पेहवा हरियाणा व संजू पुत्र मेहरवान निवासी सिकोई तहसील कुंवर गांव जिला बदायूं उत्तर प्रदेश से हुई।

स्पीति की सबसे ऊंची चोटी मनेरंग की फतह

रिकांगपिओ। प्रदेश के तीन युवा पर्वतारोही एवं ट्रैकर के शौकीन युवाओं ने स्पीति की सबसे ऊंची चोटी करीब 6,593 मीटर मनेरंग पर चढ़ कर तिरंगा लहराया व सकुशल वापस लौटे। गंग्युल घाटी के रोपा गांव के सागर नेगी, हांगो के मोहन सिंह व रोहड़ू के अंशुल ने संयुक्त प्रयास से 14 को रोपा गांव से अभियान को शुरू किया और बेस कैंप पहुंचे। तीनों युवाओं ने 18 अगस्त को सुबह पांच बजे शिखर पर चढ़ना शुरू किया और 10.50 के करीब मनेरंग शिखर पर पहुंच कर लक्ष्य को पूरा किया व तिरंगा फहराया।

नारे लगाने वाले चाटुकारों से घिरे मंत्री ने नहीं दिया सच का साथ : उषा शर्मा

न्यायपालिका में था विश्वास इसलिए रही चुप, कांग्रेस नेताओं पर लगाया अपमानित करने का आरोप

आर मोहन चौहान, सोलन

सुप्रीम कोर्ट से बहाल होते ही नगर निगम सोलन की मेयर उषा शर्मा ने अपनी ही पार्टी नेताओं पर जोरदार हमला बोला। उषा ने जिला कांग्रेस के नेताओं और पार्टी पार्षदों पर झूठे बयान दर्ज करवाने और अपमानित करने का आरोप लगाया।

उषा शर्मा ने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर शुरू से ही विश्वास था इसलिए निर्णय आने तक चुप रहीं। कांग्रेस के नेता औरतों को आगे नहीं आना देना चाहते। उन्होंने शुरू से ही सच्चाई की लड़ाई लड़ी है। स्थानीय विधायक और मंत्री कर्नल धनीराम शांडिल अच्छे इंसान हैं, लेकिन उनके चारों तरफ चाटुकारों का घेरा है। यह वर्ग पार्टी में रहकर ठेकेदारी करना चाहते हैं। मंत्री को कार्यक्रम में नारेबाजी के लिए इनकी जरुरत पड़ती है इसलिए झूठ का साथ देने को मजबूर हैं। (अनंत ज्ञान)

शांडिल से हमेशा रहे अच्छे संबंध

उषा शर्मा ने कहा कि कर्नल शांडिल उनके हमेशा से अच्छे संबंध रहे हैं। चुनाव के समय उन्होंने दिन-रात एक कर शांडिल को जीताने का कार्य किया। उन्होंने आधी जिंदगी पार्टी की सेवा में लगा दी, लेकिन कांग्रेस के कुछ नेता महिलाओं को अपमानित कर अयोग्य घोषित करने में लग गए। उन्होंने कहा कि जब मेयर के पद पर चुनाव हुआ, तो उन्हें जीत हासिल हुई, लेकिन इसके बाद कांग्रेस के कुछ पार्षदों ने झूठे तथ्य और बयान दर्ज करवा कर उनको अयोग्य घोषित करने का षड्यंत्र रचा। सरकार के निर्णय को हाई कोर्ट से राहत नहीं मिलने पर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जहां से उनकी सदस्यता बहाल हुई और कोर्ट ने पूर्व की यथास्थिति बनाने के आदेश दिए। उषा शर्मा ने कहा कि पूर्व में चुनाव जीतने के बाद देश में आदर्श चुनाव आचार संहिता लगने के चलते बहुत सारे विकास कार्य शुरू नहीं हो पाए। चुनाव होने के बाद विकास कार्य को गति मिलनी थी इस बीच सरकार ने उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया, लेकिन न्यायपालिका से मिली राहत के बाद अब वह शहर की स्वच्छता और पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ-साथ विकास कार्य को गति प्रदान करना चाहती हैं।

कार्रवाई को भी षड्यंत्र करार दिया

उषा शर्मा ने सरकार की तरफ से उन पर की गई कार्रवाई को भी षड्यंत्र करार दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व में मेयर रही पूनम ग्रोवर और डिप्टी में राजीव कौड़ा के खिलाफ कांग्रेस के चार पार्षदों ने भाजपा के साथ मिलकर अविश्वास प्रस्ताव लाया था, जो कि अनुशासनहीनता के दायरे में आता है। इस प्रकरण को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी के समक्ष रखा गया, लेकिन अनुशासनहीनता की कार्रवाई नहीं हुई। बाद में जब मेयर ओर डिप्टी मेयर पद के दोबारा चुनाव हुए, तो इन्हीं पार्षदों ने स्थानीय विधायक एवं मंत्री को मजबूर कर मेयर और डिप्टी पद पर काबिज होना चाहा पर हार का सामना करना पड़ा।

कॉलेज के क्लास रूम को बनाया जाएगा आधुनिक एवं बेहतर : नेगी

जगत सिंह नेगी रिकांगपिओ कॉलेज का औचक निरीक्षण करते हुए साथ में अन्य।

जीता सिंह नेगी, रिकांगपिओ

राजस्व, बागवानी, जनजातीय विकास एवं जन शिकायत निवारण मंत्री जगत सिंह नेगी ने ठाकुर सेन नेगी राजकीय महाविद्यालय रिकांगपिओ का औचक निरीक्षण किया तथा स्टूडेंट्स से संवाद कर कॉलेज की समस्याओं को सुना और जल्द उनके निपटारे का आश्वासन दिया।

कैबिनेट मंत्री ने स्मार्ट क्लास रूम का निरीक्षण किया तथा क्लास रूम को आधुनिक एवं बेहतर बनाने का आश्वासन दिया, ताकि किन्नौर के स्टूडेंट्स को घरद्वार पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सुविधा उपलब्ध हो सके। राजस्व मंत्री ने कॉलेज के शिक्षकों से विस्तृत चर्चा की और स्टूडेंट्स के लिए छात्रावास, स्टाफ क्वार्टर को चरणबद्ध तरीके से पूर्ण करने का आश्वासन दिया। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि वर्तमान कांग्रेस सरकार ने जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा का आधारभूत ढांचा मजबूत किया है तथा मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू दुर्गम क्षेत्रों में उच्च शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं, जिससे निर्धन एवं शोषित वर्गों को लाभ मिल रहा है। जगत सिंह नेगी ने बताया कि रिकांगपिओ कॉलेज को आदर्श महाविद्यालय बनाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि हर वर्ग के युवाओं- युवतियों को बेहतर उच्च शिक्षा उपलब्ध हो सके। (अनंत ज्ञान)

सीएचसी धर्मपुर में उपचार के लिए लाई गर्भवती महिला की मौत

अनंत ज्ञान, सोलन

पुलिस थाना कसौली के तहत एक गर्भवती महिला की मौत हो गई है।

जानकारी के मुताबिक पुलिस दूरभाष द्वारा सूचना मिली कि एक महिला दरिया पत्नी सुनील कुमार को उपचार के लिए सीएचसी धर्मपुर लाए हैं, जिसे चिकित्साधिकारी ने मृत घोषित कर दिया है। इस सूचना पर थाना कसौली की पुलिस टीम सीएचसी धर्मपुर पहुंची, तो जांच करने पर उक्त महिला का नाम दरिया गांव व डाकघर प्रतापपुर जिला अंबिकापुर छत्तीसगढ़ उम्र 39 वर्ष मालूम हुआ। जांच के दौरान मृतका के शरीर पर किसी भी प्रकार की चोट/खरोंच के निशान न पाए गए। मृतका के पति ने अपने बयान में जाहिर किया कि इसकी पत्नी 7 माह से गर्भवती थी। 19 अगस्त को रात में इसकी पत्नी के पेट में दर्द होना शुरू हुआ, तो इसने उसे घरेलू दवा सोया/अज्वाइन आदि दी, जिससे उसके पेट का दर्द कुछ कम हो गया, जिससे वह रात को आराम से सो गई, लेकिन 20 को प्रात: इसकी पत्नी के पेट में दोबारा से बहुत ज्यादा दर्द होने लगा, जिस पर यह उसे उपचार के लिए सीएचसी धर्मपुर लेकर गया, जहां पर डॉक्टर ने चेक करने के उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका के शव का चिकित्सक ने चैकअप करने के उपरांत शव को पोस्टमार्टम के लिए क्षेत्रिय अस्पताल सोलन रेफर किया गया, जिस पर मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए क्षेत्रिय अस्पताल सोलन लाया गया, जहां से भी उसके शव को पोस्टमार्टम करवाने के लिए आईजीएमसी शिमला रेफर किया गया, जहां पर बुधवार को मृतका का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। मामले में धारा 194 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की जा रही है।

राजनीतिक लाभ के लिए सरकारी खजाना लुटने नहीं दूंगा : सुक्खू

अनंत ज्ञान ब्यूरो, सोलन

सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू जोगिंद्रा सहकारी बैंक के नए 'लोगो' का लोकार्पण करने के दौरान।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने जोगिंद्रा सहकारी बैंक के 100 वर्ष पूर्ण होने पर सोलन में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया और बैंक के नए 'लोगो' का अनावरण किया। उन्होंने 7.50 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित बैंक के नए भवन को जनता को समर्पित किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जोगिंद्रा बैंक का टर्नओवर 2000 करोड़ रुपए होने पर बैंक के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी और कहा कि किसी भी बैंक के कर्मचारी उस संस्था की रीढ़ होते हैं। बैंक का कुल एनपीए आठ प्रतिशत से घटकर तीन प्रतिशत रह गया है। उन्होंने जोगिंद्रा बैंक के कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि बैंक का डिपोजिट 1400 करोड़ रुपए हो गया है, लेकिन बैंक की वन टाइम सेटलमेंट पॉलिसी में सुधार की आवश्यकता है। सुक्खू ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार इस वित्त वर्ष में प्रत्येक 100 रुपए में से वेतन पर 25 रुपए, पेंशन पर 17 रुपए, ब्याज पर 11 रुपए, कर्ज अदायगी पर नौ रुपए, स्वायत्त संस्थानों की ग्रांट पर 10 रुपए और बचे हुए 28 रुपए पूंजीगत व्यय और अन्य गतिविधियों पर खर्च किए जा रहे हैं।

सुक्खू ने कहा कि राजनीतिक लाभ के लिए मैं सरकारी खजाने को लुटने नहीं दूंगा। साधन संपन्न लोगों को बिजली और पानी पर सब्सिडी नहीं दी जाएगी तथा सरकार द्वारा इसका युक्तिकरण किया जा रहा है, ताकि गरीब व्यक्ति को लाभ मिले। सरकार की ओर से उठाए कदमों से प्रदेश की अर्थव्यवस्था में सुधार हो रहा है। एक वर्ष में अर्थव्यवस्था बीस प्रतिशत सुधरी है। हिमाचल प्रदेश में जीएसटी कलेक्शन भी बेहतर हुआ है। हम हिमाचल प्रदेश में लोगों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करना चाहते हैं और राज्य सरकार सुशासन पर ध्यान दे रही है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश काफी नीचे खिसक गया है। इसलिए इन क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर सुधार किए जा रहे हैं।

अस्पताल भवन और खेल मैदान का किया निरीक्षण

सोलन। मुख्यमंत्री सुक्खू ने सोलन से वापस लौटते हुए कंडाघाट में निर्माणाधीन अस्पताल के भवन और खेल मैदान का निरीक्षण किया। स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री को बताया कि 50 बिस्तर वाले कंडाघाट अस्पताल का निर्माण 14 करोड़ रुपए की लागत से पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में शुरू हुआ था, लेकिन पिछली भाजपा सरकार के समय में इसके निर्माण कार्य को रोक दिया गया था। मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार इस भवन का निर्माण कार्य पुनः आरंभ करेगी, जिसके लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य का प्रस्ताव शीघ्र राज्य सरकार को भेजना सुनिश्चित करें।

फ्रेंड्स ऑफ फॉरेस्ट संगठन की बैठक आयोजित, मंडल स्तर की कार्यकारिणी का गठन

प्रदीप सिंह बने वरिष्ठ उपप्रधान

अनंत ज्ञान, नाहन

फ्रेंड्स ऑफ फॉरेस्ट संगठन की नई कार्यकारिणी।

सिरमौर के मुख्यालय नाहन में फ्रेंड्स ऑफ फॉरेस्ट संगठन की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष ईश्वर चंद शर्मा ने की। बैठक में मंडल स्तर की कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें प्रदीप सिंह को वरिष्ठ उपप्रधान, राम सिंह भारती व अजमेर सिंह को उपप्रधान, दिलीप सिंह को महासचिव तथा नाजर खान व राजेंद्र सिंह को सचिव मनोनीत किया गया।

इसके साथ किशोरी लाल पराशर को वित्त सचिव, यशवंत सिंह व नारायण दत्त शर्मा को लेखा परीक्षक, जसवंत सिंह को प्रेस सचिव, मोहन लाल को संगठन सचिव, अशोक कुमार को मुख्य सलाहकार बनाया गया। इसके अतिरिक्त प्रेम सिंह, धर्म सिंह, विजय कुमार व अरुण बालिका को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया। इसके साथ ही बाबूराम पुंडीर, बाबूराम चौहान, रामचंद्र, रोशन लाल को क्रमश: रेंज प्रभारी जमटा, नाहन, कोलर व त्रिलोकपुर का प्रभारी नियुक्त किया गया। चुनाव में फ्रेंड्स ऑफ फॉरेस्ट के मुख्य सलाहकार नसीम मोहम्मद दीदान पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहे। इस मौके पर डॉक्टर प्रदीप शर्मा मुख्यातिथि के रूप में और डॉक्टर दीनदयाल वर्मा जिला महासचिव विशिष्टातिथि के रूप में उपस्थित रहे। यह चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न हुए। यह संगठन आने वाले महीनों में समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण के अनेक कार्य करेगा।

सोलन में पार्किंग की शिलान्यास पट्टिका को लेकर विवाद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, सोलन

सोलन में पार्किंग की शिलान्यास पट्टिका को लेकर विवाद खड़ा हो गया। दरअसल मंगलवार शाम को मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने नगर निगम सोलन के नजदीक दो पार्किंग निर्माण का शिलान्यास किया, जिसमें कार्यकारी मेयर मीरा आनंद का नाम तो दूर पार्षदों की मौजूदगी का भी जिक्र नहीं किया गया।

ऐसे में स्थानीय पार्षदों ने सरकार और स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। डिप्टी मेयर मीरा आनंद ने इसको लोकतांत्रिक अधिकार का हनन बताया। उन्होंने कहा कि आमतौर पर नगर निगम के विकास

कार्य की शिलान्यास पट्टिका में निगम के पदाधिकारी का नाम अंकित किया जाता है, लेकिन कांग्रेस सरकार ने इसमें भी भेदभाव कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रोटोकॉल के नाते शिलान्यास पट्टिका में कार्यकारी मेयर होने के नाते उनका नाम भी अंकित होना चाहिए था। ऐसे में महिला हितेषी होने की दावा करने वाली सरकार की पोल खुल गई। भाजपा पार्षदों ने शिलान्यास पट्टिका में पार्षदों की मौजूदगी अंकित न किए जाने का भी विरोध किया है। उन्होंने कहा कि नगर निगम के प्रतिनिधि योजनाओं की रूपरेखा तैयार करते हैं और अंत में सरकार की बेरुखी से उन्हें इसका श्रेय तक नहीं मिल पाता।

पौष्टिक आहार के बारे में दी जानकारी

दाड़लाघाट। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मांगू में कार्यकारी प्रधानाचार्य विनोद बंसल की अध्यक्षता में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें अंबुजा फाउंडेशन दाड़लाघाट से स्वास्थ्य को-ऑर्डिनेटर आरती गुप्ता व डॉक्टर सत्य प्रकाश गांधी द्वारा बच्चों को स्वस्थ स्वास्थ्य तथा पौष्टिक आहार के बारे में विस्तृत जानकारी दी। बरसात के मौसम में होने वाली बीमारियों तथा शुद्ध जल प्रयोग करने बारे भी बच्चों को जागरूक किया गया।

मेरा गांव मेरा देश एक सहारा संस्था की नई पहल

वेस्ट प्लास्टिक का प्रयोग कर दे रहे समाज को पर्यावरण संरक्षण का संदेश

एसपी जैरथ, नाहन

मेरा गांव मेरा देश एक सहारा संस्था के सौजन्य से पर्यावरण संरक्षण के लिए खुशियों का बैंक माजरा में प्लास्टिक कलेक्शन बैंक खोला गया है, जहां पर खाली प्लास्टिक की बोतलों में वेस्ट प्लास्टिक भरकर पॉली ब्रिक्स बनाई जा रही है।

इन पॉली ब्रिक्स को ईंट की जगह इस्तेमाल करके बेंच आदि बनाए गए हैं। वहीं, पर्यावरण संरक्षण के लिए संस्था द्वारा सभी महिलाओं से आग्रह किया गया कि उनकी रसोई

में जो भी राशन आदि के रेपर्स हो उनको इकट्ठा कर प्लास्टिक की खाली बोतलों में भरकर प्लास्टिक कलेक्शन बैंक माजरा में जमा करवा सकते हैं, जिससे पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक सहयोग किया जा सके। संस्था द्वारा सभी को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करने का प्रयास किया गया है साथ ही प्लास्टिक की खाली बोतलों में रेपर्स को भरकर पॉली ब्रिक्स की जगह उसे इस्तेमाल कर भी बेंच आदि बनाकर पर्यावरण को बचाने की अपील की गई है। संस्था द्वारा सभी से अपील की गई है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक लोग आगे आएं और वेस्ट प्लास्टिक का इस्तेमाल कर पर्यावरण को सुरक्षित करें। (अनंत ज्ञान)

पांवटा शहर में बढ़ती बेसहारा पशुओं की संख्या चिंताजनक

अनंत ज्ञान, पांवटा साहिब

आवारा पशुओं को लोग सड़कों पर रात को छोड़कर चले जाते हैं, जिससे आजकल बाइपास रोड पर रात हो या सुबह आवारा पशु बाजार में घूमते रहते हैं।

लोगों का मतलब निकलते ही पशुओं को राम भरोसे छोड़ दिया जाता है। कई बार मोटरसाइकिल में गाड़ियों के साथ इनका एक्सीडेंट हो चुका है और गाड़ियों को कई देर तक सड़क पर उनको हटाने का इंतजार करना पड़ता है। राधा-कृष्ण यमुना मंदिर समिति के अध्यक्ष शांति स्वरूप गुप्ता ने प्रशासन व नगर पालिका से निवेदन किया कि इन बेसहारा पशुओं को यहां से हटाया जाए और गोसदन में भेजा जाए। इस बारे नगर पालिका को भी सूचित किया गया, लेकिन अभी तक इस पर कोई कार्रवाई अमल में नहीं लाई गई है।

समस्या बरसात के मौसम में भी लोग प्यासे, जल शक्ति विभाग ने नगर निगम को 41 लाख लीटर पानी किया लिफ्ट

सोलन में 6 से 7 दिन बाद की जा रही पेयजल की आपूर्ति

भावना शांडिल , सोलन

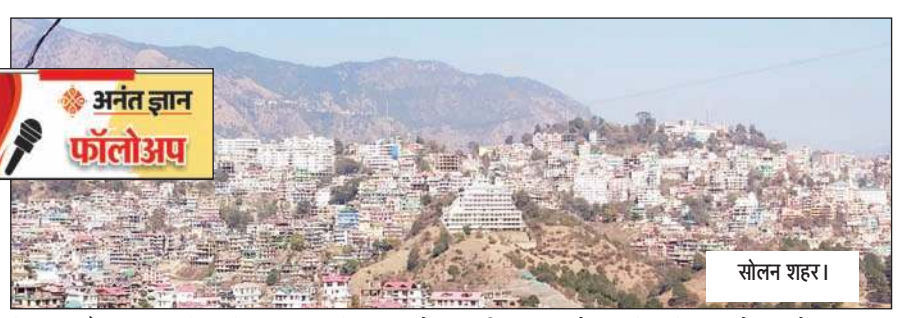

जिला मुख्यालय सोलन में बरसात के मौसम में भी 6 से 7 दिन बाद पेयजल की आपूर्ति किए जाने से लोगों में खासा रोष पनप रहा है।

लोगों को मजबूरन टेंकर मंगवा कर गुजारा करना पड़ रहा है और जो लोग पानी के टैंकर के लिए पैसे नहीं दे पा रहे हैं, उनकी समस्या और बढ़ गई है। पानी की समस्या विकराल रूप धारण करती जा रही है, लेकिन नगर निगम और जल शक्ति विभाग एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने पर लगे हुए हैं, जिसका खामियाजा सोलन की जनता को भुगतना पड़ रहा है । नगर निगम का कहना है कि इन दिनों जल शक्ति विभाग से 20 से 30 लाख लीटर पानी की सप्लाई की जा रही है। वहीं, जल शक्ति विभाग के मुताबिक बुधवार को गिरि नदी से एक ही मोटर से पानी लिफ्ट किया गया और दूसरी लाइन में लीकेज होने के कारण पानी की लिफ्टिंग बंद है, जिसे आज शाम तक सुचारू करने की कोशिश है। मंगलवार को जल शक्ति विभाग द्वारा नगर निगम को 41 लाख लीटर पानी लिफ्ट किया गया। हालांकि नगर निगम को शहर में रोजाना पानी की मांग पूरी करने के लिए 90 लाख लीटर पानी की आवश्यकता होती है। (अनंत ज्ञान)

जल शक्ति विभाग अधीक्षक अभियंता आशीष राणा का कहना है कि पिछले दिनों हुई बारिश के बाद आई गाद से पर्याप्त मात्रा में पानी लिफ्ट नहीं किया जा रहा है। बारिश से पहले नगर निगम को आवश्यकता के अनुसार पानी लिफ्ट किया जा रहा था।

नगर निगम सोलन की आयुक्त एकता काप्टा ने बताया कि उन्हें रोज 90 लाख लीटर पानी की आवश्यकता होती है, लेकिन उन्हें जल शक्ति विभाग द्वारा केवल 20 से 30 लाख लीटर पानी ही लिफ्ट किया जा रहा है। इससे पानी की राशनिंग करनी पड़ रही है।

अनंत ज्ञान
सुपर मॉल
डिस्प्ले क्लासिफाइड
फिक्स साइज
Size | Rate
3x4 cm | Rs. 300
4x4 cm | Rs. 400
5x4 cm | Rs. 500
छोटा विज्ञापन बड़ा व्यापार
विज्ञापन के लिए संपर्क करें
शिमला : 94180-00783 कुल्लू : 97360-75360 बिलासपुर : 82191-97014
सोलन : 70187-16514 हमीरपुर : 94180-03422 धर्मशाला : 70188-16794
मंडी : 94189-80288 ऊना : 98163-96500 चंबा : 94186-03787

न्यूज ब्रीफ

फुटपाथ बनाने के प्रस्ताव पर चर्चा होगी

जगदीश शर्मा, चंडीगढ़। सदन की बैठक में मनीमाजरा के इंदिरा कालोनी में अंदरूनी सड़कों पर पैदल चलने वालों के लिए फुटपाथ बनाने के प्रस्ताव पर चर्चा होगी। इस पर 88.92 लाख रुपए का अनुमानित खर्चा आएगा। मौलीजागरां के विकास नगर में विभिन्न पार्कों के आसपास पेवर ब्लॉक लगाने व मरम्मत के अन्य कार्य पर 50.51 लाख रुपए खर्च होंगे। इसकी मंजूरी भी सदन द्वारा दी जाएगी। वहीं, सेक्टर-22 की मार्केट के सामने और पीछे की तरफ फ्लोरिंग को अपग्रेड करने पर 1.05 करोड़ खर्च आएगा। इसकी मंजूरी सदन से ली जाएगी। इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-1 स्थित मैंगो गार्डन के फुटपाथ को अपग्रेड करने के प्रस्ताव पर बैठक में चर्चा होगी। इस पर 64.97 लाख रुपये का खर्च आएगा। साथ ही सेक्टर-23 व 36 के पुराने टॉयलेट ब्लॉक को ठीक करने के एजेंडे पर भी बैठक में चर्चा होगी।

खड़गे और राहुल के जम्मू-कश्मीर के दौरे में बदलाव

अशोक ठाकुर, जम्मू। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी आगामी विधानसभा चुनावों से पहले महत्वपूर्ण बैठकों के लिए आज से जम्मू-कश्मीर का दो दिवसीय दौरा करेंगे। उनके दौरे में थोड़ा बदलाव हुआ है। पूर्व में दोनों नेताओं के पहले जम्मू और फिर श्रीनगर जाने का कार्यक्रम था, लेकिन अब वे श्रीनगर से अपना दौरा शुरू करेंगे। एआईसीसी महासचिव गुलाम अहमद मीर ने यह जानकारी दी है। श्रीनगर में मीर ने कहा कि दोनों नेता गुरुवार को श्रीनगर में कश्मीर घाटी के 10 जिलों में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें करेंगे। श्रीनगर में बातचीत के बाद वो अढ़ाई बजे जम्मू में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। फिर शाम को दिल्ली के लिए उड़ान भरेंगे। वे चुनावों के लिए जमीनी स्तर की तैयारियों के बारे में पूरी जानकारी लेंगे। राहुल गांधी के दौरे में इसलिए बदलाव किया कि कांग्रेस भारत बंद को प्रभावित नहीं करना चाहती। सूत्रों का दावा है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला के साथ राहुल गांधी की बैठक भी हो सकती है। पार्टी को उम्मीद है कि बैठक में गठबंधन का रास्ता साफ हो सकता है। 90 सदस्यीय जम्मू-कश्मीर विधानसभा के लिए तीन चरणों में चुनाव 18 सितंबर, 25 सितंबर और एक अक्तूबर को होंगे।

मधुमेह (शुगर) से मुक्ति संभव : अग्रवाल

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। अपूर्वा वैलनेस हैल्थ एंड केयर वर्ल्ड, कोठी नंबर 3 सैक्टर 19-ए, चंडीगढ़ में स्थित आयुर्वेदिक पद्धति के अनुसार रोगों का उपचार करने के लिए विख्यात एक संस्था है। यह संस्था मधुमेह (शूगर) व आजकल की लाइफ स्टाइल से हुए रोगों के निदान करने के लिए मशहूर हुई है। हैल्थ एंड नेचर केयर संस्था की विभिन्न सेवाओं को ध्यान में रखते हुए होटल ललित चंडीगढ़ में अवार्ड फंक्शन का आयोजन किया, जिसमे बॉलीवुड के दिग्गज सुपर स्टार अभिनेता सुनील शेट्टी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस आयोजन में सबकी विशेषताओ को ध्यान में रखते हुए अचीवमेंट अवार्ड दिया गया। इसी कार्यक्रम के दौरान बातचीत करते हुए अपूर्वा वैलनेस हैल्थ एंड केयर के डॉक्टर ए वी अग्रवाल ने बताया कि मधुमेह, उच्च रक्तचाप (हाई बीपी) व कॉलेस्ट्राल कोई रोग नहीं, अपितु यह एक आदत है। थोडा सा अनुशासित जीवन जीने से इनसे पूर्ण रूप से मुक्ति पाई जा सकती है, तथा बिना दवाईयों के एक स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है। यदि आप उच्च रक्तचाप या अन्य मानसिक रोगों की दवाईयां खाकर तंग आ चुके हैं, तो आपको अपने खान-पान में सुधार करने की आवश्यकता है। योग, आसन और योगक्रिया भी पाचन में सुधार करने के लिए सहायक होते हैं। उचित आहार लेने से पाचन संबंधी विकार आसानी से दूर हो सकते हैं,जिससे मधुमेह, बीपी, उच्च रक्तचाप व कॉलेस्ट्राल जैसे अनेक बीमारियों से छुटकारा मिल सकता है।

पश्चिमी टेक्सास में विमान क्रैश, दो की मौत

ओडेसा (टेक्सास)। पश्चिमी टेक्सास के पास मंगलवार को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में पायलट और एक यात्री की मौत हो गई और एक महिला घायल हो गई। अधिकारियों ने बताया कि ओडेसा हवाई अड्डे से उड़ान भरने के बाद विमान अधिक ऊंचाई तक नहीं जा सका और बिजली के खंभे से टकरा गया इसके बाद करीब सात बजे एक गली में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में विमान सवार दोनों लोगों की मौत हो गई। एक्टर काउंटी के शैरिफ माइक ग्रिफिस ने कहा कि स्पष्ट रूप से पायलट ने घरों को बचाने का प्रयास किया था।

बुशरा बीबी को राहत, दंगों के 12 मामलों में बरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी को अदालत से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने 9 मई के दंगों से जुड़े 12 मामलों में बुशरा बीबी समेत सभी आरोपियों को बरी कर दिया है। बुशरा बीबी को एंटी-टेररिज्म कोर्ट ने शनिवार को तलब किया था। बता दें कि 9 मई 2023 की हिंसा इमरान खान को कथित करप्शन में गिरफ्तारी के दौरान भड़की थी, जिसमें बुशरा बीबी को भी दोषी पाया गया था। रावलपिंडी की आतंकवाद निरोधी अदालत ने बुशरा बीबी को पिछले साल 9 मई को उनके पति की गिरफ्तारी के बाद हुई हिंसा से संबंधित 12 मामलों में बरी कर दिया।

तमिलनाडु में खदान में विस्फोट, दो की मौत

इरोड (तमिलनाडु)। इरोड जिले में एक गैर-लाइसेंसी निजी पत्थर खदान में हुए विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दोनों लोग खदान में कार्य करते थे और इनमें से एक कर्नाटक का रहने वाला था। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विस्फोट में दो लोगों की मौत होने पर शोक व्यक्त किया और पीड़ितों के परिवारों को तीन-तीन लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

हाईकोर्ट ने राजस्थान सरकार को भी बनाया पक्षकार, अगली सुनवाई तीन सितंबर को

जगदीश शर्मा, चंडीगढ़

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के जेल में हुए इंटरव्यू मामले में राजस्थान सरकार को भी पक्षकार बना दिया गया है। इस मामले में हाईकोर्ट को सहयोग दे रही एडवोकेट तनु बेदी ने आज राजस्थान सरकार को इस मामले में पक्ष बनाए जाने की अर्जी दी। एसआईटी की रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि गैंगस्टर बिश्नोई का एक इंटरव्यू राजस्थान में हुआ था।

हाईकोर्ट ने मामले में अब राजस्थान सरकार को नोटिस जार कर दिया है। तीन सितंबर को राजस्थान के एडवोकेट जनरल को वीसी के जरिए सुनवाई में शामिल होने के आदेश दिए गए हैं। वहीं पंजाब के खरड़ के सीआईए कांप्लेक्स में हुए पहले इंटरव्यू के मामले में पंजाब सरकार को कार्रवाई करने के आदेश दिए गए हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि इसके दोषी बड़े अधिकारियों की पहचान कर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए।

लॉरेंस बिश्नोई के पुलिस हिरासत में हुए इंटरव्यू को लेकर गठित एसआईटी ने खुलासा किया है कि उसका पहला इंटरव्यू सीआईए (क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी) के खरड़ थाने (मोहाली) में हुआ था। सितंबर 2022 में रिकॉर्ड किया गया यह इंटरव्यू सात माह बाद मार्च 2023 में जारी किया गया था।

दूसरा इंटरव्यू राजस्थान की जेल में हुआ था। एसआईटी की रिपोर्ट से पंजाब सरकार के उस दावे की पोल खुल गई है, जिसमें कहा गया था कि इंटरव्यू पंजाब की हद में नहीं हुआ। हाईकोर्ट ने इस मामले की जांच स्पेशल डीजीपी ह्यूमन राइट्स प्रबोध कुमार की अध्यक्षता वाली एसआईटी (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम) को सौंपी थी। एसआईटी की ओर से सीलबंद रिपोर्ट बुधवार को हाईकोर्ट में पेश की गई। एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि पहला इंटरव्यू सीआईए के खरड़ थाने में हुआ था।

वेरका प्लांट के मेन गेट पर किसानों ने जड़ा ताला

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

मोहाली के फेज-6 स्थित वेरका प्लांट के मेन गेट पर किसानों ने ताला लगाया है। वहीं प्लांट में काम करने वाले कर्मचारी भी गेट के अंदर बंद कर दिए गए हैं। इनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी हैं। शाम पांच बजे कर्मचारियों की छुट्टी होनी थी। इससे पहले ही किसानों ने गेट पर ताला लगा दिया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची है। मामले की जांच की जा रही है। वहीं गेट पर लगाए गए ताले को खोलने के लिए किसानों से बात की जा रही है। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि किसानों ने वेरका प्लांट के मेन गेट पर ताला क्यों लगा दिया।

लगभग एक घंटे से गेट पर ताला लगा हुआ है। प्लांट में काम करने वाली महिला कर्मियों को एक घंटे बाद बाद बाहर निकाला गया है। वहीं, फेज-6 की मुख्य सड़क पर ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी हुई है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में रोजगार और बेरोजगारी दर बड़े मुद्दे

जगदीश शर्मा, चंडीगढ़

बेरोजगारी पर राजनीतिक दल बेशक कुछ भी तथ्य पेश करें, लेकिन हकीकत ये है कि प्रदेश में नौकरी या रोजगार नहीं मिलने के चलते हरियाणवी युवाओं ने विदेश का रुख कर लिया है। गंभीर बात ये है कि डोंकी माध्यम से विदेश जाकर काम तलाशने का प्रचलन बढ़ता जा रहा है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में रोजगार और बेरोजगारी दर बड़े मुद्दे हैं। नियमित और कच्चे पदों पर भर्तियों में एक-एक पद के लिए हजारों आवेदन आने से प्रदेश में बढ़ रही बेरोजगारी का अंदाजा लगाया जा सकता है। बेरोजगारी दर के प्रतिशत पर सत्ताधारी और विपक्षी दल पिछले दस साल से आमने-सामने हैं। कांग्रेस का दावा है कि हरियाणा में पूरे देश में सबसे अधिक बेरोजगारी दर 27.9 फीसदी से अधिक है, लेकिन भाजपा सरकार इन आरोपों को दरकिनार कर मात्र 5 से 6 फीसदी बेरोजगारी होने का दावा कर रही है।

खाली पड़े हैं दो लाख पद

हरियाणा में 4.50 लाख सरकारी स्वीकृत पद हैं। इनमें से करीब 2 लाख पद खाली पड़े हैं। प्रदेश में मात्र 2.70 लाख कर्मचारियों के भरोसे सारे विभाग, निगम और बोर्ड चल रहे हैं। खाली पदों को लेकर विपक्षी दल सड़क से लेकर विधानसभा तक में सरकार की घेराबंदी करते रहे हैं।

विधानसभा चुनाव को लेकर जहां भाजपा मिशन मेरिट को अपना हथियार बना रही है और कांग्रेस पर हमले कर रही है। वहीं, कांग्रेस पेपर लीक, अदालतों में अटकी भर्तियों और बाहरी राज्यों के युवाओं को नौकरी देने को मुद्दा बना रही है। (अनंत ज्ञान)

चंद्रयान 4 और 5 का डिजाइन पूरा: सोमनाथ

नई दिल्ली । चंद्रयान-3 की सफलता के बाद अब इसरो चंद्रयान 4 और 5 की तैयारी कर रहा है। इसरो प्रमुख डॉ. एस. सोमनाथ ने कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी ने अगले चरण के मून मिशन के लिए डिजाइन तैयार कर लिया है। इसके लिए सरकार से मंजूरी लेने की प्रक्रिया चल रही है।

चंद्रयान-4 मिशन में चांद की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग के बाद चंद्रमा के पत्थरों और मिट्टी को पृथ्वी पर लाना, चंद्रमा से एक अंतरिक्ष यान को लांच करना, चंद्रमा की कक्षा में अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग का प्रदर्शन करना और नमूनों को पृथ्वी पर वापस लाना शामिल है।

सोमनाथ ने बताया कि इसरो की आगामी 5 साल में 70 सैटेलाइट लांच करने की योजना है। उन्होंने कहा कि हमारे पास चंद्रमा पर जाने के लिए कई मिशन हैं। चंद्रयान-3 का काम पूरा हो चुका है। अब चंद्रयान 4 और 5 का डिजाइन तैयार हो चुका है और हम सरकार से मंजूरी मांग रहे हैं। हम अगले पांच साल में 70 उपग्रहों को लांच करने की योजना बना रहे हैं।

मुख्यमंत्री धामी ने किया नंदा देवी 'लोकजात' मेले का शुभारंभ

कहा-मेले हमें हमारी संस्कृति के साथ अपनी जड़ों से जोड़ने का काम करते हैं

अनंत ज्ञान, देहरादून

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चमोली स्थित कुरुड़ पहुंचकर तीन दिवसीय नंदा देवी लोकजात मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने मां नंदा के दर्शन कर पूजा-अर्चना की एवं प्रदेश के सुख समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री घोषणा में नंदानगर, नारायणबगड़ और देवाल में खेल मैदान निर्माण, प्राणमती नदी के दोनों तटों पर सुरक्षा कार्य, थराली के ढाडरबगड़ में बाढ़ सुरक्षा कार्य शामिल हैं।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने नंदा देवी लोकजात मेले को राजकीय मेला घोषित करने, नंदानगर चिकित्सालय को उप जिला चिकित्सालय में उच्चीकृत करने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि पारंपरिक मेले हमें हमारी संस्कृति के साथ अपनी जड़ों से जोड़ने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के पौराणिक मेलों को संरक्षण करते हुए नए आयामों को जोड़कर भव्यता प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार धार्मिक आस्था का सम्मान करते हुए विकास कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य में युवाओं के भविष्य को देखते हुए पारदर्शी भर्ती परीक्षाओं के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने जहां एक ओर नकल विरोधी कानून बनाकर नकल पर प्रभावी रोक लगाई है, वहीं राज्य में भर्ती परीक्षाओं में नकल करवाने वाले 100 से अधिक दोषियों को जेल भेजने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की कार्य प्रणाली का प्रतिफल है कि अब तक 16 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र मिल चुके हैं।

देश-विदेश

ईरान में बस पलटने से 35 पाक तीर्थयात्रियों की मौत, 15 जख्मी

एजेंसी, तेहरान

शिया जायरीनों को पाकिस्तान से ईरान ले जा रही एक बस मंगलवार देर रात मध्य ईरान में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में करीब 35 पाकिस्तानियों की मौत हो गई, जबकि 15 घायल हुए हैं। ईरान की समाचार एजेंसी 'आईआरएनए' ने स्थानीय आपातकालीन सेवा के अधिकारी मोहम्मद अली मालकजादेह के हवाले से बताया कि यह हादसा मंगलवार देर रात राजधानी तेहरान से लगभग 500 किलोमीटर (310 मील) दक्षिण-पूर्व में यज्द प्रांत के तफ्त शहर के बाहरी इलाके में हुआ।

बस में कुल 51 लोग सवार थे और ये सभी पाकिस्तान के रहने वाले हैं। ईरान के सरकारी समाचार चैनल ने हादसे के लिए बस के ब्रेक फेल होने और चालक की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। पाकिस्तान में स्थानीय शिया नेता कमर अब्बास ने कहा कि बस में पाकिस्तान के दक्षिणी सिंध प्रांत के लरकाना शहर के जायरीन सवार थे। पाकिस्तान सरकार की घटना पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। पाकिस्तानी जायरीन अरबईन के लिए इराक जा रहे थे। अरबईन इस्लाम के इतिहास की पहली शताब्दी के दौरान कर्बला की लड़ाई में पैगंबर मुहम्मद के नवासे हुसैन की शहादत के 40वें दिन उनकी याद में किया जाने वाला एक अनुष्ठान है।

जेएंडके चुनाव: 'अपनी पार्टी' ने किया घोषणा पत्र जारी

श्रीनगर। 'अपनी पार्टी' ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के लिए बुधवार को अपना घोषणापत्र जारी किया, जिसमें यहां की संस्कृति और विशेष पहचान को संरक्षित करने के लिए संवैधानिक गारंटी के वास्ते केंद्र पर दबाव डालने और इस केंद्र शासित प्रदेश का राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए काम करने का वादा किया गया है। पार्टी के महासचिव रफी मीर ने अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ यहां एक संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणापत्र जारी किया। घोषणापत्र में कहा कि 'अपनी पार्टी कुछ पूर्वोत्तर राज्यों में अनुच्छेद 371 के प्रावधानों की तरह जम्मू कश्मीर की संस्कृति तथा विशेष पहचान को संरक्षित करने के लिए संवैधानिक गारंटी दिए जाने का दबाव बनाएगी।

इसराइल ने गाजा में स्कूल पर किया हमला, 12 की मौत

एजेंसी, गाजा

इसराइली सेना ने गाजा शहर पर एक और स्कूल पर हमला किया। इस हमले में 12 फलस्तीनियों की मौत हो गई। गाजा के पश्चिमी इलाके रिमाल में मौजूद मुस्तफा हफीज़ स्कूल पर हमले के बाद बचावकर्मी मलबे में और लोगों को ढूंढ रहे हैं। इसराइली सेना ने कहा कि इसने हमास के कमांडर और कंट्रोल सेंटर को निशाना बनाया था क्योंकि ये स्कूल के अंदर से काम कर रहा था। इससे पहले भी इसराइल इस इलाके में कुछ स्कूलों पर हमले कर चुका है। इसराइली हवाई हमले में मध्य गाजा पट्टी के दीर अल-बलाह के एक बाजार पर कम से कम नौ लोग मारे गए।

लेबनान में भी हमला, 3 की गई जान, 6 घायल

बेरूत। दक्षिणी लेबनान पर मंगलवार को इसराइली हवाई हमले में हिज़बुल्लाह के तीन सदस्य मारे गए और तीन पैरामेडिक्स सहित छह लोग घायल हो गए। वेबनानी सैन्य सूत्रों ने बताया कि एक इसराइली युद्धक विमान ने दक्षिण-पश्चिमी लेबनानी शहर टायर के अल-धाहिरा गांव पर हवाई हमला किया, जिसमें हिजबुल्लाह के तीन सदस्य मारे गए। हमले ने दो घरों को नष्ट कर दिया।

मिहिर शाह की याचिका पर पुलिस से मांगा जवाब

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने बीएमडब्यू 'हिट एंड रन' मामले में मुख्य आरोपी मिहिर शाह और उसके वाहन चालक राजर्षि बिदावत द्वारा दायर याचिकाओं पर बुधवार को पुलिस का जवाब मांगा। दोनों ने याचिकाएं दायर कर तत्काल रिहा करने का अनुरोध किया है और यह दावा किया है कि उनकी गिरफ्तारी गैरकानूनी है।

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने 69.82 लाख का भुगतान कर सेबी के साथ मामला सुलझाया

एजेंसी, नई दिल्ली

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने 69.82 लाख रुपए का भुगतान कर नियामक मानदंडों के कथित उल्लंघन से संबंधित मामले को सेबी के साथ सुलझा लिया है।

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, कंपनी की मर्चेंट बैंकिंग गतिविधियों की पुस्तकों और रिकॉर्ड के निरीक्षण के संबंध में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) को एक निपटान आवेदन प्रस्तुत किया। ये टिप्पणियां मुख्य रूप से एक मर्चेंट बैंकर के रूप में कंपनी द्वारा अपनाई जाने वाली उचित परिश्रम प्रक्रिया से संबंधित थीं। कंपनी सूचना के अनुसार, उसने सेबी के कारण बताओ नोटिस से उत्पन्न किसी भी लंबी कार्रवाई से बचने के लिए उपर्युक्त मामले के संबंध में निपटान विनियमों के तहत निपटान के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। भुगतान के बाद सेबी द्वारा पारित 20 अगस्त 2024 का निपटान आदेश कंपनी को उसी दिन मिल गया।

त्रिपुरा में भूस्खलन सात लोगों की मौत

एजेंसी, त्रिपुरा

त्रिपुरा में भारी बारिश के बाद भू-स्खलन होने से मलबे में दबकर सात लोगों की मौत हो गई। इनमें एक ही परिवार के तीन लोग हैं। इस बीच त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने दिल्ली से लौटकर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की, इस दौरान पूरे राज्य में बाढ़ की स्थिति की जानकारी उन्हें दी गई।

त्रिपुरा के राजस्व विभाग के सचिव ने बताया कि दक्षिण त्रिपुरा जिले में 7 लोगों के मौत की खबर है। गोमती और खोवाई जिलों में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। इन जिलों में दो लोगों के लापता होने की भी खबर है।

इटावा में ट्रक-कार की भिड़ंत, 4 की गई जान

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा में बुधवार को एक ट्रक और कार की टक्कर में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं, वहीं, घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ये लोग दिल्ली से हमीरपीर जा रहे थे। एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हुआ है। डॉ. मोहन ने बताया कि दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए एक बच्चे की पहचान राठी और एक महिला पूनम के रूप में की गई है, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

यूक्रेन ने मॉस्को पर किया सबसे बड़ा ड्रोन हमला, 45 यूएवी मार गिराए

एजेंसी, मॉस्को

रूस और यूक्रेन का युद्ध अपने चरम सीमा पर पहुंच चुका है। यूक्रेनी सेना रूस के कई इलाकों पर कब्जा भी कर चुकी है। अब खबर आई है कि यूक्रेन ने रूस की राजधानी मॉस्को पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया है। यूक्रेन की तरफ से बुधवार को मॉस्को पर कई ड्रोन दागे गए हैं।

रूसी रक्षा बल के अधिकारियों का आरोप है कि उन्होंने रूस की राजधानी मॉस्को क्षेत्र में 11 ड्रोन को नष्ट किया, जबकि पूरे देश में रातभर में 45 ड्रोन को मार गिराया गया। अधिकारियों के मुताबिक रूसी क्षेत्र में नष्ट किए गए 45 ड्रोन में 11 मॉस्को, ब्रायंस्क के सीमावर्ती इलाके में 23, बेलगोरोद क्षेत्र में छह, कलुगा में तीन और कुर्स्क क्षेत्र में दो ड्रोन नष्ट किए गए। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने बताया कि पोडोल्स्क शहर के ऊपर कुछ ड्रोन को नष्ट किया गया। यह मॉस्को पर हमला करने का अब तक का सबसे बड़ा प्रयास है। उन्होंने कहा कि मॉस्को की सुरक्षा प्रणाली के चलते ड्रोन हमलों को सफलतापूर्वक विफल किया जा सका।

चूहों को पकड़ने के लिए बिल्लियां खरीदी जाएंगी, 12 लाख का बजट पास

पाकिस्तानी संसद में चूहों का आतंक, जरूरी फाइलें कुतरीं

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान में आर्थिक तंगी के बीच देश की संसद में चूहों से निपटने के लिए सरकार ने शिकारी बिल्लियां तैनात करने का फैसला किया है। पाकिस्तान की कैपिटल डेवलपमेंट अथॉरिटी (सीडीए) ने इसके लिए 12 लाख पाकिस्तानी रुपए का बजट आवंटित किया है। पाकिस्तानी चैनल जियो टीवी ने जानकारी दी।

दरअसल, संसद में चूहों की तादाद लगातार बढ़ती जा रही है। वे सीनेट और नेशनल असेंबली के विभागों में कई जरूरी और गोपनीय फाइलों को कुतर कर बर्बाद कर चुके हैं। वे कम्प्यूटर के तार को काट कर उन्हें नुकसान पहुंचा रहे हैं। सीडीए इन चूहों को खत्म करने के लिए प्राइवेट एक्सपर्ट की मदद लेने की भी योजना बना रही है। इसके अलावा चूहों को पकड़ने के लिए खास तरह की मेश ट्रैप्स (चूहेदानी) भी लगाई जाएंगी। इस परेशानी का पता तब चला जब एक आधिकारिक कमिटी से 2008 में हुईं बैठकों के रिकॉर्ड देखने को कहा गया। जब इसकी फाइल देखीं तो पता चला कि उनमें से ज्यादातर को चूहों ने कुतर दिया है। ज्यादातर चूहे पहली मंजिल पर हैं। इस मंजिल पर विपक्षी नेता के ऑफिस हैं। ज्यादातर राजनीतिक दलों और स्टैंडिंग कमिटी की बैठक इस मंजिल पर होती है। जब संसद में लोग रहते हैं तब चूहे कम नजर आते हैं।

सेंसेक्स 102 अंक बढ़कर 80,905 पर बंद

मुंबई। सेंसेक्स बुधवार को 102 अंक (0.13 फीसदी) की तेजी के साथ 80,905 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 71 अंक की तेजी रही। ये 24,770 के स्तर पर बंद हुआ सेंसेक्स में सबसे ज्यादा तेजी टाइटन में रही। ये 2.46 फीसदी चढ़कर 3,560 रुपए पर बंद हुआ। वहीं, सेंसेक्स का टॉप लूजर अल्ट्राटेक सीमेंट रहा। ये 1.51 प्रतिशत गिरकर 11,216 रुपए पर बंद हुआ। वहीं, एशियाई बाजारों में आज गिरावट रही। जापान का निक्केई इंडेक्स 0.29 प्रतिशत नीचे बंद हुआ। वहीं ेन के शंघाई कंपोजिट में 0.35 प्रतिशत और हांगकांग के हैंगसेंग में 0.69 प्रतिशत की गिरावट रही।

न्यूज ब्रीफ

स्मृति मंधाना वनडे रैंकिंग में तीसरे नंबर पर

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की धाकड़ बल्लेबाज और उपकप्तान स्मृति मंधाना ने जारी महिलाओं की ताजा आईसीसी वनडे रैंकिंग में तीसरे स्थान पर जगह बना ली है।

मंधाना एक स्थान के सुधार के साथ शीर्ष तीन में पहुंच गई हैं। मंधाना के नाम 738 रेटिंग अंक है और वह वनडे प्रारूप में भारत की शीर्ष रैंकिंग वाली बल्लेबाज हैं। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस सूची में अपना 9वां स्थान बरकरार रखा है। मंधाना टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में अपने चौथे स्थान का बचाव करने में सफल रही।

गौरतलब है कि भारतीय टीम ने हाल ही में संपन्न हुए महिला एशिया कप में शानदार प्रदर्शन किया था हालांकि टीम फाइनल में मेजबान श्रीलंका से हार गई थी। अब टीम को तीन अक्तूबर से यूएई में महिला टी-20 विश्व कप में खेलना है। भारत का पहला मुकाबला चार अक्तूबर को न्यूजीलैंड से होगा।

स्विट्जरलैंड में छुट्टियां मना रही मंधाना

नई दिल्ली। भारत की स्टॉर महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना इन दिनों क्रिकेट से दूर स्विट्जरलैंड में छुट्टियां मना रही है। मंधाना ने 'एक्स' पर अपनी एक फोटो शेयर की है जिसे प्रशंसकों ने खूब सराहा।

आईसीसी चेयरमैन चुनाव, निगाहें जय शाह पर

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मौजूदा चेयरमैन ग्रेग बार्कले ने 30 नवंबर को अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद मंगलवार को तीसरे कार्यकाल की दौड़ से खुद को अलग कर लिया जिससे खेल की वैश्विक संचालन संस्था में बीसीसीआई के सचिव जय शाह के भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।

शाह इस पद के लिए अपनी दावेदारी पेश करेंगे या नहीं यह 27 अगस्त तक स्पष्ट हो जाएगा जो चेयरमैन पद के लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख है। आईसीसी चेयरमैन दो-दो साल के तीन कार्यकाल के लिए पात्र होता है और न्यूजीलैंड के वकील बार्कले ने अब तक चार साल पूरे कर लिए हैं। आईसीसी के चेयरमैन ग्रेग बार्कले ने बोर्ड को पुष्टि की है कि वह तीसरे कार्यकाल के लिए खड़े नहीं होंगे और नवंबर के अंत में अपना वर्तमान कार्यकाल समाप्त होने पर पद छोड़ देंगे। बार्कले को नवंबर 2020 में आईसीसी के स्वतंत्र अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्हें 2022 में फिर से इस पद पर चुना गया। जगमोहन डालमिया, शरद पवार, एन श्रीनिवासन और शशांक मनोहर ऐसे भारतीय हैं जिन्होंने अतीत में आईसीसी का नेतृत्व किया है।

पैरालंपिक में तैनात होंगे 25 हजार पुलिसकर्मी

पेरिस। फ्रांस के गृहमंत्री गेराल्ड डेर्मेनिन ने कहा कि ओलंपिक के दौरान की गई सुरक्षा व्यवस्था की तर्ज पर पैरालंपिक खेलों के दौरान भी पेरिस और इसके आसपास प्रत्येक दिन लगभग 25 हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। फ्रांस की राजधानी और इसके आसपास के इलाकों में पैरालंपिक का आयोजन 28 अगस्त से आठ सितंबर तक होना है। डेर्मेनिन ने प्रेस कांफ्रेंस में दोहराया कि अधिकारियों ने पैरालंपिक खेलों के लिए कोई 'ठोस' आतंकवादी खतरा नहीं पाया है। उन्होंने कहा कि गाजा में युद्ध के दौरान फिलीस्तीन में लोगों की मौतों और पश्चिम एशिया में व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष के खतरे के बीच ओलंपिक की तरह पैरालंपिक के दौरान भी इजराइल के 27 खिलाड़ियों को एलीट पुलिस अधिकारियों द्वारा 24 घंटे सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी। पेरिस 2024 आयोजन समिति के अध्यक्ष टोनी एस्टेनग्वे ने बताया कि पैरालंपिक का आयोजन 19 आयोजन स्थलों पर होगा और इन खेलों में 4400 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

न्यूयॉर्क में खेले गए आठ मैचों में से छह की पिच 'संतोषजनक'

एजेंसी, दुबई

आईसीसी ने टी-20 विश्व कप की पिचों की जारी की रेटिंग

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मैच रेफरी ने टी-20 विश्व कप के दौरान न्यूयॉर्क में खेले गए आठ मैचों में से भारत बनाम पाकिस्तान सहित छह मैचों की पिच को लेकर नरम रूख अपनाते हुए उसे 'संतोषजनक' रेटिंग दी है।

अस्थायी नासाउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैचों में से आयरलैंड के खिलाफ भारत के शुरुआती मैच के अलावा श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के बीच मैच के लिए इस्तेमाल की गई पिच को मैच रेफरी से 'असंतोषजनक' रेटिंग मिली है। आईसीसी ने अमेरिका में क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए न्यूयॉर्क में मैचों का आयोजन किया था, लेकिन खराब पिच और धीमी आउटफील्ड के कारण उसे आलोचना का सामना करना पड़ा था।

आईसीसी ने टूर्नामेंट खत्म होने के काफी समय के बाद मंगलवार को अपनी वेबसाइट पर पिच रेटिंग प्रकाशित की। यह टूर्नामेंट एक से 29 जून तक अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेला गया था। न्यूयॉर्क में सभी आठ मैच कम स्कोर वाले रहे थे। टूर्नामेंट के आयोजन के दौरान और उसके बाद विशेषज्ञों और प्रशंसकों ने इन पिचों की तीखी आलोचना की थी। भारत ने न्यूयॉर्क में ग्रुप चरण के तीन मैच खेले जबकि फोर्ट लॉडरहिल में कनाडा के खिलाफ उसका मैच बारिश की भेंट चढ़ गया। ड्रॉप इन पिच का मतलब ऐसी पिच होती है जिसे मैदान या स्थल से दूर कहीं बनाया जाता है और बाद में स्टेडियम में लाकर बिछा दिया जाता है। न्यूयॉर्क में इस्तेमाल की गयी पिचें एडीलेड ओवल के मुख्य क्यूरेटर डेमियर हॉग के नेतृत्व में तैयार की गई थी। इन पिचों को मई के पहले सप्ताह में न्यूयॉर्क पहुंचाया गया था और पूरा परीक्षण किए बिना इस पर दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के बीच उद्घाटनी मैच खेला गया था। न्यूयॉर्क में खेले गए आठ मैचों में पहली पारी का औसत स्कोर 107.6 था। रंजन मदुगले, डेविड बून, जेफ क्रो और रिची रिचर्डसन न्यूयॉर्क के मैचों के लिए चार मैच रेफरी थे।

बारबाडोस में अफगानिस्तान के खिलाफ भारत के सुपर-8 मैच की पिच को 'संतोषजनक' रेटिंग दी गई थी। टूर्नामेंट के फाइनल मैच की पिच को 'बहुत अच्छा' रेटिंग मिली। 'बहुत अच्छा' रेटिंग हासिल करने वाली यह इकलौती पिच रही।

52 मैचों में से केवल तीन मैचों को 'असंतोषजनक' रेटिंग

प्रतियोगिता के 52 मैचों में से केवल तीन मैचों को 'असंतोषजनक' रेटिंग दी गई। इसमें तीसरा मैच त्रिनिदाद में अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला गया सेमीफाइनल था, जहां अफगानिस्तान की टीम 56 रन पर आउट हो गई थी।आईसीसी की यह रेटिंग थोड़ी हैरान करने वाली है क्योंकि उसने पिछले साल अहमदाबाद में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए एकदिवसीय विश्व कप फाइनल की पिच को 'औसत' रेटिंग दी थी। फाइनल से पहले अजेय रही भारतीय टीम खिताबी मुकाबले में नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच पर केवल 240 रन ही बना सकी थी। ऑस्ट्रेलिया ने 43 ओवरों में इस लक्ष्य का पीछा कर लिया था। इससे पता चलता है कि न्यूयॉर्क में इस्तेमाल की गई ड्रॉप-इन पिचों की तुलना में यह कहीं बेहतर पिच थी।

एशेज के समान महत्वपूर्ण है बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी : स्टार्क

एजेंसी, सिडनी

1991-92 के बाद भारत ऑस्ट्रेलिया में पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे

2014-15 के बाद से ऑस्ट्रेलिया बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीत पाया

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का मानना है कि भारत के खिलाफ होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में तीन दशक में पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे जिससे यह सीरीज उनकी टीम के लिए प्रतिष्ठित एशेज के समान महत्वपूर्ण हो गई है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नवंबर में शुरू होने वाली महत्वपूर्ण सीरीज में 1991-92 के बाद पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया 2014-15 के बाद से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीत पाया है जबकि भारत ने इस बीच लगातार चार सीरीज जीती हैं। भारत ने इस दौरान दो बार 2018-19 और 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराया। स्टार्क न केवल सीरीज जीतने का इरादा रखते हैं, बल्कि वह चाहते हैं कि उनकी टीम क्लीन स्वीप करे, विशेष कर तब जबकि यह सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। उन्होंने कहा,''हम अपनी घरेलू धरती पर प्रत्येक मैच में जीत हासिल करना चाहते हैं और हम यह भी जानते हैं कि भारत की टीम काफी मजबूत है।'' भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में अभी पहले जबकि ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है।

स्टार्क ने कहा,''भारत और ऑस्ट्रेलिया अभी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज हैं। इसलिए प्रशंसकों और निश्चित रूप से खिलाड़ियों के लिए एक बहुत ही रोमांचक सीरीज होने वाली है। उम्मीद है कि आठ जनवरी को ट्रॉफी हमारे हाथ में होगी।''

स्टार्क 100 टेस्ट मैच खेलने से केवल 11 मैच दूर हैं और बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज का अभी लंबी अवधि के प्रारूप से संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है।

डेनिएल को हराकर एरिका एंड्रीवा क्वार्टर फाइनल में

मॉन्टेरी (मैक्सिको)

एरिका एंड्रीवा ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त डेनिएल कोलिन्स को हराकर मॉन्टेरी डब्ल्यूटीए 500 हार्डकोर्ट टेनिस प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

एंड्रीवा ने देर रात तक चले इस मैच में 1-6, 6-3, 6-3 से जीत दर्ज की। यह पहला अवसर है जबकि उन्होंने विश्व रैंकिंग में शीर्ष-20 में शामिल किसी खिलाड़ी को हराया। यही नहीं वह पहली बार किसी शीर्ष स्तरीय डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं। इससे पहले छठी वरीयता प्राप्त लिंडा नोस्कोवा ने कजाकिस्तान की अन्ना डेनिलिना पर 49 मिनट में 6-0, 6-1 से जीत दर्ज की। चेक गणराज्य की इस 19 वर्षीय खिलाड़ी का अगला मुकाबला चीन की वांग ज़ियू या जर्मनी की तात्जाना मारिया से होगा। गत चैंपियन डोना वेकिच पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने के बाद मॉन्टेरी टूर्नामेंट से हट गई थी।

मनोज ठाकुर ने 48 किलोग्राम भारवर्ग में झटका स्वर्ण पदक

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

जिला स्तरीय सीनियर वुशु महिला व पुरुष की जिला स्तरीय वुशु प्रतियोगिता अक्षित वुशु स्पोर्ट्स एकेडमी बजौरा में करवाई गई। यह जानकारी जिला कुल्लू वुशु संघ के सचिव लुदर चंद ने दी।

उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता के 48 किलो ग्राम भार वर्ग में मनोज ठाकुर स्वर्ण, 56 किलोग्राम भार वर्ग में प्रवीण कुमार स्वर्ण, 60 किलोग्राम भार वर्ग में योगेंद्र ठाकुर स्वर्ण , 65 किलोग्राम भारवर्ग में झावे राम स्वर्ण, 70 किलोग्राम भार वर्ग में दिनेश ठाकुर स्वर्ण, 75 किलोग्राम भार वर्ग में नरेंद्र कुमार स्वर्ण, 80 किलोग्राम भार वर्ग में प्रशांत कुमार स्वर्ण, 90 किलो ग्राम भार वर्ग में दीक्षित कश्यप स्वर्ण पदक तथा महिला वर्ग में 60 किलोग्राम भार वर्ग में वंदना ठाकुर स्वर्ण, 65 किलोग्राम भार वर्ग में भूमिका स्वर्ण , 75 किलोग्राम भार में साइना ने स्वर्ण पदक हासिल किया। अब ये खिलाड़ी 24 और 25 अगस्त सुंदरनगर में होने वाली राज्य स्तरीय वुशु प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि जिला कुल्लू सेपक टकरा संघ के अध्यक्ष झाबे राम रहे। जिला कुल्लू वुशु संघ के अध्यक्ष पूर्ण चंद, उपाध्यक्ष राकेश कुमार, ज्ञान ठाकुर, जिला वुशु संघ के सचिव चेतन लाल भीम सिंह, मुस्कान, अरुण कुमार उपस्थित रहे।

वुशु प्रतियोगिता के विजेता आयोजकों व मुख्यातिथि के साथ

रौनक दहिया को कांस्य पदक

अम्मान (जॉर्डन)। भारत के रौनक दहिया ने अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में ग्रीको रोमन शैली के 110 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। अपने आयु वर्ग की रैंकिंग में दूसरे नंबर पर काबिज रौनक ने कांस्य पदक के प्लेऑफ में तुर्की के इमरुल्लाह कैपकन को आसानी से 6-1 से हराया। यह मौजूद चैंपियनशिप में भारत का पहला पदक है।

इससे पहले रौनक सेमीफाइनल में हंगरी के रजत पदक विजेता जोल्टन कजोको से हार गए थे। इस वर्ग में स्वर्ण पदक यूक्रेन के इवान यानकोवस्की ने जीता, जिन्होंने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर कजाको को 13-4 से हराया। भारत के पास 51 किग्रा रेपेचेज में दूसरा पदक जीतने का मौका है, लेकिन इसके लिए साईनाथ पारधी को दो मुकाबले जीतने होंगे।

बांग्लादेश नहीं, यूएई में खेला जाएगा महिला टी-20 विश्व कप

एजेंसी, दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद बांग्लादेश में व्याप्त अशांति के कारण महिला टी-20 विश्व कप को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में स्थानांतरित किया जाएगा। इस खेल के वैश्विक संचालक ने कहा कि इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाले देशों की सरकारों द्वारा बांग्लादेश की यात्रा न करने की सलाह के बाद इस टूर्नामेंट का वहां आयोजन करना 'संभव नहीं' था। इस विश्व कप को तीन से 20 अक्तूबर तक दुबई और शारजाह में आयोजित किया जाएगा। इसकी मेजबानी का अधिकार हालांकि बांग्लादेश के पास ही रहेगा जिससे यह सुनिश्चित होगा कि वह राजस्व का अपना हिस्सा प्राप्त कर सके।

आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने दक्षिण एशिया के इस देश में अशांति का जिक्र किए बिना कहा, ''बांग्लादेश के लिए महिला टी-20 विश्व कप की मेजबानी नहीं करना निराशाजनक है क्योंकि हम जानते हैं कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने एक यादगार आयोजन की तैयारी की थी।'' एलार्डिस ने कहा कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने 'इसके आयोजन के लिए सभी विकल्प तलाशे हैं, लेकिन कई भाग लेने वाली टीमों की सरकारों से यात्रा संबंधी सलाह का मतलब है कि वहां इसका आयोजन संभव नहीं था।

बांग्लादेश हालांकि मेजबानी के अधिकार बरकरार रखेगा। हम निकट भविष्य में बांग्लादेश में एक आईसीसी वैश्विक टूर्नामेंट आयोजित करने की कोशिश करेंगे।''

पैरालंपिक स्टार भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल की अगुवाई में पहला दल पेरिस रवाना

भारतीय पैरा एथलीटों की नजरें पैरालंपिक में 12 पदक पर

एजेंसी, नई दिल्ली

पांच स्वर्ण सहित एक दर्जन पदक जीतने की उम्मीद के साथ भारत के पैरालंपिक एथलीटों का पहला दल स्टार भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल की अगुवाई में पेरिस पैरालंपिक के लिए रवाना हो गया है। परिस्थितियों के अनुकूल खुद को ढालने के लिए पैरालंपिक खिलाड़ी समय से पहले रवाना हुए हैं। देश के 16 पैरा एथलीट उद्घाटन समारोह से तीन दिन पहले 25 अगस्त को खेल गांव में प्रवेश करेंगे और उससे पहले कुछ दिन पेरिस के होटलों में रुकेंगे।

पैरालंपिक में अपने खिताब की रक्षा करने वाला पहला भारतीय बनने के लिए चुनौती पेश करने वाले अंतिल सहित अन्य भारतीय खिलाड़ी फ्रांस की राजधानी के पास की सुविधाओं में प्रशिक्षण लेंगे ताकि वे वहां के मौसम के अनुकूल खुद को ढाल सकें। पैरा एथलेटिक्स स्पर्धाएं 30 अगस्त से पैरालंपिक के समापन दिवस आठ सितंबर तक 'स्टेड डी फ्रांस' में आयोजित की जाएंगी। इसी स्टेडियम में पेरिस ओलंपिक के दौरान सक्षम खिलाड़ियों ने प्रतिस्पर्धा की थी।

पैरा एथलेटिक्स के मुख्य कोच सत्यनारायण ने बताया, ''सुमित अंतिल और कुछ अन्य पैरा एथलीट खेल गांव में प्रवेश करने से पहले कुछ दिनों के लिए नेल्सन मंडेला खेल परिसर में प्रशिक्षण लेंगे।'' नेल्सन मंडेला खेल परिसर स्टेड डी फ्रांस से लगभग पांच किमी दूर है। इसमें एथलेटिक्स, रग्बी, टेनिस, व्हीलचेयर टेनिस और तैराकी के लिए अत्याधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध हैं।

सत्यनारायण ने कहा, ''कुछ लोग खेल गांव के पास के होटलों में रुकेंगे और वे दिन के समय वहां प्रशिक्षण सुविधाओं का उपयोग कर सकते हैं।'' पेरिस खेलों में भारतीय पैरा एथलेटिक्स टीम की पदक संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''हमारा लक्ष्य कम से कम पांच स्वर्ण सहित कुल 12 पदक जीतना है। यह पैरालंपिक में हमारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन होगा।''

सत्यनारायण की उम्मीदें मई में जापान के कोबे में 2024 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अभूतपूर्व सफलता से जुड़ी हैं जहां भारत छह स्वर्ण, पांच रजत और छह कांस्य के साथ पदक तालिका में छठे स्थान पर रहा था।

टोक्यो में जीते थे पांच स्वर्ण सहित 19 पदक

भारत ने 2021 में टोक्यो पैरालंपिक में रिकॉर्ड 19 पदक (पांच स्वर्ण, आठ रजत और छह कांस्य) जीते थे। भारत पैरालंपिक में 12 खेलों में 84 खिलाड़ियों की अपनी अब तक की सबसे बड़ी टीम भेज रहा है जिसमें 38 पैरा एथलीट भी शामिल हैं।

भारतीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष देवेंद्र झझारिया ने पेरिस खेलों से कम से कम 25 पदक जीतने की भविष्यवाणी की है। अंतिल और हांगझोउ एशियाई पैरा खेलों में महिलाओं की गोला फेंक एफ34 स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली भाग्यश्री जाधव उद्घाटन समारोह में भारत के ध्वजवाहक होंगे जो पहली बार किसी स्टेडियम के बाहर आयोजित किया जाएगा। यह समारोह चैम्प्स-एलिसीस से पेरिस के मध्य में प्लेस डे ला कॉनकॉर्ड तक आयोजित किया जाएगा। पेरिस ओलंपिक का उद्घाटन समारोह भी सीन नदी के तट पर स्टेडियम के बाहर आयोजित किया गया था।